शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 10 | अंक : 221 | गुवाहाटी | रविवार, 10 मार्च, 2024 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह 14 को बटद्रवा थान का करेंगे दौरा पेज 3
प्रधानमंत्री मोदी 12 मार्च को झारखंड को एक और वंदेभारत ट्रेन की सौगात... पेज 4
शीघ्रता से करें जन समस्याओं का समाधान : मुख्यमंत्री पेज 5
राष्ट्रीय महिला आयोग की पूर्व अध्यक्ष ने मोदी की पुरानी गारंटियों का मांगा हिसाब पेज 8

पीएम मोदी ने किया लाचित बरफूकन की प्रतिमा का अनावरण

राज्य को 17,750 करोड़ की परियोजनाओं की दी सौगात

■ **विकसित भारत समाचार ब्यूरो**

गुवाहाटी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इनदिनों पूर्वोत्तर राज्यों के दौरे पर हैं। शनिवार को उन्होंने असम के काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान में हाथी व जीप सफारी का आनंद लिया। काजीरंगा से वह अरुणाचल प्रदेश के दौरे पर गए और वहां सेला टनल का उद्घाटन किया। इसके बाद पीएम मोदी वापस जोरहाट लौटे और यहां लाचित बरफूकन की प्रतिमा का अनावरण किया। राम वनजी सुतार द्वारा निर्मित प्रतिमा की ऊंचाई 84 फीट है। प्रतिमा को 41 फीट के पेडेस्टल पर स्थापित किया गया है, जिससे संरचना 125 फीट ऊंची हो गई। इस प्रतिमा की नींव 2022 में पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने रखी थी। बता दें कि लाचित बरफूकन अहोम साम्राज्य के एक महान सेनापति थे। उन्हें 1671 की सरायघाट की लड़ाई में उनकी भूमिका के लिए जाना जाता है। उन्होंने राजा रामसिंह-प्रथम के नेतृत्व में शक्तिशाली मुगल सेना द्वारा असम को वापस लेने के प्रयास को विफल कर दिया था। प्रतिमा का अनावरण करने के बाद पीएम मोदी ने यहां 17,750 करोड़ रुपए के विभिन्न परियजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास भी किया। इस कार्यक्रम में शामिल होने के लिए भारी संख्या में महिलाएं पहुंचीं। कार्बी आंग्लांग से लखपति बाईदेउ (लखपति बहनें) भी इस कार्यक्रम में शामिल होने के लिए जोरहाट पहुंची। मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि बहुत अच्छा लग रहा है। हम बहुत खुश हैं। हम प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री को देखे रहे हैं। हम 26 से 27 लोग यहां आए हैं। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोगों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि उन्हें आज असम के लोगों के लिए साढ़े 17 हजार करोड़ रुपए की परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास करने का सौभाग्य मिला है। इनमें स्वास्थ्य, आवास और पेट्रोलियम से जुड़ी परियोजनाएं हैं। इनसे असम में विकास की गति और भी तेज होगी। उन्होंने कहा कि यहां आने से पहले मुझे काजीरंगा नेशनल पार्क की विशालता, उसकी प्राकृतिक सुंदरता को करीब से देखने और जानने का अवसर भी मिला। काजीरंगा अपनी तरह का अनूठा नेशनल पार्क और टाइगर रिजर्व है। पीएम मोदी ने बताया कि *विरासत भी-विकास भी*, डबल इंजन सरकार का मंत्र रहा है। विरासत के संरक्षण के साथ ही असम की डबल इंजन सरकार यहां के विकास के लिए भी उतनी ही तेजी से काम कर रही है। इंफ्रास्ट्रक्चर, स्वास्थ्य और ऊर्जा के क्षेत्र में असम ने अभूतपूर्व तेज गति दिखाई है। पीएम मोदी ने कहा कि आज असम के मेरे साढ़े 5 लाख परिवारों का अपनें पक्के मकान का सपना पूरा हुआ है। आप सोचिए, एक राज्य में साढ़े 5 लाख अपनी पसंद के, अपनी मालिकी के पक्के घर में जा रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि मुझे खुशी है कि पीएम आवास योजना के तहत दिए गए ज्यादातर घर महिलाओं के नाम रजिस्टर्ड किए गए हैं। अब घर की मालकिन मेरी माताएं-बहनें बनी हैं। भाजपा सरकार देश में 3 करोड़ लखपति दीदी बनाने के अभियान पर भी काम कर रही है। इस अभियान के तहत स्वयं सहायता

-शेष पृष्ठ दो पर

असम की चाय दुनिया भर में प्रसिद्ध : पीएम

गुवाहाटी/ नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को असम का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने पूरे विश्व में प्रसिद्ध असम के चाय के बागानों का भ्रमण किया और चाय मजदूरों की कड़ी मेहनत की सराहना की। पीएम ने एक्स पर अपनी तस्वीरें शेयर करते हुए कहा कि असम अपने शानदार चाय बागानों के लिए जाना जाता है और असम की चाय ने पूरी दुनिया में अपनी जगह बना ली है। मैं विलक्षण चाय बागान समुदाय की सराहना करना चाहूंगा, जो कड़ी मेहनत कर रहा है और दुनिया भर में असम की प्रतिष्ठा बढ़ा रहा है। पीएम मोदी ने आगे पर्यटकों से असम आने के दौरान इन चाय बागानों का दौरा करने का भी आग्रह किया। इससे पहले प्रधानमंत्री मोदी असम में स्थित यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल काजीरंगा नेशनल पार्क का भी दौरा किया। पीएम ने अपने काजीरंगा दौरे की एक वीडियो भी शेयर की है।

पीएम ने सैन्य सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण सेला पास सुरंग का किया उद्घाटन

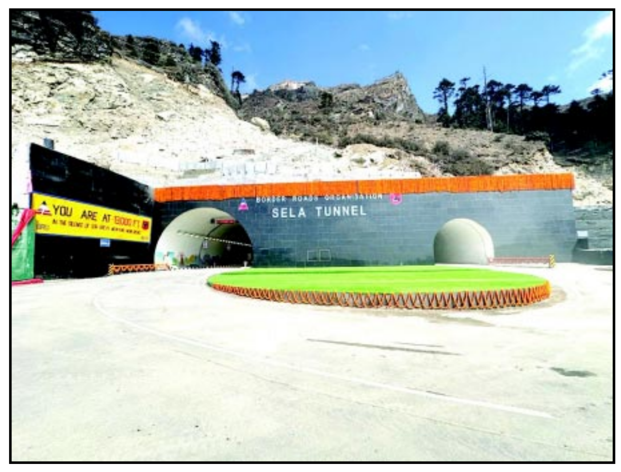

इटानगर (हि.स.)। अरुणाचल प्रदेश के दौरे आज पहुंचे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इटानगर से हरी झंडी दिखाकर सभी मौसम के लिए सेला सुरंग सहित 55,600 करोड़ रुपए की विकासात्मक कई परियोजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास किया। उन्होंने मेगा बांध सहित राज्य में विभिन्न स्थानों पर कई विकासात्मक परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास भी किया। राजधानी में लोगों को संबोधित करते हुए नरेंद्र मोदी ने कहा कि हम देश के विकास के लिए सोचते हैं इसलिए राज्य विकास पर ध्यान दे रहे हैं। हम अरुणाचल प्रदेश के अंतिम गांव को पहला गांव मानकर उसके विकास के लिए काम कर रहे हैं। गांव के विकास के लिए कई परियोजनाएं पर कोष प्रदान कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि पूरे पूर्वोत्तर भारत के विकास के लिए केंद्र सरकार पूरी तरह से काम कर रही है और विकास तेजी से बढ़ रहा है। वहीं केंद्र सरकार ने पूर्वोत्तर भारत के विकास को ध्यान में रखते हुए फार्म तेल का मिशन शुरू किया है इसके मिल का आज उद्घाटन हुआ है जो पूरे देश में खाद्य तेल की सप्लाई करेगा। तवांग सुरंग पर बात करते हुए उन्होंने कहा कि यह सुरंग तवांग को हर मौसम में कनेक्टिविटी प्रदान करेगी और लोगों के लिए यात्रा को आसान बनाएगी। प्रधानमंत्री ने कहा कि रक्षा तैयारियों को बढ़ावा देने और सीमा क्षेत्र के सामाजिक-आर्थिक विकास को बढ़ाने के लिए 13,000 फीट की ऊंचाई पर बीआरओ द्वारा निर्मित सुरंग को आम लोगों के लिए खोला गया है। प्रधान मंत्री मोदी ने आज अरुणाचल प्रदेश में विकसित भारत विकसित उत्तर पूर्व कार्यक्रम के दौरान सेला सुरंग परियोजना को राष्ट्र को समर्पित किया। सुरंग का निर्माण सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) द्वारा किया गया है। असम के तेजपुर को अरुणाचल प्रदेश के पश्चिम -शेष पृष्ठ दो पर

भाजपा के नहीं पूरे देश के पीएम हैं मोदी : फारूक

श्रीनगर। लोकसभा चुनाव 2024 के साथ-साथ ऐसे कयास लगाए जा रहे हैं कि जम्मू-कश्मीर के विधानसभा चुनाव भी करवाए जा सकते हैं। चुनाव आयोग की एक टीम जम्मू-कश्मीर भी पहुंची आस-पास के इलाकों की रेकी की। इसी बीच जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री और नेशनल कॉन्फ्रेंस के प्रमुख -शेष पृष्ठ दो पर

नोएडा में सौ छात्र फूड पॉइजनिंग के शिकार, अस्पताल में भर्ती

नोएडा। उत्तर प्रदेश के ग्रेटर नोएडा के एक हॉस्टल में खाना खाने से 100 से ज्यादा छात्रों की तबीयत खराब हो गई। सभी छात्रों को ग्रेनो स्थित एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। प्राथमिक उपचार के बाद कई छात्रों को अस्पताल से डिस्चार्ज कर दिया गया है। डॉक्टरों ने मानें तो छात्रों को फूड पॉइजनिंग हुई है। वहीं, इस मामले में यूपी के गृह विभाग ने संज्ञान लेते हुए रिपोर्ट मांगी है। दरअसल, शुक्रवार शाम को ग्रेटर नोएडा के कोतवाली नॉलेज पार्क क्षेत्र के आर्यन रेजीडेंसी और लॉयड लॉ कॉलेज के हॉस्टल में रह रहे कई छात्र अचानक से उल्टियां करने लगे। तो कईयों को पेट दर्द की शिकायत हुई। जिसके बाद पूरे हॉस्टल में अफरा-तफरी मच गई। छात्रों को तबीयत खराब होने के बाद उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। कुछ छात्रों का इलाज करके उन्बें डिस्चार्ज कर दिया गया। तो वहीं, कुछ का इलाज अभी जारी है। इसके अलावा एपीजे कॉलेज के छात्र भी फूड पॉइजनिंग का शिकार हुए हैं। अब तक 12 से अधिक एपीजे कॉलेज के छात्र ग्रेटर नोएडा के कैलाश अस्पताल में भर्ती हो चुके हैं, जिनका उपचार चल रहा है। बताया जा रहा है कि 50 छात्र कैलाश अस्पताल में और 30 से अधिक छात्र जिम्म्स अस्पताल में भर्ती हैं। साथ ही वैक्सन -शेष पृष्ठ दो पर

भारत ने रोहिंग्याओं का पहला जत्था म्यांमार वापस भेजा

नई दिल्ली। भारत ने शुक्रवार को घुसपैठिए रोहिंग्याओं का पहला जत्था म्यांमार वापस भेज दिया। 2021 में म्यांमार में सैन्य तख्तापलट होने के बाद सैकड़ों रोहिंग्या अवैध रूप से भारतीय राज्यों में घुस आए थे। इनके कारण भारत में सांप्रदायिक तनाव फैलने का खतरा बना हुआ था। हालांकि, अभी यह जानकारी नहीं हो सकी है कि कितने लोगों को निर्वासित किया गया है। यह जानकारी पूर्वोत्तर राज्य मणिपुर के मुख्यमंत्री एन.बीरन सिंह ने एक्स पोस्ट कर दी। इस दौरान उन्होंने रोहिंग्याओं को वैन से एयरपोर्ट ले जाने का वीडियो भी साझा किया। बता दें कि गत माह भारत ने कहा था कि वह राष्ट्रीय सुरक्षा समेत सीमावर्ती -शेष पृष्ठ दो पर

सुबह-सुबह काजीरंगा नेशनल पार्क पहुंचे पीएम मोदी, हाथी पर बैठकर की जंगल सफारी

गुवाहाटी। प्रधानमंत्री मोदी के असम दौरे का आज दूसरा दिन है। पीएम मोदी ने आज असम के काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान में हाथी की सवारी भी की> एक अधिकारी ने जानकारी देते हुए बताया कि पीएम मोदी शनिवार सुबह असम के काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान और टाइगर रिजर्व पहुंचे। यहां उन्होंने हाथी और जीप की सवारी की। अधिकारी के अनुसार, प्रधानमंत्री मोदी ने सबसे पहले पार्क के सेंट्रल कोहोरा रेंज के मिहिमुख क्षेत्र में हाथी की सवारी की। इसके बाद उन्होंने उसी रेंज में जीप की सवारी का भी लुत्फ उठाया। प्रधानमंत्री के साथ काजीरंगा -शेष पृष्ठ दो पर

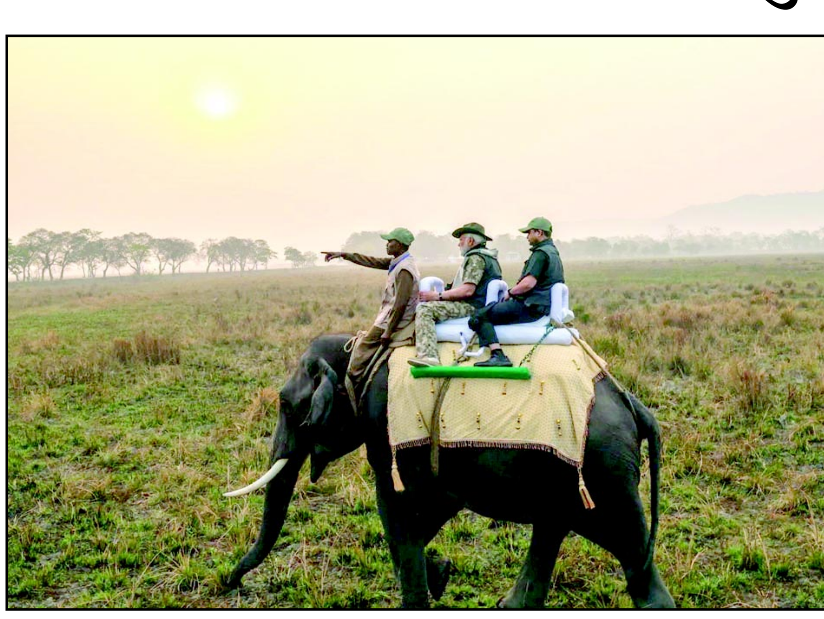

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

चुनाव आयुक्त अरुण गोयल ने दिया इस्तीफा

नई दिल्ली। आगामी लोकसभा चुनाव 2024 से पहले चुनाव आयुक्त अरुण गोयल ने इस्तीफा दे दिया है। अरुण गोयल के इस्तीफे को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने मंजूर कर लिया है। अरुण गोयल के इस्तीफे को कानून और न्याय मंत्रालय ने नोटिस जारी किया है। बता दें कि आने वाले दिनों में लोकसभा चुनाव की तारीखों का एलान हो सकता है।

ड्रग्स तस्करी का मास्टर माइंड फिल्म प्रोड्यूसर जाफर सादिक गिरफ्तार

नई दिल्ली (हि.स.)। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो ने अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मादक पदार्थों के व्यापार में संलिप्त होने के आरोप में तमिलनाडु के एक व्यापारी जाफर सादिक को गिरफ्तार किया है। हाल ही में द्रमुक ने इस फिल्म निर्माता सादिक को पार्टी से निष्कासित कर दिया था। एनसीबी के उपमहानिदेशक ज्ञानेश्वर सिंह ने एसीबी के मुख्य कार्यालय में आयोजित पत्रकार वार्ता में गिरफ्तारी की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि एक विशेष खुफिया जानकारी के आधार पर आज इसे गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने बताया कि आस्ट्रेलिया, मलेशिया और न्यूजीलैंड तक फैले ड्रग्स के कारोबार का सादिक मास्टरमाइंड था। उन्होंने बताया कि सादिक पिछले 3 साल में 3500 किलो ड्रग्स की तस्करी कर चुका है।

परिवारवाद पर मोदी का हमला, बोले–

तृणमूल वालों को भतीजा और कांग्रेस को बेटा-बेटी की चिंता

कोलकाता (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को पश्चिम बंगाल के सिलीगुड़ी में जनसभा को संबोधित करते हुए कांग्रेस और तृणमूल पर हमला बोला। मोदी ने परिवारवाद पर निशाना साधते हुए कहा कि तृणमूल वालों को भतीजे की चिंता है जबकि कांग्रेस वालों को अपने शाही परिवार के बेटे-बेटी को आगे बढ़ाना है। इस दौरान प्रधानमंत्री ने वाम दलों पर भी हमला बोला। उन्होंने कहा कि लेफ्ट वालों को इन दोनों के साथ तालमेल बनाए रखना है, ताकि उनकी भी गाड़ी चलती रहे। इन लोगों को आपके बच्चों की परवाह नहीं है, आपके बच्चों के भविष्य की चिंता करने वाला अगर कोई है तो वो मोदी है, भाजपा है, एनडीए का गठबंधन है। पीएम मोदी ने एक बार फिर संदेशखाली मामले पर ममता सरकार पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि संदेशखाली में गरीब, दलित और आदिवासी बहनों के साथ तृणमूल के नेताओं ने क्या-क्या किया है, इसकी चर्चा आज पूरे देश में हो रही है। महिलाओं पर अत्याचार और गरीब की कमाई को लूटना ही तृणमूल के तोलाबाजों (रंगदारी वसूलने वालों) का काम रहा है। उन्होंने कहा कि भ्रष्ट तृणमूल सरकार दलित, आदिवासी, ओबीसी और महिला विरोधी है। पीएम मोदी ने कहा कि तृणमूल सरकार ने आपके राशन की योजना में ही घोटाला कर दिया। इनके नेता, मंत्री राशन घोटाला मामले में जेल में हैं। तृणमूल सरकार आपको कदम-कदम पर लूट रही है। उन्होंने सिलीगुड़ी से एक बार फिर भाजपा को बड़े बहुमत से जिताने का आह्वान करते हुए कहा कि यहां की हर एक बूथ पर भाजपा का कमल खिलना चाहिए।

किसान और गांव के विकास के बिना भारत का विकास नहीं हो सकता : राजनाथ सिंह

रायपुर (हि.स.)। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने किसान महासम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि 25 करोड़ लोग गरीबी के संकट से बाहर आ चुके हैं। यह मैं नहीं बल्कि नीति आयोग कह रहा है। एकबार फिर मोदी के नेतृत्व वाली सरकार बनाइए, देश में गरीबी नहीं रहेगी। रायपुर में साइंस कॉलेज मैदान में शनिवार को केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने किसान महासम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि बिना किसान और गांव के विकास के भारत का विकास नहीं हो सकता। छत्तीसगढ़ में विष्णुदेव साय के नेतृत्व में सरकार बनते ही 100 दिन में ही जो विकास पटरी से उतर चुका था, वह पटरी पर लौट आया है। राजनाथ ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी बाजपेयी ने छत्तीसगढ़ बनाया। लेकिन पिछले 5 साल छत्तीसगढ़ के लिए ठीक नहीं रहे। 5 साल जमकर भ्रष्टाचार हुआ। अब भाजपा सरकार दोबारा छत्तीसगढ़ को संवारेगी। राजनाथ सिंह ने कहा कि जहां सारी उम्मीद खत्म होती है, वहां से मोदी की गारंटी शुरू हो जाती है। राजनाथ सिंह ने कहा कि इजरायल, फिलीस्तीन के कारण दुनिया में महंगाई बढ़ी है, लेकिन भारत में मोदीजी ने महंगाई को नियंत्रित किया और खाद, बीज की कीमत को भी नहीं बढ़ने दिया। इसका नतीजा है कि भारत अकेला देश है जो 300 रुपए में यूरिया की बोरी देता है। उन्होंने कहा कि भारत सरकार धान का समर्थन मूल्य 2183 रुपए देती है। विष्णुदेव साय जी की सरकार 3100 रुपए दे रही है। खेती का बजट 2014 में 25,000 करोड़ था और अब 1,25,000 करोड़ बजट बढ़ा दिया गया है। उन्होंने कहा कि मोटा अनाज खाने से मन और शरीर तंदुरुस्त रहता है। मोटा अनाज मैं भी खाता हूं और प्रधानमंत्री मोदी भी खाते हैं। दिल्ली में जब जी 20 की बैठक हुई तो हमने विदेशी मेहमानों को भी मोटा अनाज खिलाया। मोटा अनाज की खेती करने वाले किसानों से मैं वादा करता हूं। जो भी मोटा अनाज उपजाएगा उसका अनाज उचित मूल्य पर खरीदा जाएगा। विदेशों में भी अब भारत के मोटे अनाज की डिमांड बढ़ती जा रही है। राजनाथ सिंह ने कहा कि साय सरकार किसानों का पूरा ध्यान रख रही है। इससे पहले किसान सम्मेलन में शामिल होने राजनाथ सिंह रायपुर पहुंचे। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, उप मुख्यमंत्री अरुण साव, डिप्टी सीएम विजय शर्मा, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव ने रायपुर एयरपोर्ट पर उनका स्वागत किया। किसान सम्मेलन को मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, भाजपा किसान मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजकुमार चाहर, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण देव सिंह, उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा, डिप्टी सीएम अरुण साव तथा छत्तीसगढ़ के कृषि मंत्री रामविचार नेताम ने भी संबोधित किया।

प्रधानमंत्री ने श्री काशी विश्वनाथ के दरबार में लगाई हाजिरी, जीत का मांगा आर्शीवाद

वाराणसी (हि.स.)। वाराणसी लोकसभा क्षेत्र से तीसरी बार भाजपा प्रत्याशी बनाए जाने के बाद शनिवार की शाम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने प्रचंड जीत की कामना से काशीपुराधिपति के स्वर्णिम दरबार में विधिवत हाजिरी लगाई। मंदिर के अर्चक पं. श्रीकांत पांडेय ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच मंदिर के स्वर्णमंडित गर्भगृह में बाबा के पावन ज्योतिर्लिंग का अभिषेक कराया। फाल्गुन मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी के सिद्ध योग में प्रधानमंत्री के माथे पर चंदन का लेपन कर विजय का मंत्र भी पढ़ा। इस दौरान प्रधानमंत्री ने भी काशीपुराधिपति के प्रति अनुराग, श्रद्धाभाव दिखाते हुए मंत्रोच्चार का उच्चारण कर बाबा का अभिषेक किया। दर्शन पूजन के बाद प्रधानमंत्री ने त्रिशूल और डमरू हाथ में लेकर विजय मुद्रा में मंदिर में मौजूद शिवभक्तों का अभिवादन किया। इस दौरान प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी शिवभक्ति में डूबे नजर आए। काशी के 45वें दौरे पर आए प्रधानमंत्री का काशी विश्वनाथ धाम में मंदिर न्यास के अध्यक्ष प्रो. नागेंद्र पांडेय और अन्य पदाधिकारियों ने स्वागत किया। काशी विश्वनाथ मंदिर में विधिवत दर्शन पूजन करने के बाद प्रधानमंत्री बरेका गेस्ट हाउस के लिए रवाना हो गए।

सेना ने पुंछ में तीन बारूदी सुरंगों को निष्क्रिय किया

पुंछ (हि.स.)। पुंछ जिले में नियंत्रण रेखा के पास सेना ने शनिवार को तीन बारूदी सुरंगों का पता लगाया गया और उन्हें निष्क्रिय कर दिया गया है। अधिकारियों ने बताया कि मेंढर उप जिला में मनकोट सेक्टर के आगे के इलाकों में विभिन्न स्थानों पर गश्त के दौरान सेना के जवानों ने शक्तिशाली बारूदी सुरंगें देखीं। उन्होंने कहा कि विशेषज्ञों को तुरंत बुलाया गया और बारूदी सुरंगों को सुरक्षित ढंग से नष्ट कर दिया गया।

अरुणाचल के भाजपा विधायक फोसुम खिमहून का दिल का दौरा पड़ने से निधन

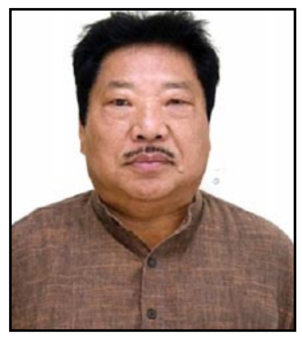

इटानगर (हि.स.)। अरुणाचल प्रदेश के भाजपा विधायक फोसुम खिमहून का दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। शनिवार की सुबह इटानगर के एक अस्पताल में उन्होंने आखिरी सांस ली। मृत्यु के समय विधायक फोसुम 63 वर्ष के थे। उनके परिवार में पत्नी और दो बच्चे हैं। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) केटी परनायक, मुख्यमंत्री पेमा खांडू समेत अन्य लोगों ने विधायक खिमहून के असामयिक निधन पर शोक व्यक्त किया है। 2004 में फोसुम खिमहून को 52-चांगलांग दक्षिण निर्वाचन क्षेत्र से पहले स्वतंत्र विधायक के रूप में चुना गया था। बाद में उन्हें 2009 में कांग्रेस के उम्मीदवार, 2014 में अरुणाचल पीपुल्स पार्टी और 2019 में भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार के रूप में चुना गया। वह तीन दशकों से वरिष्ठ विधायक रहे। इस बीच, मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने चांगलांग दक्षिण विधानसभा क्षेत्र से भाजपा विधायक की मौत पर गहरा दुख व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री ने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर दुख व्यक्त करते हुए लिखा कि चांगलांग दक्षिण विधानसभा क्षेत्र के भाजपा विधायक फोसुम खिमहून के निधन से दुखी हूं। उनके शोक संतप्त परिवार के सदस्यों, मित्रों, रिश्तेदारों और अनुयायियों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं! स्वर्गीय खिमहून अरुणाचल प्रदेश की जनता की सेवा, विकास और समृद्धि के लिए समर्पित थे। मुझे राज्य की विकासात्मक प्रगति के लिए उनकी मित्रता, प्रतिबद्धता और चिंता की याद आएगी।

18 की उम्र तक मुफ्त शिक्षा से 2030 तक खत्म हो सकता है बाल विवाह, 160 एनजीओ ने जारी किया शोधपत्र

नई दिल्ली (हि.स.)। अठारह वर्ष की उम्र तक सभी बच्चों को अनिवार्य और मुफ्त शिक्षा 2030 तक देश से बाल विवाह के खात्मे में निर्णायक भूमिका निभा सकती है। 18 वर्ष से पहले पढ़ाई छोड़ने और बाल विवाह में एक सीधा और स्पष्ट अंतरसंबंध है। शुक्रवार को यह अहम निष्कर्ष देश में 2030 तक बाल विवाह के खात्मे के लिए अभियान चला रहे 160 गैरसरकारी संगठनों के गठबंधन बाल विवाह मुक्त भारत अभियान (सीएमएफआई) द्वारा जारी एक शोधपत्र *एजुकेट टू इंड चाइल्ड मैरिज : एक्सप्लोरिंग लिंकेजेज एंड रोल ऑफ एजुकेशन इन एलिवेटिंग चाइल्ड मैरिजेज* में उजागर हुआ है। शोधपत्र के अनुसार भारत बाल विवाह की बुराई के 2030 तक खात्मे की राह में टिपिंग प्वाइंट की तरफ बढ़ रहा है। टिपिंग प्वाइंट वह बिंदु है, जहां से बाल विवाह अपने आप खत्म हो जाएगा। ऐसे में यदि 18 वर्ष की उम्र तक मुफ्त व अनिवार्य शिक्षा एक वास्तविकता बन जाए तो बाल विवाह के अपराध को जड़मूल से समाप्त करने की इस लड़ाई को एक नई धार और दिशा मिल जाएगी। मसलन 96 प्रतिशत महिला साक्षरता वाले केरल में बाल विवाह की दर सिर्फ छह प्रतिशत है जबकि राष्ट्रीय औसत 23.3 प्रतिशत है। इसके उलट बिहार में जहां महिला साक्षरता की दर सिर्फ 61 प्रतिशत है, बाल विवाह की दर 41 प्रतिशत है। बाल विवाह मुक्त भारत अभियान की नीति एवं शोध निदेशक ज्योति माथुर ने कहा कि यद्यपि केंद्र व राज्य सरकारें, दोनों ही बाल विवाह के खात्मे के लिए दृढ़ इच्छाशक्ति और गंभीरता से काम कर रही हैं, फिर भी यदि मौजूदा शिक्षा का अधिकार कानून में बदलाव कर 18 वर्ष तक शिक्षा अनिवार्य और निशुल्क कर दी जाए तो यह बाल विवाह के खिलाफ लड़ाई में प्रयासों को नई गति दे सकता है। इसलिए सभी राजनीतिक दलों से अपील है कि वे हमारी इस मांग को आगामी लोकसभा के अपने चुनावी घोषणापत्र में शामिल करें। 160 गैरसरकारी संगठनों ने पिछले छह महीनों के दौरान ही देश में 50,000 से ज्यादा बाल विवाह रोके हैं जबकि 10,000 से ज्यादा मामलों में कानूनी कार्रवाई शुरू की गई है।

फ्लाटा गांव के शख्स ने गोबर से उत्पाद तैयार कर आत्मनिर्भर भारत के सपने को कर रहे हैं साकार

उधमपुर (हिंस)। प्रधानमंत्री का आत्मनिर्भर भारत का सपना अब कुछ-कुछ साकार होने लगा है। उनके द्वारा जो आत्मनिर्भर भारत की राह दिखाई गई है उसको अब लोग साकार करने में लगे हुए हैं तथा अपने कार्य प्रारंभ कर खुद भी कार्य करने के साथ-साथ और भी लोगों को भी रोजगार उपलब्ध करवा रहे हैं। इससे उनके व उनके साथ कार्य करने वालों के आय के साधन बने हैं, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति भी अच्छी हो रही है। ऐसा ही कुछ फ्लाटा गांव में देखने को मिला है। फ्लाटा गांव के रहने वाले युवा मनोहर कुमार पंचगव्य योजना के अंतर्गत गाय के गोबर व अन्य चीजों से कई तरह का सामान तैयार करने में जुटे हुए हैं। इस समय उनके द्वारा गाय के गोबर से होली के रंग, दंत मंजन व कई जड़ी बूटियों से धूफ व अगरबत्ती तैयार की जा रही हैं। उन्होंने बताया कि उनके द्वारा जो होली के रंग तैयार किए जा रहे हैं वह पूरी तरह से कैमिकल रहित हैं।

पृष्ठ एक का शेष

राज्य को 17,750 करोड़...

समूह से जुड़ी महिलाओं को और सशक्त किया जा रहा है, उन्हें नए अवसर उपलब्ध कराएं जा रहे हैं। इस अभियान का लाभ असम की भी लाखों महिलाओं को मिल चुका है। प्रधानमंत्री ने बताया कि 2014 के बाद असम में कई ऐतिहासिक परिवर्तनों की नींव रखी गई। असम में भूमिहीन 2.50 लाख मूल निवासियों को जमीन के अधिकार दिए गए। आजादी के बाद 7 दशकों तक चाय बागान में काम करने वाले मजदूरों को बैंकिंग सिस्टम से नहीं जोड़ा गया था। हमारी सरकार ने ऐसे करीब 8 लाख वर्कर्स को बैंकिंग व्यवस्था से जोड़ना शुरू किया। जिसका मतलब है कि उन वर्कर्स को सरकारी योजनाओं की मदद भी पहुंचने लगी है। कांग्रेस पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि मोदी को गाली देने वाली कांग्रेस और उसके दोस्तों ने आजकल कहना शुरू किया है कि मोदी का परिवार नहीं है। उनकी गाली के जवाब में पूरा देश खड़ा हो गया है, पूरा देश कह रहा है – मैं हूं मोदी का परिवार। उन्होंने बताया कि देश का ये प्यार मोदी को इसलिए मिलता है क्योंकि मोदी ने 140 करोड़ देशवासियों को सिर्फ अपना परिवार ही नहीं माना, बल्कि उनकी दिनरात सेवा भी कर रहा है।

पीएम ने सैन्य सुरक्षा ...

कामेंग जिले के तवांग से जोड़ने वाली सड़क पर 13 हजार फीट की ऊंचाई पर सुरंग का निर्माण किया गया है। 825 करोड़ रुपए की लागत से निर्मित, सुरंग बालीपारा- चारिद्वार- तवांग रोड पर सेला दर्रे के पार तवांग को हर मौसम में कनेक्टिविटी प्रदान करेगी। इससे सशस्त्र बलों की तैयारियों को बढ़ावा मिलेगा और सीमा क्षेत्र के सामाजिक-आर्थिक विकास को बढ़ाएगी। अपने संबोधन में, प्रधान मंत्री ने पूर्वोत्तर क्षेत्र के विकास के लिए सरकार की अटूट प्रतिबद्धता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि सेला सुरंग हर मौसम में कनेक्टिविटी प्रदान करेगी और तवांग के लोगों के लिए यात्रा को आसान बनाएगी। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में कई सुरंगों पर काम चल रहा है। प्रधानमंत्री ने सीमावर्ती गांवों के विकास की पहले की गई उपेक्षा की आलोचना की। उन्होंने कहा कि विकास कार्य चुनावी हितों के लिए नहीं बल्कि, देश की जरूरतों के मुताबिक किया जा रहा है। उन्होंने रक्षा कर्मियों से वादा किया कि वह अपने अगले कार्यकाल में इस इंजीनियरिंग चमत्कार पर उनसे मिलने आएंगे। उद्घाटन समारोह के दौरान अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू और पृथ्वी विज्ञान मंत्री किरेन रिजिजू समेत अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। सेला सुरंग का निर्माण नई ऑस्ट्रियाई सुरंग विधि का उपयोग करके किया गया है। इसमें उच्चतम मानकों की सुरक्षा विशेषताएं शामिल हैं। यह परियोजना न केवल क्षेत्र में तेज और अधिक कुशल परिवहन मार्ग प्रदान करेगी बल्कि, देश के लिए रणनीतिक महत्व की है। सुरंग की आधारशिला 09 फरवरी, 2019 को प्रधान मंत्री द्वारा रखी गई थी और निर्माण 01 अप्रैल, 2019 को शुरू हुआ था। कठिन इलाके और प्रतिकूल मौसम की चुनौतियों को पार करते हुए सुरंग केवल पांच वर्षों में बनकर तैयार हो गई है। सीमा क्षेत्रों के विकास में बीआरओ सदैव अग्रणी रहा है। पिछले तीन वर्षों में, बीआरओ ने 8,737 करोड़ रुपए की लागत से निर्मित रिकॉर्ड 330 बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को पूरा किया है।

भाजपा के नहीं ...

फारूक अब्दुल्ला के पीएम मोदी के तरफ स्वर बदलते नजर आ रहे हैं। हाल ही में सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने पीएम मोदी पर विवादित टिप्पणी की थी। अखिलेश की बयानबाजी का फारूक अब्दुल्ला ने विरोध किया है। अब्दुल्ला ने कहा कि मुझे नहीं पता कि अखिलेश यादव क्या कहा है और किस परिस्थिति में कहा है। जहां तक प्रधानमंत्री का सवाल है पीएम मोदी भाजपा के प्रधानमंत्री नहीं हैं, वे प्रधानमंत्री बने, उन्होंने हर भारतीय का प्रतिनिधित्व किया है। पीएम मुस्लिम, हिंदू, सिख, ईसाई और उन लोगों का भी प्रतिनिधित्व करते हैं जिनका भारत में कोई धर्म नहीं है। वे हमारे प्रधानमंत्री हैं। यह पहली बार नहीं है जब फारूक अब्दुल्ला ने पीएम मोदी की तारीफों के पुल बांधे हैं। पिछले महीने ही पीएम मोदी ने कश्मीर घाटी में पहली इलेक्ट्रिक ट्रेन और संगलदान स्टेशन और बारामूला स्टेशन के बीच ट्रेन सेवा को हरी झंडी दिखाई थी। केंद्र सरकार के इस कदम पर नेशनल कॉन्फ्रेंस पार्टी के प्रमुख ने पीएम मोदी का आभार व्यक्त किया था और उनकी प्रशंसा भी की थी। उन्होंने कहा था कि इसकी हमें जरूरत थी। यह हमारे पर्यटन और लोगों के लिए महत्वपूर्ण है। सरकार द्वारा उठाया गया यह कदम हमारे पर्यटन के लिए बेहद ही महत्वपूर्ण थी। *मैं इसके लिए रेल मंत्रालय और पीएम मोदी को बधाई देता हूं* बता दें कि बीते दिनों ही पीएम मोदी ने जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर में जनसभा को संबोधित किया था। धारा 370 हटने के बाद पीएम मोदी का यह पहला दौरा था। इस दौरान बड़ी संख्या में उनके समर्थक उनकी रैली में पहुंचे। इस दौरान पीएम ने धारा 370 पर कई अहम टिप्पणियां की। हालांकि, इस मुद्दे पर फारूक अब्दुल्ला ने कड़ी आपत्ति जताई थी और साथ ही पीएम पर कई सवाल भी खड़े किए थे। फारूक ने कहा था कि अनुच्छेद 370 अगर इतना ही बुरा था जो जम्मू-कश्मीर ने प्रगति कैसे की?

नोएडा में सौ छात्र ...

और यथार्थ अस्पताल में भी छात्र भर्ती हैं। छात्रों का आरोप है कि अभी तक कॉलेज और हॉस्टल प्रबंधन के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की गई है। छात्रों के परिजनों में इसे लेकर भारी नाराजगी है। जानकारी के मुताबिक, पूरा मामला ग्रेटर नोएडा के नॉलेज पार्क थाना क्षेत्र के आर्यन रेजीडेंसी और लॉयड हॉस्टल का है। यहां छात्रों को हॉस्टल में खराब खाना परोसा गया था। छात्रों को ग्रेटर नोएडा के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जहां पर छात्रों का उपचार चल रहा है। छात्रों ने हॉस्टल संचालक पर कई आरोप लगाए हैं। पुलिस का कहना है कि मामला उनके संज्ञान में है। फूड विभाग को इस मामले की जानकारी दे दी गई है। इस मामले में कोतवाली नॉलेज पार्क पुलिस का कहना है कि प्रकरण थाना नॉलेज पार्क पुलिस के संज्ञान में है। 8 मार्च की शाम को करीब 76 छात्रों को व्रत के लिए बना भोजन खाया गया था। जिससे छात्रों को पेट खराब हो गया। उन्हें नजदीकी अस्पताल में उपचार के लिए भर्ती कराया गया। सभी छात्रों की हालत फिलहाल ठीक है। थाना नॉलेज पार्क पुलिस मामले की अच्छे से जांच कर रही है।

भारत ने रोहिंग्याओं ...

इलाकों के नागरिकों की सुरक्षा के मद्देनजर म्यांमार के साथ दशकों पुरानी वीजा मुक्त आवाजाही नीति को समाप्त करने की घोषणा की थी। इसके कुछ दिन बाद ही गृह मंत्री अमित शाह ने म्यांमार के साथ लगने वाली 1643 किमी सीमा पर बाड़ लगाने की घोषणा की थी।

सुबह-सुबह काजीरंगा...

नेशनल पार्क के निदेशक सोनाली घोष और अन्य वरिष्ठ वन अधिकारी भी थे। प्रधानमंत्री राज्य के दो दिवसीय दौरे पर शुक्रवार शाम को काजीरंगा पहुंचे थे।

उप मुख्यमंत्री ने मुख्यमंत्री बालिका संबल योजना की राशि में दी बढ़ोतरी की स्वीकृति

जयपुर (हिंस)। उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी ने *मुख्यमंत्री बालिका संबल योजना* के तहत दी जाने वाली राशि को 10 हजार से बढ़ाकर 30 हजार कर दिया है। उप मुख्यमंत्री ने समाज में लिंग भेद उन्मूलन और बालिका के जन्म को प्रोत्साहित करने के लिए मुख्यमंत्री बालिका संबल योजना में दी जाने वाली राशि में उक्त बढ़ोतरी की वित्तीय स्वीकृति दी है। योजना में पहली व दूसरी बालिका के जन्म पर और उसके बाद नसबंदी करवाने की स्थिति में यह राशि दी जाएगी। उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी ने सुकन्या समृद्धि योजना के अंतर्गत 21 वर्ष की अवधि किए जाने की भी स्वीकृति दी है। उल्लेखनीय है कि सुकन्या समृद्धि योजना का लाभार्थी खाता 25 हजार की राशि से खोला जाएगा।

पाकिस्तान के नए राष्ट्रपति होंगे आसिफ अली जरदारी दूसरी बार पद संभालने वाले पहले बने नागरिक

इस्लामाबाद। पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) के वरिष्ठ नेता आसिफ अली जरदारी शनिवार को पाकिस्तान के 14वें राष्ट्रपति चुने गए और दूसरी बार राष्ट्र प्रमुख बने। पीपीपी और पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) के नेतृत्व वाली गठबंधन सरकार के संयुक्त उम्मीदवार जरदारी को 255 वोट मिले, जबकि इमरान खान समर्थित सुन्नी इत्तेहाद काउंसिल (एसआईसी) के उम्मीदवार महमूद खान अचकजई को 119 वोट मिले। 68 वर्षीय जरदारी के जीतने की संभावना पहले से ही जताई जा रही थी क्योंकि राष्ट्रपति के रूप में उनका दोबारा चुना जाना पीपीपी और पीएमएल-एन के बीच नवगठित गठबंधन की शर्तों में से एक था। व्यवसायी से नेता बने जरदारी पाकिस्तान की दिवंगत प्रधानमंत्री बेनजीर भुट्टो के पति हैं और 2008 से 2013 तक राष्ट्रपति रहे। सिंध विधानसभा में, जहां जरदारी की पीपीपी सत्ता में है, उन्हें सबसे अधिक वोट मिले, जबकि उन्होंने बलूचिस्तान विधानसभा में भी सभी वोटों पर कब्जा कर लिया। उन्होंने पंजाब विधानसभा में अचकजई को भी हराया। खैबर पख्तूनख्वा विधानसभा में, जहां एसआईसी/पीटीआई की सरकार है, अचकजई को जरदारी के खिलाफ सबसे ज्यादा वोट मिले। 2008 से 2013 तक राष्ट्रपति रहे जरदारी पाकिस्तान के इतिहास में पहले नागरिक हैं जो दो बार राष्ट्रपति चुने गए। वह मौजूदा डॉ. आरिफ अल्वी का स्थान लेंगे, जिनका पांच साल का कार्यकाल पिछले साल समाप्त हो गया था। हालाँकि, वह तब से जारी है क्योंकि नए निर्वाचक मंडल का गठन अभी तक नहीं हुआ है। संविधान के प्रावधानों के अनुसार, नए राष्ट्रपति का चुनाव नेशनल असेंबली और चार प्रांतीय विधानसभाओं के नवनिर्वाचित सदस्यों के निर्वाचक मंडल द्वारा किया गया था।

भारतीय संविधान *वकीलों का स्वर्ग* नहीं : सीजेआई

नई दिल्ली। भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा कि यह कहना गलत है कि भारत का संविधान कुछ बड़े वकीलों ने ही बनाया। ऐसा नहीं है कि संविधान बनाने में जनमानस का सहयोग नहीं था। उन्होंने स्पष्ट किया कि भारतीय संविधान बनाने में कई सामाजिक और राजनीतिक आंदोलनों का योगदान था। सीजेआई ने राजस्थान, बीकानेर में हमारा संविधान-हमारा सम्मान कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि जब हम संविधान को देखते हैं तो पता चलता है कि संविधान का निर्माण विभिन्न वर्ग, समूह एवं नागरिकों के हितों को ध्यान में रख कर किया गया है। सीजेआई चंद्रचूड़ ने कहा कि संवैधानिक विद्वान आइवर जेनिंग्स ने यहां तक कह दिया था कि भारतीय संविधान वकीलों का स्वर्ग है, लेकिन यह कहना गलत होगा कि भारतीय संविधान को बस कुछ वकीलों ने मिलकर बनाया। संविधान निर्माण में कई सामाजिक एवं राजनीतिक आंदोलन का योगदान था। उन्होंने कहा कि एक तरफ जहां अंग्रेजों के खिलाफ भारत में एक राजनीतिक आंदोलन चल रहा था। वहीं दूसरी तरफ भारत में व्याप्त सामाजिक असामनता को दूर करने के लिए एक सामाजिक आंदोलन भी चल रहा था। इन दोनों आंदोलनों का नतीजा था कि भारतीय संविधान में कई ऐसे प्रावधानों को जगह मिली, जिसकी वजह से देश की दिशा बदल गई। सीजेआई ने कहा कि जब हम संविधान को देखते हैं तो यह पता चलता है कि संविधान का निर्माण तमाम वर्ग, समूह एवं नागरिकों के हितों को ध्यान में रख कर किया गया है। उन्होंने कहा कि बाबासाहेब अंबेडकर ने संविधान की समावेशी भावना को व्यक्त करते हुए संविधान सभा में कहा था संविधान केवल वकीलों का दस्तावेज नहीं है, यह जीवन जीने का वाहन है और इसकी आत्मा, कई युगों की भावना है। नागरिक अधिकारों के साथ नागरिकों की जिम्मेदारी का उल्लेख करते हुए सीजेआई ने कहा कि देश के नागरिकों को यह भी समझना होगा कि एक तरफ जहां संविधान उनके अधिकारों की बात करता है। संविधान में ही नागरिकों के दायित्वों का जिक्र किया गया है, जिनमें संविधान का सम्मान करना, सामाजिक सौहार्द एवं बंधुता को बढ़ावा देना, पर्यावरण की सुरक्षा करना, वैज्ञानिक सोच को आत्मसात करना एवं बच्चों को पढ़ाना आदि शामिल हैं।

तापमान

अधिकतम 32° न्यूनतम 16°

रंगापाड़ा में आरपीएफ ने भारी मात्रा में गांजा बरामद किया

शोणितपुर (हिंस)। शोणितपुर जिलांतर्गत रंगापाड़ा रेलवे स्टेशन की आरपीएफ टीम ने आज तलाशी अभियान चलाते हुए भारी मात्रा में गांजा बरामद किया। रंगापाड़ा आरपीएफ के सब इंस्पेक्टर सोहन लाल प्रधान और उनके सहयोगी एएसआई अनिरुद्ध दास तथा एक नंबर प्लेटफार्म पर चैकिंग ड्यूटी करते समय कांस्टैबल पी सैकिया और अमित रोहाज आदि ने दोपहर के समय प्लेटफार्म नंबर एक से मुरकंगसेकेलक पैसेंजर ट्रेन की बैठने वाली सीट का नीचे से कुल पांच प्लास्टिक के बैग बरामद किए। बैग से कुल 20 किलो 40 ग्राम गांजा बरामद किया। बरामद गांजे का बाजार मूल्य लगभग दो लाख चार हजार रुपए बताया गया है। रंगापाड़ा में पैसेंजर ट्रेन से आरपीएफ की टीम लगातार गांजा बरामद करने में सफल हो रही है। हालांकि, इस संबंध में किसी की भी गिरफ्तारी नहीं हो पा रही है। आरपीएफ ने जब्त गांजा को कानूनी कार्रवाई के लिए जीआरपी को सौंप दिया।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह 14 को बटद्रवा थान का करेंगे दौरा

नगांव (हिंस)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह 14 मार्च को नगांव जिलांतर्गत महापुरुष श्रीमंत शंकरदेव की जन्मस्थली बटद्रवा थान आएंगे। उस दिन असम के लोग एक ऐतिहासिक दुर्लभ क्षण के साक्षी बनेंगे। वह दिन गुरुजन की जन्मस्थली बटद्रवा थान के लिए ऐतिहासिक क्षण होगा। गृह मंत्री अमित शाह 188 करोड़ रुपए की लागत से बन रही बटद्रवा थान परियोजना के प्रथम चरण के कार्यों का उद्‌घाटन करेंगे और दूसरे चरण का शुभारंभ करेंगे। उल्लेखनीय है कि 25 फरवरी, 2021 को गृह मंत्री अमित शाह ने बहुप्रतीक्षित बटद्रवा थान परियोजना के निर्माण का कार्य का शुभारंभ किया था। तब से, परियोजना के तहत दुनिया की सबसे ऊंचा गुरु का आसन, गेस्ट हाउस, संग्रहालय, पुस्तकालय, सांस्कृतिक परिचर्चा केंद्र, उद्यान आदि का निर्माण किया जा रहा है। इसके लिए मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा रविवार की सुबह बटाद्रवा थान परियोजना का दौरा कर किए गए कार्यों का जायजा लेंगे। इससे पहले शनिवार को नगांव के जिला आयुक्त नरेंद्र कुमार शाह ने बटद्रवा थान परियोजना स्थल का दौरा किया। गौरतलब है कि 2016 में भाजपा के सत्ता संभालने के तुरंत बाद, वर्तमान केंद्रीय मंत्री और तत्कालीन मुख्यमंत्री सर्बानंद

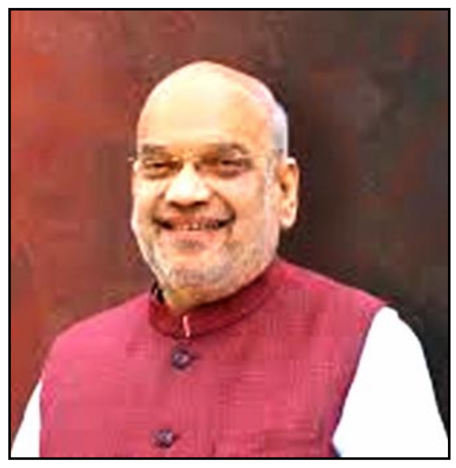

सोनोवाल की पहल के तहत, बटद्रवा थान में आकाशी गंगा के तट पर 160 बीघा भूमि को अतिक्रमण से मुक्त कराया गया और स्थल पर ऐतिहासिक बटाद्रवा थान परियोजना का निर्माण शुरू किया गया था। बटद्रवा थान को लेकर असमिया समाज में काफी आदर का भाव है।

सांसद गौरव गोगोई ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं की बैठक में लिया हिस्सा

नगांव (हिंस)। कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ताओं की एक बैठक आज नगांव जिलांतर्गत धिंग के कटाहगुड़ी में आयोजित की गई। उल्लेखनीय है कि बटद्रवा ब्लाक कांग्रेस कमेटी के सौजन्य से कटाहगुड़ी ईदगाह मैदान में आयोजित कार्यकर्ताओं की बैठक में मौजूद कलियाबोर लोकसभा क्षेत्र के सांसद गौरव गोगोई ने भाजपा और एआईयूडीएफ की जमकर आलोचना की। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आगामी लोकसभा चुनाव की तैयारी करने का आग्रह किया। बटद्रवा ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष नुरुल अमीन की अध्यक्षता में हुई कार्यकर्ताओं की बैठक में बटद्रवा विधानसभा क्षेत्र की विधायक शिवमणि बोरा ने भाजपा की जमकर आलोचना की। बैठक में दलंगघाट ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष मंजुल बोरदोलोई, बटद्रवा ब्लॉक महिला समिति की अध्यक्ष अनोवार सुल्ताना और नगांव जिला समिति के सचिव रेहान चौधरी शामिल हुए।

मणिपुर से अपहृत भारतीय सेना अधिकारी को सुरक्षा बलों ने बचाया

इंफाल (हिंस)। सुरक्षाकर्मियों ने अपहृत भारतीय सेना के जूनियर कमीशंड ऑफिसर (जेसीओ) कनसाम खेड़ा सिंह को सकुशल बचा लिया गया। विश्वसनीय सूत्रों ने बताया कि उन्हें शुक्रवार की रात थौबल जिले के एक इलाके से बचाया गया। सकुशल बचाने के बाद जेसीओ कनसाम खेड़ा सिंह को थौबल जिले (काकचिंग के निकट) के वाइखोंग पुलिस स्टेशन में ले जाया गया। बताया जा रहा है कि पुलिस उनके अपहरण से जुड़ी घटना की भी जांच कर रही है। सूत्रों ने कहा कि सभी केंद्रीय सुरक्षा एजेंसियों की एक समन्वित टीम ने जेसीओ कनसाम खेड़ा सिंह को सुरक्षित बचाने के लिए एक अभियान चलाया। आखिरकार उन्हें रात तक संयुक्त बलों ने सुरक्षित बचा लिया। ज्ञात हो कि थौबल जिले के सरंगपाट ममांग लेकाई निवासी भारतीय सेना के जूनियर कमीशंड ऑफिसर (जेसीओ) कनसाम खेड़ा सिंह छुट्टी पर घर आए थे। शुक्रवार की सुबह करीब 9 बजे कुछ बदमाश उनके घर में घुस आए और उन्हें कार में उठाकर ले गए। अपहरण का कारण अभी पता नहीं चल पाया है। हालांकि शुरुआती जांच में पुलिस का मानना है कि सैन्य अधिकारी के अपहरण के पीछे रंगदारी का मामला है। क्योंकि पिछले कुछ समय से जेसीओ सिंह के परिवार पर कुछ अज्ञात बदमाशों द्वारा बड़ी रकम देने का दबाव बनाया जा रहा था। एक पुलिस सूत्र ने बताया कि बदमाशों ने मांग पूरी न करने पर गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी भी दी थी।

एसएसबी की 24वीं वाहिनी ने एम्स के सहयोग से आयोजित किया चिकित्सा शिविर

कामरूप/रंगिया (हिंस)। सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) की 24वीं वाहिनी रंगिया (असम) के कमांडेंट दीपक सिंह एवं गुवाहाटी ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस (एम्स) के कार्यकारी निदेशक डॉ. अशोक पुराणिक के मार्गदर्शन में आज एक स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर एम्स के सहायक प्रोफेसर (दंत चिकित्सा विभाग) डॉ. कृष्णा प्रसाद विश्वास, सहायक प्रोफेसर (हड्डी रोग विभाग) डॉ. शरण माल्या एवं सहायक प्रोफेसर (जनरल सर्जरी विभाग) डॉ. केविथिनवांगबो न्यूमे के सहयोग से एसएसबी की 24वीं वाहिनी रंगिया के वाहिनी अस्पताल में मानव चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर का शुभारंभ एसएसबी के क्षेत्र मुख्यालय उप-महानिरीक्षक राजीव राणा द्वारा किया गया। उन्होंने उपस्थित बल कार्मिकों एवं उनके परिवाजनों को संबोधित करते हुए कहा कि आज इस

चिकित्सा शिविर का लाभ उठाये एवं अपने-अपने स्वास्थ्य संबंधित सभी समस्याओ को एम्स गुवाहाटी की ओर से आये हुए चिकित्सको से परामार्श लें। यह चिकित्सा शिविर एसएसबी की 24वीं वाहिनी की सहायक कमांडेंट (चिकित्सा) डॉ. बंदना देवी खारिबम एवं सहायक कमांडेंट (चिकित्सा) डॉ. महेश चौधरी की देखरेख में किया गया, जिसमे एम्स के चिकित्सकों की टीम द्वारा 24वीं वाहिनी के बल कार्मिको एवं उनके परिवारजनों के स्वास्थ्य की जांच कर उ0चित स्वास्थ्य परामार्श दिए गए। वाहिनी द्वारा आने वाले समय में स्त्री रोग, बाल रोग और त्वचा विज्ञान से संबंधित चिकित्सा शिविर का भी आयोजन किया जाएगा। शिविर में सभी बल कर्मियों एवं उनके परिवारजनों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। शिविर के दौरान एसएसबी की 24वीं वाहिनी के द्वितीय-कमान अधिकारी जसबीर सिंह, उप-कमांडेंट मोती लाल, उप-कमांडेंट विश्वानाथ मिश्रा, उप कमांडेंट (संचार) प्रमोद कुमार एवं बल कार्मिक एवं उनके परिवारजन उपस्थित रहे।

हुला हूपिंग में आराध्या धानुका ने बनाया कीर्तिमान

गुवाहाटी (विभास)। सबसे लंबी अवधि के लिए की गई हुला हूपिंग में आराध्या धानुका ने कीर्तिमान बनाते हुए अपना नाम असम बुक ऑफ रिकॉर्ड में दर्ज कराया। अपने आयु वर्ग में आराध्या ने नृत्य करते समय, गर्दन पर एक हुला हूप का उपयोग करते हुए, हुला हूपिंग घुमाती रही। गत 6 मार्च को उसने 10 मिनट और 2 सेकंड में 882 चक्कर लगाए। औपचारिक प्रशिक्षण के बिना भी आराध्या ने असम बुक ऑफ रिकॉर्ड्स (एबीआर) के अधिकारियों की उपस्थिति में सबसे अधिक और सबसे तेज प्रदर्शन किया। आराध्या के लचीलेपन और त्वरितता की सराहना करते हुए उसे राज्य रिकॉर्ड की स्वीकृति प्रदान की गई। आराध्या धानुका गुवाहाटी के युवा उद्यमी घनश्याम-स्वाती धानुका की पुत्री तथा प्रतिष्ठित समाजसेवी अशोक-कुसुम धानुका की पौत्री है। महज 10 वर्ष की आयु में आराध्या की इस उपलब्धि ने समूचे मारवाड़ी समाज का नाम राज्यभर में गौरवान्वित किया है।

रंगिया : राष्ट्रीय जनमजात विसंगति को लेकर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

रंगिया (विभास)। रंगिया महकमा सिविल अस्पताल स्थित जिला प्राथमिक स्वास्थ्य प्रबंधन केंद्र में शुक्रवार को राष्ट्रीय जन्मजात विसंगति जागरूकता माह के अवसर पर एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम कामरूप के सौजन्य से आयोजित इस कार्यक्रम में कामरूप जिला के जुटिया स्वास्थ्य संचालक डॉ. महितोष बेनार्जी, राष्ट्रीय बाल संरक्षण कार्यक्रम की जिला संचालिका डॉ. रूपाली सैकिया उपस्थित रहे। इस मौके पर स्वास्थ्य कर्मियों को जन्मजात विसंगतियों को खत्म करने के लिए स्वास्थ्य विभाग द्वारा उठाए गए एहतियाती कदमों के बारे में बताया गया। दूसरी ओर कामरूप जिले के कुल 12 खण्डों के समन्वयक सहित उक्त कार्यक्रम में रंगिया महकमा सिविल अस्पताल के उप-अधीक्षक डॉ. दिलीप कुमार बैश्य, स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. नीलमणी कलिता, कामरूप जिला प्राथमिक स्वास्थ्य प्रबंधन केंद्र के प्रबंधक अभिजीत भराली, स्वास्थ्य कर्मी अमूल्य वैशेय और बहुत से स्वास्थ्य कर्मी उपस्थित थे।

मानकाचर में आग लगने से लाखों रुपए की संपत्ति जलकर राख

दक्षिण सालमारा (हिंस)। दक्षिण सालमारा-मानकाचर जिलांतर्गत मानकाचर के काकरीपाड़ा में अचानक लगी भयावग आग के चलते इलाके में अफरा-तफरी फैल गई। हादसे में लाखों रुपए की संपत्ति जलकर राख हो गई। आग आज दोपहर के समय लगी। आग मानकाचर थाना क्षेत्र के काकरीपाड़ा गांव के सैदुल शेख के घर में लगी। आग में सैदुल शेख का एक घर पूरी तरह जलकर राख हो गया। घर में मौजूद नकदी के साथ विभिन्न दस्तावेज और संपत्ति जलकर राख हो गई।

ड्रग्स के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

बाक्सा (हिंस)। बाक्सा जिलांतर्गत दाओधरा में नशा तस्करों के विरूद्ध पुलिस ने अभियान चलाते हुए दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। बाक्सा पुलिस सूत्रों ने आज बताया है कि शिमला पुलिस ने छात्र संगठन आब्सू कार्यकर्ताओं की मदद से बीती रात में दो ड्रग्स तस्करों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार ड्रग्स तस्करों की पहचान बाक्सा के दाओधरा निवासी कृष्णा ग्यारी और बाक्सा के बारीमुख निवासी देबजीत स्वर्गियारी के रूप में हुई है।

वार्षिकोत्सव में मेपल बेयर कैनेडियन प्ले स्कूल के बच्चों ने बिखेरे जलवे

गुवाहाटी (विभास)। महानगर के प्राग्ज्योतिष आईटीए सांस्कृतिक केंद्र शनिवार को मेपल बेयर कैनेडियन प्रीस्कूल की ओर से वर्ष 2023-24 के लिए अपना वार्षिक समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें बच्चों ने अपने जलवों से सभी का मन मोह लिया। कार्यक्रम का उद्‌घाटन समाजसेविका श्रीमती कमला गोयल, प्रवीण गोयल, युवा महिला उद्यमी श्रीमती निधि प्रवीण गोयल ने कई प्रमुख हस्तियों की उपस्थिति में दीप प्रज्ज्वलित कर वार्षिक दिवस समारोह का उद्‌घाटन किया। इस मौके पर श्रीमती निधि परवीन गोयल ने कहा कि वार्षिक दिवस की थीम *आभार* रखी गई, ताकि छोटे बच्चों में शुरू से ही सभी के प्रति कृतज्ञता और प्यार का भाव विकसित किया जा सके ताकि आगे चलकर वे लोग सभी को सम्मान दे। उन्होंने कहा कि इस तरह के कार्यक्रमों के आयोजन का उद्देश्य इन नन्हे मुन्ने बच्चों के भीतर छिपी प्रतिभा को उजागर करना था। वार्षिक उत्सव में 2 से 6 वर्ष तक की आयु वालों वाले

बच्चों ने अनेकता में एकता की झलक दिखाते हुए सभी धर्मो पर आधारित नृत्य प्रस्तुत किया। वही असम के वीर लचित बोरफुकान, जय जवान-जय किसान के नारे के अलावा विभिन्न राज्यों की कला संस्कृति को दर्शाते हुए शानदार नृत्य की प्रस्तुति दी, जिसे देख दर्शक दीर्घा में बैठे उनके अभिभावकों के चेहरे खिल उठे। कार्यक्रम में डॉ. पूजा जायसवाल द्वारा बाल पोषण पर एक पेरेंटिंग सत्र भी आयोजित किया गया। कार्यक्रम का समापन क्लास सीनियर किंडरगार्टन के ग्रेजुएशन सेरेमनी के साथ हुआ जहां अभिभावक व शिक्षक भावुक नजर आए। इस दौरान अभिभावकों ने मेपल बियर द्वारा प्रदान किए गए उत्कृष्ट स्कूल प्रबंधन और शिक्षा के बारे में बात करते हुए अपने बच्चों के सर्वांगीण विकास पर खुशी जाहिर की। मेपल बीयर अंतरराष्ट्रीय प्री-स्कूल श्रृंखला का एक हिस्सा है, जो कनाडा की कार्यप्रणाली पर आधारित प्री-स्कूल और डे केयर सुविधा प्रदान करता है। साथ ही भारत सरकार की नई शिक्षा नीति 2020 के साथ पूर्ण रूप से मेल खाता है। श्रीमती गोयल ने सभी बच्चों, अभिभावकों और शिक्षकों के प्रति आभार व्यक्त किया जिन के सहयोग से पांचवा वार्षिक समारोह का शानदार आयोजन किया जा सका।

मंत्री बिमल बोरा के काफिला का वाहन दुर्घटनाग्रस्त कोई हताहत नहीं

शिवसागर (हिंस)। असम के कैबिनेट मंत्री बिमल बोरा के काफिले का एक वाहन दुर्घटनाग्रस्त हो गया। यह घटना शनिवार सुबह हुई, जिससे वाहन को काफी नुकसान पहुंचा है। उद्योग, वाणिज्य, सार्वजनिक उद्यम और सांस्कृतिक मामलों के मंत्री बिमल बोरा सुबह जोरहाट जिलांतर्गत टियक में आयोजित प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सभा में भाग लेने जा रहे थे। शिवसागर शहर से गुजरते समय, काफिले को सड़क पर मवेशियों का सामना करना पड़ा। मवेशियों से बचने की कोशिश के परिणामस्वरूप बिमल बोरा के काफिला का एक वाहन दुर्घटना का शिकार हो गया। दुर्घटना में किसी के हताहत होने की कोई खबर नहीं है, लेकिन मंत्री के साथ यात्रा कर रहे कुछ सुरक्षाकर्मी और पार्टी कार्यकर्ता घायल हो गए। फिलहाल, बिमल बोरा सुरक्षित बताए जा रहे हैं।

ऑल असम बंगाली युवा छात्र फेडरेशन की आम सभा आयोजित, नई महिला समिति गठित

कोकराझाड़ (विभास)। कोकराझाड़ जिले के बांग्लाबाड़ी स्थित बारोघर में आज सारा असम बंगाली युवा छात्र फेडरेशन के एक साधारण सभा का आयोजन किया गया। इस सभा का अध्यक्षता फेडरेशन के कोकराझाड़ जिले के अध्यक्ष पानेश सरकार ने किया इस सभा में बारोघर शाखा समिति बांग्लाबाड़ी कॉलोनी अंचलिक ओर महिला समिति गठन किया गया। बारोघर शाखा समिति के अध्यक्ष पसंजीत विश्वास सचिव प्रकाश भोमिक ओर कोषाध्यक्ष बिजय सिंगह को लेकार 21 जानिए समिति गठन किया गया। इसके बाद बांग्लाबाड़ी कॉलोनी अंचलिक समिति के अध्यक्ष जयदीब भोमिक, सचिव सुधान विश्वास ओर कोषाध्यक्ष बिमल सिंगह को लेकर 21 जानिय समिति गठन किया गया इस सभा में बांग्लाबाड़ी कॉलोनी महिला आंचलिक समिति के अध्यक्ष भारती सिंगह, सचिव शर्मा को लेकर 21 जनीय समिति गठन किया गया इस सभा में अतिथि के रूप में सारा असम बंगाली युवा छात्र फेडरेशन के राजिक उपाध्यक्ष गोपाल घोष, बिटिआर क्षेत्रीय समिति के महासचिव इंद्रजीत देबनाथ, कोकराझाड़ जिला समिति के सांगठनक सचिव अजय सरकार, बापी सरकार सहित कई अतिथि उपस्थित थे। इस सभी अतिथियों को गामोछा से स्वागत किया गया। उपस्थित अतिथियों ने अपना अपना भाषण रखा।

कोकराझाड़ व रंगिया में धूमधाम से महाशिवरात्रि का आयोजन

कोकराझाड़/रंगिया (विभास)। जिले के गोसाईगांव, फकीराग्राम, सालाकाटी, पर्वतझोरा, महामाया, बुगड़ीबाड़ी आदि इलाके के शिव मंदिर में हजारों की संख्या में भक्तों ने शिव मंदिर में भगवान शिव को जल चढ़ाकर पूजा-अर्चना की। वहीं जिले के फकीराग्राम स्थित पीएचई विभाग में स्थित शिव मंदिर में प्रकाश दास के नेतृत्व में महाशिवरात्रि का आयोजन किया गया। इस मौके पर काफी संख्या में भक्तगण पूजा-अर्चना की। जहां विभाग के अधिकारीगण उपस्थित थे। इसके अलावा फकीराग्राम के पुराणिक शिव मंदिर और फकीराग्राम के संकटमोचन मंदिर में शिवरात्रि को लेकर भव्य आयोजन किया गया। जिले के पागलाबाबा मंदिर, थानापाड़ा शिवमंदिर, और कोकराझाड़ के महेश मंदिर में सुबह से ही भक्तों का तांता लगा रहा। इसी तरह जिले के विभिन्न मंदिरों में महाशिवरात्रि का पर्व धूमधाम से मनाया गया। पूजा-अर्चना के बाद भक्तों के बीच प्रसाद वितरण किए गए। **रंगिया से हमारे संवाददाता के अनुसार** रंगिया के तोरोनि स्थित ऐतिहासिक श्री श्री जगन्नाथ बुढ़ागोहाई थान में इस वर्ष महाशिवरात्रि का 49वां आयोजन दो दिवसीय व्यापक कार्यक्रमों के साथ किया गया। आध्यात्मिक परंपराओं को बरकरार रखते हुए 12 सौ शताब्दी में स्थानीय भक्तों द्वारा स्थापित इस थान में आयोजित इस कार्यक्रम में हजारों की संख्या में भक्तों का समागम देखा गया। इस उपलक्ष्य में महोत्सव के दूसरे दिन शुक्रवार को धर्मीय शिवछाट उत्तोलन, स्मृति तर्पण, वृक्षारोपण, भोग क्षेत्र द्वार उन्मोचन और भोग वितरण, आमंत्रित महिला नागरा नाम का प्रदर्शन, पुरूष नागरा नाम का प्रदर्शन और चतुर्थ प्रहर शिव पूजा प्रारंभ आदि कार्यक्रम आयोजित किये गए। कार्यक्रम में भक्तों की उपस्थिति एवं सहयोगिता के लिए आयोजन समिति के अध्यक्ष देवेंद्र नाथ शर्मा, कार्यवाहक अध्यक्ष जोगेश शर्मा, कोषाध्यक्ष महेंद्र कलिता, सचिवद्वय मनीराम कलिता, भवेश कलिता सहित मंदिर संचालन समिति के अध्यक्ष डॉ. भवों कुमार शर्मा, कार्यवाहक अध्यक्ष प्रदीप कलिता, सचिव प्रणव कलिता, सह-सचिव अंजन भुइयां और मंदिर निर्माण समिति के सचिव दिनेश कलिता और सभी पदाधिकारियों द्वारा धन्यवाद ज्ञापन किया गया है। इसके अलावा **रंगिया** के ढोकलुची में शिवरात्रि पूजा का 21 वां आयोजन बड़े ही उत्साह के साथ किया गया। एक दिवसीय विभिन्न कार्यक्रमों के साथ शिवरात्रि पूजा पूरे दिन स्थानीय शिव मंदिर प्रांगण में आयोजित की गई। इस उपलक्ष्य में सुबह होराई स्थापना, धर्म ध्वजा उत्तोलन, पौधरोपण सहित महिलाओं का नागरा नाम आयोजित किया गया। इसके पश्चात कार्यक्रम के अंतर्गत दाताओं का स्वागत कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आधिकारिक उद्‌घाटन रंगिया जिला कोच राजवंशी सम्मेलन के अध्यक्ष रमनी राजवंशी ने किया। इसके बाद सार्वजनिक होम पाठ में स्थानीय भक्तों ने जोर शोर से भाग लिया। इसके अलावा कार्यक्रम के अवसर पर सुबह से ही बड़ी संख्या में भक्त पूजा स्थल पर एकत्र हुए और सार्वजनिक रूप से पूजा की।

प्रधानमंत्री मोदी 12 मार्च को झारखंड को एक और वंदेभारत ट्रेन की सौगात देंगे, बनारस तक चलेगी

रांची, (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी झारखंड को एक और वंदेभारत एक्सप्रेस ट्रेन की सौगात देने जा रहे हैं। यह बनारस तक चलेगी। प्रधानमंत्री 12 मार्च को इसका ऑनलाइन उद्घाटन करेंगे। यह जानकारी रांची रेल मंडल के डीआरएम जसमित सिंह बिंद्रा ने 'हिन्दुस्थान समाचार' को दी। डीआरएम जसमित सिंह बिंद्रा ने बताया कि रांची- बनारस वंदेभारत एक्सप्रेस आठ चेयरकार कोच होंगे। इसका सबसे बड़ा फायदा झारखंड, बिहार और ओडिशा के रेलयात्रियों को मिलेगा। यह ट्रेन रांची-लोहरदगा-टोरी, डालटनगंज, गढ़वा रोड, गया और पंडित दीनदयाल उपाध्याय स्टेशन होते वाराणसी पहुंचेगी। यह बोकारो स्टील सिटी, हजारीबाग, कोडरमा और गया जंक्शन से गुजरेगी। उन्होंने बताया कि यह ट्रेन रांची से सुबह 5:50 बजे खुलेगी और दोपहर 12:10 बजे बनारस पहुंचेगी। बनारस से दोपहर 1:30 बजे खुलेगी और रात 7:50 बजे रांची पहुंचेगी। रांची से बनारस का सफर साढ़े छह घंटे में तय होगा। रांची-वाराणसी तक का किराया 1390 से 2600 रुपये के बीच होगा। पहले इसे मुरी-बोकारो के रास्ते चलाने की योजना थी। रेलवे उपभोक्ता सलाहकार समिति के सुझाव पर इसे

लोहरदगा-टोरी के रास्ते चलाने का फैसला लिया गया है। इस ट्रेन के चलने से रांची स्टेशन से खुलने वाली वंदेभारत की संख्या तीन हो जाएगी। फिलहाल एक ट्रेन रांची से पटना और दूसरी रांची से हावड़ा के बीच चल रही है। रांची-बनारस वंदेभारत से खासकर उन यात्रियों को लाभ होगा, जो काशी जाकर भगवान शिव के दर्शन करना चाहते हैं। इसके अलावा अयोध्या जानेवाले भी काशी से अयोध्या आसानी से जा सकेंगे।

ईडी अधिकारियों पर हमले वाले दिन शाहजहां ने जिनसे भी की बात, उन सभी से पूछताछ करेगी सीबीआई

कोलकाता, (हि.स.)। ईडी अधिकारियों पर हमला करवाने वाले तृणमूल नेता शेख शाहजहां के सहयोगियों पर भी अब गाज गिरने वाली है। इन सभी के खिलाफ सीबीआई ने जांच तेज कर दी है। अब जांच एजेंसी उन सभी लोगों से पूछताछ करेगी जिससे शाहजहां ने हमले वाले दिन फोन पर बात की थी। ईडी अधिकारियों को विश्वास है कि इस पूछताछ के बाद इस नतीजे पर आसानी से पहुंचा जा सकेगा कि आखिर शेख शाहजहां ने ईडी और सीएपीएफ अधिकारियों पर हमला करने की योजना कैसे बनाई? सूत्रों के मुताबिक, सीबीआई को दो फोन कॉल के बारे में जानकारी मिली है। यह वे फोन कॉल हैं, जो कि शाहजहां ईडी अधिकारियों पर हमले के आधे घंटे पहले किया था। ये फोन कॉल सत्ताधारी दल तृणमूल कांग्रेस के विधायक और संदेशखाली के दो ब्लॉकों से त्रिस्तरीय पंचायत प्रणाली के सदस्यों को किए गए थे। इसके अलावा कुछ फोन कॉल शाहजहां ने अपने बिजनेस में शामिल कुछ विश्वासपात्र लोगों को किए थे। सूत्रों ने बताया कि सीबीआई के अधिकारी

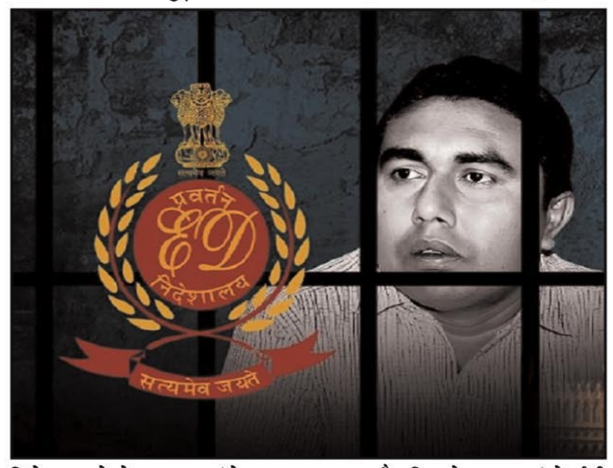

विशेष रूप से शेख शाहजहां के सत्तारूढ़ पार्टी के विधायक से लगभग 90 सेकंड तक हुई कॉल को लेकर उत्सुक हैं।

जांच अधिकारियों को विश्वास है कि हमले से पहले हुई बातचीत के बारे में जानकारी जुटाकर किसी बड़े राज से पर्दा उठाया जा सकेगा। इससे पहले शुक्रवार को सीबीआई ने अब्बु हुसैन के आवास पर छापेमारी की थी। अब्बु हुसैन शेख शाहजहां का करीबी और सहायक बताया जाता है। अब्बु हुसैन ही वो शख्स है, जिससे शाहजहां ने ईडी अधिकारियों पर हमला करने से पहले बातचीत की थी। ईडी पांच जनवरी को करोड़ों रुपये के राशन वितरण घोटाला मामले में छापेमारी करने पहुंची थी, ताकि मामले को लेकर दस्तावेज जुटाए जा सकें। इस बीच शाहजहां ने ईडी अधिकारियों पर हमला करवा दिया था। केंद्रीय एजेंसी का कहना है कि शाहजहां के उकसावे पर हजारों लोग घरों से निकले और केंद्रीय एजेंसी के अधिकारियों पर हत्या के इरादे से हमला कर दिया।

भविष्य के युद्धक्षेत्र में तीनों सेनाओं के तालमेल पर रक्षामंत्री ने जोर दिया

नई दिल्ली,(हि.स.)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने नौसेना कमांडरों के सम्मेलन में भविष्य के युद्धक्षेत्र के लिए तीनों सेनाओं की संयुक्तता और एकीकरण के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने हिंद महासागर क्षेत्र में शांति और समृद्धि के लिए भारतीय नौसेना से नेतृत्वकारी भूमिका निभाने का आह्वान किया। नौसेना कमांडरों के द्विवार्षिक सम्मेलन का पहला संस्करण 05 से 08 मार्च तक आयोजित किया गया, जिसमें महत्वपूर्ण समुद्री सुरक्षा मुद्दों पर विचार-विमर्श किया गया। सैन्य-सामरिक स्तर सम्मेलन का उद्घाटन सत्र विमान वाहक पोत आईएनएस विक्रमादित्य पर हुआ लेकिन इसके बाद 07 और 08 मार्च को यह कमांडर कांफ्रेंस हाइब्रिड प्रारूप से नई दिल्ली में हुई। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रक्षा स्टाफ के प्रमुख, रक्षा सचिव और अन्य के साथ उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता की। रक्षा मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी और नौसेना कमांडर उपस्थित थे। रक्षा मंत्री ने पश्चिम एशिया और आसपास के समुद्रों में

हाल की घटनाओं पर भारतीय नौसेना की बहादुरी भरी त्वरित प्रतिक्रिया की सराहना करते हुए कमांडरों से संघर्ष के सभी क्षेत्रों में संचालन के लिए तैयार रहने का आह्वान किया। उन्होंने हिंद महासागर क्षेत्र में शांति और समृद्धि सुनिश्चित करने की दिशा में भारतीय नौसेना से अपेक्षित नेतृत्वकारी भूमिका को रेखांकित किया। इसके अलावा रक्षा मंत्री ने भविष्य के युद्धक्षेत्र को अनुकूल रूप देने और प्रभावित करने के लिए त्रि-सेवाओं की संयुक्तता और एकीकरण के महत्व पर जोर दिया। नई दिल्ली की कार्यवाही में 07-08 मार्च को प्रमुख परिचालन, सामग्री, बुनियादी ढांचे, रसद और कार्मिक संबंधी पहल की समीक्षा की गई। इसके अलावा वरिष्ठ नौसैनिक नेतृत्व ने समुद्री क्षेत्र में समकालीन और भविष्य की चुनौतियों को कम करने के लिए द्वीप क्षेत्रों में क्षमता वृद्धि सहित मौजूदा और भविष्य की योजनाओं के बारे में चर्चा की। भारतीय सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे और भारतीय वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल वीवी चौधरी ने भी नौसेना कमांडरों के साथ परिचालन वातावरण के अपने आकलन को साझा किया। दोनों सेवा प्रमुखों ने मौजूदा और उभरती सुरक्षा चुनौतियों के बीच तीनों सेनाओं के बीच तालमेल और सहयोग को बढ़ाने के लिए कई क्षेत्रों और डोमेन में राष्ट्रीय हितों के मद्देनजर रूपरेखा तैयार की। सम्मेलन के इतर नौसेना कमांडरों ने 08 मार्च को "सागर मंथन" कार्यक्रम के दौरान विभिन्न "थिंक टैंक" के साथ भी बातचीत की। इस फोरम ने आत्मनिर्भरता पहल को आगे बढ़ाने और रक्षा उत्पादन में आत्मनिर्भरता बढ़ाने के तरीकों, साधनों और नए तरीकों पर विचार-विमर्श करने के लिए एमएसएमई, इनोवेटर्स और शिक्षाविदों के साथ जुड़ने का अवसर प्रदान किया।

ईडी का तमिलनाडु में रेत खनन मामले में 10 ठिकानों पर छापा

नई दिल्ली, (हि.स.)। प्रवर्तन निदेशालय ने तमिलनाडु में कथित अवैध रेत खनन से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग जांच के सिलसिले में 10 ठिकानों पर छापेमारी की है। आधिकारिक सूत्रों ने शनिवार को दी जानकारी में बताया कि यह कार्रवाई 'लॉटरी किंग' सैंटियागो मार्टिन के दामाद आधव अर्जुन के परिसरों के अलावा चेन्नई और कोयंबटूर में कुछ अन्य लोगों के कई ठिकानों पर भी चल रही है। उल्लेखनीय है कि ईडी ने मार्टिन के खिलाफ एक अन्य मनी लॉन्ड्रिंग मामले की जांच की है, जो सिक्किम सरकार की लॉटरी की बिक्री से संबंधित कथित अपराधों के

खिलाफ केंद्रीय जांच ब्यूरो के मामलों से संबंधित है। केंद्रीय जांच एजेंसी धनशोधन रोकथाम अधिनियम के प्रावधानों के तहत इसकी जांच कर रही है। लॉटरी किंग के नाम से मशहूर मार्टिन और उनकी कंपनी फ्यूचर गेमिंग सॉल्यूशंस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के बारे में कहा जाता है कि वे सिक्किम लॉटरी के मास्टर डिस्ट्रीब्यूटर थे।

गहलोत लोकसभा चुनाव लड़कर देश को संभालने में योगदान दें : लोकेश शर्मा

जयपुर, (हि.स.)। विधानसभा चुनाव में कांग्रेस सरकार की हार के बाद लगातार सोशल मीडिया पर तीखे हमले कर रहे पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के ओएसडी लोकेश शर्मा ने शनिवार को एक बार फिर गहलोत पर तंज कसा। एक्स पर पोस्ट कर शर्मा ने लिखा कि गहलोत लगातार मोदी सरकार को देश के हालात बिगाड़ने का दोषी मान रहे हैं। उन्हें जोधपुर से चुनाव लड़कर संसद में पहुंच देश को संभालने में योगदान देना चाहिए। शर्मा ने एक्स पर पूर्व मुख्यमंत्री गहलोत का एक वीडियो पोस्ट कर अशोक गहलोत का बयान कोट कर लिखा कि 'मैंने उस वक़्त भी कहा था हारने के बाद में भी, जितना दुःख मुझे हारने का नहीं है उससे ज्यादा मुझे चिंता है देश के अंदर हालात बिगड़ते जा रहे हैं।' शर्मा ने लिखा कि अशोक गहलोत अब समय है देश के हालातों को सुधारने में चिंता जाहिर करने की बजाय आगे बढ़कर सुधार का हिस्सा बना जाए... आप जोधपुर से लोकसभा चुनाव लड़कर संसद में पहुंचकर देश के बिगड़ते हालातों को ठीक करने के लिए अपनी भूमिका अदा करें साथ ही राहुल गांधी, खड़गे और कांग्रेस पार्टी को मजबूत करें। जोधपुर में आपसे बेहतर और जिताऊ कोई हो ही नहीं सकता है। शर्मा ने लिखा कि मेरा कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे, राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी से आग्रह है कि जिस प्रकार छत्तीसगढ़ में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को लोकसभा चुनाव लड़ाया जा रहा है उसी प्रकार अगली सूची में राजस्थान के जोधपुर से पहला नाम अशोक गहलोत का हो। मुझे यकीन है वे अपने जादू, अनुभव और जनाधार के चलते एकतरफा जीतकर संसद में पहुंचेंगे।

उमर अब्दुल्ला पर भड़कीं महबूबा, जम्मू-कश्मीर में महागठबंधन पर संकट

नई दिल्ली,(ईएमएस)। जम्मू कश्मीर में इंडिया महागठबंधन में चल रही खटपट की आवाजें बाहर भी सुनाई देने लगीं हैं। फारूक अब्दुल्ला के नेतृत्व वाली नेशनल कान्फ्रेंस द्वारा कश्मीर की तीन लोकसभा सीट पर चुनाव लड़ने के एकतरफा फैसले के बाद पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती भड़क गई हैं। उन्होंने नेशनल कॉन्फ्रेंस पर निशाना साधते हुए कहा कि गुपकार डिक्लेरेशन को मजाक बनाकर रख दिया गया है। गुपकर घोषणापत्र (पीएजीडी) पांच राजनीतिक दलों का गठबंधन है, जो जम्मू-कश्मीर के विशेष दर्जे की बहाली की मांग कर रहा है। केंद्र ने 2019 में जम्मू-कश्मीर के विशेष दर्जे को रद्द कर दिया था। यहां पार्टी कार्यालय में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए पीडीपी अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने कहा कि नेशनल कॉन्फ्रेंस का फैसला निराशाजनक और जम्मू-कश्मीर के लोगों की उम्मीदों को झटका है। जब मुफ्ती से पूछा गया कि क्या नेशनल कॉन्फ्रेंस के फैसले का मतलब गठबंधन का

टूट जाना है, पीडीपी प्रमुख ने कहा, उमर (अब्दुल्ला) ने खुद कहा है कि पीडीपी गठबंधन से बाहर है। आप देख सकते हैं कि किसने गठबंधन तोड़ा है। हमने नहीं तोड़ा। यह एक अनोखा गठबंधन था, इसे टूटते हुए देखना निराशाजनक है। उन्होंने पीएजीडी को मजाक में बदल दिया है। बता दें कि नेशनल कॉन्फ्रेंस ने कहा था कि कश्मीर घाटी की तीन सीटों पर वह चनाव लड़ेगी और कांग्रेस जम्मू रीजन की दो सीटों पर अपने प्रत्याशी उतारे। पार्टी ने यह भी कहा था कि लद्दाख की सीट पर नेशनल कॉन्फ्रेंस और कांग्रेस के बीच सहमति बनाई जाएगी। महबूबा मुफ्ती ने कहा कि अगर नेशनल कॉन्फ्रेंस ने उनसे सलाह की थी तो घाटी की सीट भी वह छोड़ देतीं। पीडीपी चीफ ने कहा, मुझे निराशा हुई क्योंकि फारूक अब्दुल्ला हर छोटी बात पर भी हमसे बात करते थे। लेकिन आज इतना बड़ा फैसला ले लिया गया और पीडीपी कहीं गठबंधन में है ही नहीं। अगर फारूक अब्दुल्ला एकता के लिए मुझसे समझौता करने को कहते तो मैं उनकी बात मान लेती। उन्होंने कहा कि नेशनल कॉन्फ्रेंस का यह फैसला जम्मू कश्मीर के लोगों के लिए घाटे का सौदा है।

दिल्ली में दो दिन बनी रहेगी हल्की सर्दी, जल्द छूटेगा पसीना

नई दिल्ली (ईएमएस)। राजधानी में लगातार चौथे दिन सुबह का तापमान 10 डिग्री से नीचे रहा। दिन में बादलों की आवाजाही भी रही और धूप भी खिली रही। मौसम विभाग का पूवार्नुमान है कि अभी दो तीन दिन और कमोबेश ऐसा ही मौसम बना रह सकता है। दिल्ली का अधिकतम सामान्य से एक डिग्री कम 27.4 डिग्री दर्ज किया गया। वहीं न्यूनतम तापमान 9.6 डिग्री सेल्सियस रहा। यह सामान्य से चार डिग्री कम है। हवा में नमी का स्तर 90 से 24 प्रतिशत रिकॉर्ड किया गया। मौसम विभाग के मुताबिक, शनिवार को आसमान साफ रहेगा। किंतु 25 से 35 किमी प्रतिघंटे की रफ्तार से हवा भी चलने का अनुमान है। अगले दो दिन दिल्ली का अधिकतम तापमान 27 डिग्री एवं न्यूनतम 11 डिग्री के आसपास बना रहेगा। जबकि 11 मार्च से इसके 29 से 30 डिग्री तक पहुंचने की संभावना है। पश्चिमी विक्षोभ के असर से अभी दिल्ली का अधिकतम तापमान 10 डिग्री और अधिकतम 27 डिग्री से नीचे चल रहा है। दोनों ही सामान्य से कम हैं, लेकिन 11 मार्च से तापमान में वृद्धि होने लगेगी। 13 मार्च तक न्यूनतम तापमान 13 से 14 डिग्री व अधिकतम 30 डिग्री तक चला जाएगा। 25 मार्च तक अधिकतम 35- 36 और न्यूनतम 18- 20 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाएगा। उधर शुक्रवार को दिल्ली में शुक्रवार को हवा की रफ्तार आठ से 20 किमी प्रतिघंटा तक रही, जिसके चलते प्रदूषण से राहत बनी हुई है। शुक्रवार को राजधानी का एक्यूआइ 156 दर्ज किया गया, जो मध्यम श्रेणी में आता है। विशेषज्ञों के अनुसार, अगले कुछ दिनों तक हवा की रफ्तार तेज रहेगी और प्रदूषण में राहत जारी रहेगी।

एनसीबी के पूर्व अधिकारी समीर वानखेड़े की पत्नी क्रांति रेडकर को जान से मारने की धमकी

मुंबई, (हि. स.)। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) के पूर्व अधिकारी समीर वानखेड़े की पत्नी क्रांति रेडकर वानखेड़े को पाकिस्तानी और ब्रिटिश नंबरों से जान से मारने की धमकी मिली है। क्रांति रेडकर ने इस मामले की शिकायत गोरेगांव पुलिस स्टेशन में दर्ज कराई है। गोरेगांव पुलिस स्टेशन की टीम इस मामले की गहन छानबीन कर रही है। इस धमकी की जानकारी खुद क्रांति रेडकर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स के माध्यम से दी है। क्रांति रेडकर ने लिखा है, "मुझे मेरे मोबाइल नंबर पर विभिन्न पाकिस्तानी नंबरों और यूके नंबरों से जान से मारने की धमकियां मिल रही हैं। यह पिछले एक

साल से हो रहा है। पुलिस को समय-समय पर सूचित किया गया था। आज दोबारा इसी तरह की धमकी मिली है।" क्रांति ने इस ट्वीट में देवेंद्र फडणवीस, एकनाथ शिंदे और मुंबई पुलिस को टैग किया है। गौरतलब है कि इससे पहले एनसीबी के पूर्व अधिकारी समीर वानखेड़े और उनकी पत्नी क्रांति रेडकर को जान से मारने की धमकी मिली थी। इस मामले की छानबीन पुलिस टीम कर रही है।

दिल्ली में जुमे की नमाज के पर 4 घंटे बाद थमा विवाद

नई दिल्ली(ईएमएस)। इंद्रलोक इलाके में शुक्रवार दोपहर सड़क पर नमाज पढ़ रहे कुछ लोगों को एक पुलिसकर्मी ने लात मारकर हटाने की कोशिश की। इस वीडियो वायरल हुआ और तनाव की स्थिति बन गई। चार घंटे चले विवाद को शांति से सुरक्षा लिया गया। अब इस मामले की जांच चल रहा है। जांच से जुड़े सूत्रों ने बताया कि सड़क पर नमाज से इस व्यस्त सड़क पर जाम की स्थिति बन गई थी। इस कारण लंबा जाम लग गया। लोगों ने पुलिस को शिकायत की तो चौकी इंचार्ज मनोज तोमर अपनी टीम के साथ वहां पहुंचे। इसके अलावा बीते शुक्रवार को कुछ लोग यहां टेंट लगाने की कोशिश कर रहे थे। इसलिए पुलिस को जब जाम की सूचना मिली तो वह कब्जे की आशंका से मौके पर पहुंच गई। लोगों को हटाने के दौरान नमाजियों से विवाद हो गया। पुलिस अफसरों की स्थानीय अमन कमेटी के सदस्यों के साथ देररात तक बैठकों का दौर जारी रहा। साथ ही, स्थानीय आरडब्ल्यूए के व्हाट्सऐप ग्रुप में डीसीपी मनोज कुमार मीना का वीडियो बयान प्रसारित किया गया। वहीं, इलाके में सक्रिय आपराधिक तत्वों पर नजर रखी जा रही है।डीसीपी मनोज कुमार मीना ने आक्रोशित लोगों से शांत रहने की अपील की। फिलहाल, इलाके में सुरक्षा बल की पांच कंपनी तैनात की गई हैं। इसके अलावा पुलिस मित्रों को चौकी प्रभारी पर कार्रवाई की दो सौ प्रति दी गई, जिसे भीड़ के बीच बांटा गया। वरिष्ठ पुलिस अधिकरी इंद्रलोक चौकी और सराय रोहिल्ला थाने पर मौजूद थे। लोगों से अफवाहों पर ध्यान न देने का आग्रह किया गया है। दिल्ली के इंद्रलोक इलाके में शुक्रवार दोपहर सड़क पर नमाज पढ़ रहे कुछ लोगों को एक पुलिसकर्मी ने लात मारकर हटाने की कोशिश की। इस घटना का वीडियो वायरल होने के बाद इलाके में तनाव फैल गया। हालांकि, तत्काल पुलिसकर्मी को निलंबित कर दिया गया। पुलिसकर्मी की इस हरकत के बाद लोग भड़क गए और हंगामा करना शुरू कर दिया। देखते ही देखते इंद्रलोक पुलिस चौकी को घेरकर नारेबाजी करने लगे। पूरे इलाके में करीब चार घंटे तक अफरातफरी का माहौल रहा। आक्रोश और भीड़ बढ़ती देख पूरे इलाके में सुरक्षा बढ़ा दी गई। बड़ी मस्जिद में शुक्रवार को नमाज पढ़ने के लिए लोग एकत्र थे। जब मस्जिद में भीड़ ज्यादा होती है तो लोग जखीरा से इंद्रलोक मेट्रो स्टेशन जाने वाली सड़क पर भी नमाज अदा करने लगते हैं। इसलिए सड़क पर लोग नमाज पढ़ने लगे। इसी दौरान एसआई मनोज तोमर और अन्य पुलिसकर्मी पहुंचे। उन्होंने नमाज पढ़ रहे लोगों से जाम का हवाला देकर मस्जिद में जाने को कहा, लेकिन कोई नहीं उठा। इससे नाराज होकर एसआई ने नमाजियों को लात मारनी शुरू कर दी। इस दौरान लोगों ने वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर अपलोड कर दिया। आक्रोशित लोगों ने चौकी को घेरा वीडियो देखकर घटनास्थल पर भीड़ जमा हो गई। बड़ी संख्या में लोगों ने इंद्रलोक चौकी को घेर लिया और पुलिसकर्मी पर कड़ी कार्रवाई की मांग करने लगे। इसकी वजह से कई किलोमीटर तक वाहनों की कतारें लग गईं। डीसीपी मनोज कुमार मीना ने चौकी में प्रतिनिधिमंडल से बात की, लेकिन आक्रोशित भीड़ शांत होने का नाम नहीं ले रही थी। इस बीच भीड़ में शामिल कुछ उपद्रवियों ने सार्वजनिक वाहनों पर पथराव भी किया। करीब शाम छह बजे यातायात सामान्य हो पाया। पुलिसकर्मियों को गश्त करने के निर्देश डीसीपी मनोज कुमार मीना खुद इंद्रलोक इलाके की स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं। पुलिसकर्मियों और सुरक्षा बलों को इलाके में गश्त करने के निर्देश हैं। पुलिस मुख्यालय में इंद्रलोक की स्थिति के बारे में समय-समय पर जानकारी दी जा रही है। लोगों से शांति की अपील की गई है। मदनी ने कहा, पुलिसकर्मी को सेवामुक्त किया जाए जमीयत उलमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना महमूद असद मदनी ने इस मामले में कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। इस तरह की कार्रवाई से वैश्विक स्तर पर देश की छवि खराब होगी। मदनी ने उपराज्यपाल को पत्र लिखकर उक्त पुलिस अधिकारी को सभी जिम्मेदारियों से सेवामुक्त करने की मांग की है। तनाव को देखते हुए डीसीपी की ओर से तुरंत संबंधित पुलिसकर्मी पर कार्रवाई की गई। साथ ही, जिले और थाने के पूर्व अधिकारियों को भी मौके पर बुलाया गया। दो साल डीसीपी रहे और वर्तमान में पूर्वी क्षेत्र के एडिशनल सीपी सागर सिंह कलसी ने इलाके का दौरा किया। हाल ही में बदले गए एसएचओ और पूर्व चौकी प्रभारी को भी शांति कायम करने के लिए बुलाया गया। अधिकारियों ने भीड़ में शामिल लोगों से बात कर उन्हें शांत कराया।

कांग्रेस को लगा बड़ा झटका, सुरेश पचौरी समेत कई पूर्व विधायक भाजपा में शामिल

भोपाल, (हि.स.)। लोकसभा चुनाव से पहले मध्यप्रदेश में कांग्रेस को बड़ा झटका लगा है। वरिष्ठ नेता सुरेश पचौरी, पूर्व सांसद गजेंद्र सिंह राजूखेड़ी समेत कई पूर्व विधायक भाजपा में शामिल हो गए। पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा, मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने इन नेताओं को पार्टी में शामिल किया। प्रदेश भाजपा कार्यालय में शनिवार सुबह आयोजित कार्यक्रम में वरिष्ठ नेता व पूर्व केंद्रीय मंत्री सुरेश पचौरी, धार से पूर्व सांसद गजेंद्र सिंह राजूखेड़ी, इंदौर-1 के पूर्व विधायक संजय शुक्ला, देपालपुर के पूर्व विधायक विशाल पटेल, पिपरिया से पूर्व विधायक अर्जुन पलिया सहित अन्य कांग्रेस नेता भाजपा में शामिल हो गए। पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान एवं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीडी

शर्मा ने पार्टी में शामिल हुए नेताओं का स्वागत करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा का परिवार बढ़ रहा है। कांग्रेस के सुरेश पचौरी जैसे नेता के अनुभवों का लाभ भाजपा को मिलेगा। कैलाश विजयवर्गीय अपने बयानों में हमेशा संजय शुक्ला को घर का बच्चा बताते रहे हैं। इंदौर-1 के पूर्व विधायक संजय शुक्ला को भाजपा का दुपट्टा पहनाते समय मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने मजाकिया अंदाज में कहा- 'तेरी गाली सुनी और तेरे को ही लेना पड़ा रहा है' यह सुनकर संजय जोर से हंस दिए। साथ में कैलाश ने भी ठहाका लगाया। उनके इस मजाक का वीडियो भी सामने आया है। हालांकि चुनाव के दौरान संजय ने भी विजयवर्गीय को गुंडा बताया था।

कृषि विज्ञान केंद्र, उजवा को कृषि-वोल्टाइक पर सर्वश्रेष्ठ हिन्दी भाषा फिल्म का प्रथम पुरस्कार

नई दिल्ली, (हि.स.)। कृषि फि ल्म महोत्सव - 2023 में कृषि-वोल्टाइक (सौर फार्म प्रदर्शन) पर सर्वश्रेष्ठ हिन्दी भाषा फिल्म का प्रथम पुरस्कार कृषि विज्ञान केंद्र, उजवा, दिल्ली के नाम रहा। इस कार्यक्रम का आयोजन राष्ट्रीय कृषि विस्तार प्रबंधन संस्थान (मैनेज) हैदराबाद द्वारा आयोजित किया गया था। इसमें कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के अतिरिक्त सचिव फैज अहमद किदवई, आईएएस एवं मैनेज, हैदराबाद के महानिदेशक डा. पी चन्द्रशेखर की उपस्थिति में यह अवार्ड कृषि विज्ञान केन्द्र उजवा के डॉ. देवेन्द्र कुमार राणा ने एक प्रमाण पत्र और स्मृति चिह्न के साथ ग्रहण किया। शनिवार को डा. देवेंद्र कुमार राणा ने बातचीत के दौरान बताया कि कृषि विज्ञान केन्द्र, उजवा, दिल्ली में कृषि प्रणाली का सौर ऊर्जा के साथ समन्वय स्थापित करने के लिए दिल्ली सरकार द्वारा ह्लमुख्यमंत्री कृषि आय बढ़ोतरी परियोजनाह्व के तहत पायलट प्रोजेक्ट के रूप

में देश का पहला 110 किलोवाट सौर खेती ऊर्जा प्रदर्शन इकाई की स्थापना की गई। इसमें सौर ऊर्जा के उत्पादन के साथ-साथ सब्जी उत्पादन के कार्य किए जा रहे हैं। केन्द्र द्वारा इस कृषि-वोल्टाइक प्रणाली को इस तरह डिजाइन और विकसित किया गया है, जिसके माध्यम से बिजली के साथ-साथ खेती के कार्य भी सम्पन्न हो रहे हैं। वर्तमान में एक एकड़ भूमि पर अलग अलग मॉडल से 80 प्रतिशत क्षेत्र में सब्जियों की खेती की जा रही है। विगत दो वर्षो के दौरान भिंडी, टमाटर, बैंगन, प्याज और लोबिया की कुछ चुनिंदा फसलें ड्रिप सिंचाई प्रणाली के माध्यम से उगाई गईं, जिनका उत्पादन सराहनीय रहा। इसके साथ ही कृषि विज्ञान केन्द्र, दिल्ली ने फसल प्रणाली के साथ साथ सौर कृषि प्रदर्शन इकाई के पैनल से आय उत्पन्न करने के लिए तीन टायर फसल प्रणाली विकसित की है। इस थ्री टायर क्रॉपिंग पैनल में कुकर-बिटेसी फसल (जैसी लौकी, तुरई, लौकी, करेला) हरी पत्तियां पालक, मेथी व धनिया को लगाया गया। ये सभी फसलें कृषि-वोल्टाइक प्रणाली के लिए सर्वाधिक उपयुक्त हैं। केन्द्र द्वारा विकसित इस प्रणाली में सोलर फार्म द्वारा औसत 12,500 यूनिट बिजली का उत्पादन होता है जिससे 1,20,000 से 1,30,000 रुपये शुद्ध आय एवं फसल प्रणाली से 40,000 रुपये तक शुद्ध आय अर्जित होती है।

अमेठी से भाग रहे राहुल, ललकार रही भाजपा

लखनऊ,(हि.स.)। कांग्रेस की पहली सूची में ही राहुल गांधी को वायनाड से टिकट मिल गया, लेकिन नेहरू गांधी परिवार की पारिवारिक सीट रायबरेली और अमेठी पर उम्मीदवार की घोषणा न होना, कांग्रेस नेताओं के बीच चर्चा का बाजार गर्म कर दिया है। उधर भाजपा नेता बार-बार उन्हें अमेठी से चुनाव लड़ने के लिए चुनौती दे रहे हैं। कांग्रेस सूत्रों की मानें तो राहुल गांधी यहां से चुनाव लड़ना नहीं चाहते,जबकि उग्र कांग्रेस बार-बार उन्हें यहां लाने का प्रयास कर रहे है। उनके यहां न लड़ने के कारण है कि जब बसपा और सपा के समर्थन के बावजूद पिछली बार स्मृति ईरानी से हार गये तो इस बार तो बसपा अपना प्रत्याशी भी लड़ा सकती है। ऐसे में उन्हें जीतना मुश्किल होगा। उल्लेखनीय है कि अमेठी के 1966 में लोकसभा क्षेत्र बनने के बाद ही यह नेहरु-गांधी परिवार का ही संसदीय क्षेत्र रहा है। यहां अब तक हुए 16 लोकसभा चुनावों और दो उपचुनाव में कांग्रेस ने 16 बार जीत दर्ज की है। इस लोक सभा निर्वाचन क्षेत्र के अंतर्गत चार तहसील और पांच विधान सभा क्षेत्र आते हैं। राहुल गांधी के सासंद बनने के बाद से वे स्वयं चुनाव तो जीतते थे, लेकिन विधानसभाओं में वे अधिकांश अपने उम्मीदवारों को जीताने में असफल रहे। पिछले चुनाव में स्मृति ईरानी ने उन्हें भी हरा दिया। इसके बाद से उनका दौरा भी अमेठी में न के बराबर रहा। 2019 में अमेठी के लोकसभा चुनाव पर गौर करें तो वहां 27 प्रत्याशी मैदान में थे, लेकिन राहुल गांधी के समर्थन में समाजवादी पार्टी और बहुजन समाज पार्टी ने समर्थन किया था। इसके बावजूद स्मृति ईरानी ने 55,120 वोट से राहुल गांधी को हरा दिया, लेकिन इन दोनों के अलावा निर्दलीय अथवा छोटे दलों को मिलाकर 60540 वोट मिले थे। इसमें सात प्रत्याशी तो एक हजार से भी कम मत पाये थे, जिनका कुला मिलाकर 5183 मत मिले थे।

उसमें नोट पर भी 3940 मतदाताओं ने बटन दबाया था। अर्थात ये मतदाता राहुल, स्मृति अथवा किसी अन्य को पसंद नहीं करते रहे। उस चुनाव में स्मृति को 4,68,514 वोट मिले थे। वहीं राहुल गांधी को 4,13,394 मत मिले थे। कुल पड़े वोट का स्मृति ईरानी का वोट शेयर 49.71 प्रतिशत था। वहीं राहुल गांधी का 43.86 प्रतिशत वोट मिले थे। राजनीतिक विश्लेषकों की मानें तो किसी लोकसभा चुनाव में 55,120 मतों से हार कोई मायने नहीं रखता, लेकिन उसके बाद राहुल गांधी ने अमेठी में आना ही छोड़ दिया। वे सिर्फ भारत जोड़ों यात्रा को मिलाकर पांच साल में तीन बार अमेठी आये हैं, जबकि स्मृति ईरानी लगभग हर माह वहां आती रही हैं। अमेठी में उन्होंने अपना आवास भी ले लिया है। ऐसे में राहुल गांधी वहां की जनता के साथ कैसे स्वयं को जोड़ पाएंगे। स्मृति इरानी के जवाब में वे कैसे मुखर हो पाएंगे। राजनीतिक विश्लेषक राजीव रंजन सिंह की मानें तो उन्हें भय भी सता रहा है कि पिछली बार तो समाजवादी पार्टी और बसपा दोनों ने रायबरेली और अमेठी की सीट से अपना प्रत्याशी सोनिया और राहुल के समर्थन में नहीं उतारा। इस तरह राहुल तीन दलों के संयुक्त उम्मीदवार थे,लेकिन इस बार बसपा वहां से प्रत्याशी उतार सकती है,क्योंकि मायावती के किसी के साथ समझौता नहीं है। इस स्थिति में अमेठी से राहुल गांधी को हार का पुनः सामना करना पड़ सकता है।

शीघ्रता से करें जन समस्याओं का समाधान : मुख्यमंत्री

- जनता दर्शन में सीएम योगी ने सुनीं 500 लोगों की समस्याएं

गोरखपुर, (हि.स.)। गोरखपुर प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में जनता दर्शन में आए लोगों से मुलाकात की। मुख्यमंत्री ने उनकी समस्याएं सुनीं और अधिकारियों को निर्देशित किया कि जन समस्याओं का समाधान शीघ्रता से करें। किसी भी तरह की शिथिलता या लापरवाही नहीं होनी चाहिए। हर समस्या का निस्तारण गुणवत्तापूर्ण, पारदर्शी और संतुष्टिपरक होना चाहिए। उन्होंने कहा कि जनता की हर पीड़ा का निवारण सरकार की प्रमुख प्राथमिकता है। जनता दर्शन में गोरखनाथ मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के बाहर कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों तक सीएम योगी खुद पहुंचे और एक-एक करके सबकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने लगभग 500 लोगों से मुलाकात की। उन्होंने सबको आश्वस्त किया कि उनके रहते किसी के साथ अन्याय नहीं होने पाएगा। सबके प्रार्थना पत्रों को संबंधित अधिकारियों को संदर्भित करते हुए त्वरित निस्तारण का निर्देश देने के साथ लोगों को भरोसा दिलाया कि सरकार हर पीड़ित की समस्या का समाधान कराने के लिए दृढ़ संकल्पित है। उन्होंने अधिकारियों को यह भी हिदायत दी कि किसी की जमीन पर अवैध कब्जा करने वाले, कमजोरों को उजाड़ने वाले किसी भी सूरत में बख्शे न जाएं। उनके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए। मुख्यमंत्री के समक्ष जनता दर्शन में कई लोग इलाज के लिए आर्थिक सहायता की गुहार लेकर पहुंचे थे। सीएम योगी ने उन्हें आश्वस्त किया कि सरकार इलाज के लिए भरपूर मदद करेगी। उनके प्रार्थना पत्रों को अधिकारियों को हस्तगत करते हुए मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि इलाज से जुड़ी इस्टीमेट की प्रक्रिया को जल्द से जल्द पूर्ण करा कर शासन में उपलब्ध कराया जाए। राजस्व व पुलिस से जुड़े मामलों को उन्होंने पूरी पारदर्शिता वह निष्पक्षता के साथ निस्तारित करने का निर्देश देते हुए कहा कि किसी के साथ भी नाइंसाफी नहीं होनी चाहिए। हर पीड़ित के साथ संवेदनशील व्यवहार अपनाते हुए उसकी मदद की जाए।

ओलावृष्टि से नुकसान हुई फसलों की सरकार ने की भरपाई, केंद्रीय राज्यमंत्री ने बांटे प्रमाण पत्र

जालौन, (हि.स.)। जालौन में बीते दिनों हुई मूसलाधार बारिश और ओलावृष्टि से सैकड़ों गांव के किसानों की फसलें बर्बाद हो गई थी। इसके बाद शासन ने इन प्रभावित इलाकों का सर्वे कराया और शासन को रिपोर्ट भेजी। इसके बाद शासन ने क्षतिग्रस्त फसलों का मुआवजा किसानों के खाते में भेजना शुरू कर दिया है। इसी क्रम में केंद्रीय राज्यमंत्री भानु प्रताप वर्मा ने शनिवार को कोंच तहसील में सरकार द्वारा भेजा गया मुआवजा किसानों तक पहुंचाया और किसानों को प्रमाण पत्र सौंपे। उल्लेखनीय है कि जालौन के अलग-अलग इलाकों में 20 और 27 फरवरी के साथ-साथ 1 से 3 मार्च तक बेमौसम बारिश और ओलावृष्टि से जनपद के अलग-अलग तहसील क्षेत्र के 323 ग्रामों के 6753 किसानों की 10406.3770 हेक्टेयर क्षेत्र की फसल प्रभावित हो गई थी, जिसके बाद उत्तर प्रदेश शासन ने सभी जिलाधिकारियों को स्पष्ट आदेश दिये थे कि ओलावृष्टि और अतिवृष्टि से प्रभावित समस्त काश्तकारों को मानक के अनुसार राहत सहायता उपलब्ध करायी जाये। कोई भी प्रभावित किसान छूटने न पाये। आकलन के बाद सरकार के द्वारा जनपद जालौन को सर्वाधिक 3 करोड़ की राहत राशि सौंपी गई। इसी राहत राशि को किसानों तक पहुंचाने के लिए आज तहसील सभागार कोंच में केंद्रीय राज्यमंत्री भानु प्रताप वर्मा व एसडीएम ने किसानों के खातों में रुपए पहुंचाए व प्रमाण पत्र भी सौंपे। इस दौरान केंद्रीय राज्यमंत्री भानु प्रताप वर्मा ने कहा कि 20 फरवरी से 3 मार्च के बीच बेमौसम बारिश और ओलावृष्टि हुई थी। इससे जनपद के किसानों का भारी नुकसान हुआ था और फसलें भी बर्बाद हो गई थीं। सरकार ने राहत पहुंचाते हुए जिले को 3 करोड़ रुपये की मुआवजा राशि सौंपी है। अब तक 98 लाख रुपये किसानों के खातों में पहुंचाया जा चुका है।

लोकसभा चुनाव में बसपा अकेले लड़ेगी चुनाव : मायावती

लखनऊ, (हि.स.)। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने एक बार फिर ऐलान किया है कि लोकसभा चुनाव में बसपा अकेले दम पर चुनाव लड़ेगी। मीडिया को भी नसीहत दी है कि ऐसी शरारतपूर्ण खबरें देकर अपनी विश्वसनीयता न खोएं। मायावती ने शनिवार को सोशल मीडिया प्लेट फार्म एक्स पर लिखते हुए कहा कि बसपा देश में लोकसभा का आमचुनाव अकेले अपने बलबूते पर पूरी तैयारी व दमदारी के साथ लड़ रही है। ऐसे में चुनावी गठबंधन या तीसरा मोर्चा आदि बनाने की अफवाह फैलाना यह घोर फेक व गलत खबर है। मीडिया ऐसी शरारतपूर्ण खबरें देकर अपनी विश्वसनीयता न खोए। लोग भी ऐसी खबरों से सावधान रहें। आगे मायावती ने कहा कि खासकर उत्तर प्रदेश में बसपा की काफी मजबूती के साथ अकेले चुनाव लड़ने के कारण विरोधी लोग काफी बैचेन लगते हैं। इसीलिए ये आए दिन किस्म-किस्म की अफवाहें फैलाकर लोगों को गुमराह करने का प्रयास करते रहते हैं। किन्तु बहुजन समाज के हित में बसपा का अकेले चुनाव लड़ने का फैसला अटल है। उल्लेखनीय है कि लोकसभा चुनाव-2024 के मद्देनजर पार्टियों ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। भाजपा-कांग्रेस ने उम्मीदवार की पहली सूची भी जारी कर दी है। इसी बीच मीडिया में यह खबरें आने लगीं कि बसपा 'आईएनडीआईए' गठबंधन में शामिल हो सकती है। लेकिन बसपा प्रमुख मायावती के बयान के बाद बहुत सारी चीजें साफ हो चुकी हैं। किसी भी हालत में बसपा किसी दल के साथ जाने के बजाए अकेले चुनाव लड़ रही है।

लखनऊ के बाजारों में धड़ल्ले से बिक रहा मिलावटी देशी घी

लखनऊ, (हि.स.)। लखनऊ में खुले बाजारों में शुद्ध देशी घी के नाम पर मिलावटी देशी घी धड़ल्ले से बिक रहा है। होली पर्व के पहले मिठाईयों को बेचने वाले दुकानदार ही बड़ी मात्रा में देशी घी खरीद रहे हैं। कम रेट होने के कारण दुकानदारों को भी ऐसे विक्रेता पसंद आ रहे हैं। दूसरे ब्रांड या शुद्ध देशी घी बेचने वाले लोग के रेट अधिक होने से खरीदारी करने वाले दुकानदार उनसे दूरी बनाते हैं। राजधानी लखनऊ का आलमबाग क्षेत्र बड़ा व्यापारी क्षेत्र बन चुका है। मिलावटी देशी घी को आलमबाग के मिष्ठान की दुकानों में कम मूल्य पर बेचकर खपाया जा रहा है। बीते दिनों एक रेस्टूरेंट मालिक ने देशी घी पर आपत्ति जताथी थी और इसके बाद बिक्री करने वाले व्यापारी से खरीदारी रोक दी थी। इसके बाद बड़ी दूध कम्पनी का देशी घी खरीदकर रेस्टूरेंट मालिक अपने दुकान की खाद्य सामग्री का निर्माण करा रहे हैं। नाका क्षेत्र में शुद्ध देशी घी बेचने वाले दीपक जैन ने बताया कि विभिन्न कम्पनियों के देशी घी के होलसेल बिक्री करने के अलावा वे स्वयं भी शुद्ध देशी घी बनाते हैं। खुर्जा का देशी घी बेचने के लिए उन्होंने अपना रेट तय कर रखा है। उनके देशी घी की गारंटी वह स्वयं है। बाजारों में बिकने वाले देशी घी में मिलावट होना आम बात है। आज प्रतिस्पर्धा के दौर में मिलावटी सामग्री बिक रही है तो देशी घी में मिलावट हो जाना कोई बड़ी बात नहीं है। उन्होंने कहा कि बाजार में देशी घी के नाम पर मलाई वाला घी,बिलोय के नाम पर रंग रोगन वाला घी बेचा जा रहा है। जिसमें कोई शुद्धता नहीं होती है। दही मक्खन से बना देशी घी में शुद्धता होती है और इसकी महक ही आपको अपनी ओर आकर्षित कर देगी। जानकीपुरम क्षेत्र में गौपालक व देशी घी बनाने वाले ओमप्रकाश ने कहा कि देशी घी में रिफाइन्ड तेल या कुछ अन्य तेल मिलाकर बड़ी आसानी से उसकी मात्रा बढ़ायी जाती है। देशी घी में मिलावट कर होली या दीपावली पर कम रेट में बेच दिया जाता है। मोटा मुनाफा कमाने के लिए खरीददार और बिक्री करने वाला दोनों ही देशी घी का व्यापार कर लेते हैं। उन्होंने कहा कि वह स्वयं बिलोय वाला देशी घी बनाते हैं। जिसे बनाने में समय लगता है तो पर्याप्त दूध से बनी हुई दही लग जाती है। मिलावटी देशी घी को पहचानना सबसे ज्यादा आसान है, देशी घी में चिकनापन बढ़ जाता है। इसे छूकर महसूस किया जा सकता है। दूध से क्रीम निकालकर भी देशी घी बनता है और इसे भी शुद्ध देशी घी कहकर बेचते हैं। यह फिर भी देशी घी ही होता है। बाजार में तो मिलावटी के साथ–साथ नकली घी तक बेची जा रही है। शहर में दूध कम्पनियों नमस्ते इंडिया,अमूल,ज्ञान के आधा किलो,एक किलो,पांच किलो के पैकेट में देशी घी उपलब्ध है। ये दूध कम्पनियां अपने देशी घी को आकर्षण ऑफर के साथ बेचती है। कम्पनियों के शहर के तमाम दुकानें, स्टोर खुले हुए हैं। जहां से बड़ी संख्या में लोग देशी घी खरीदते हैं। रोजाना उपयोग में लाने के लिए मिष्ठान दुकानदार भी दूध कम्पनियों के देशी घी पर विश्वास करने लगे हैं।

केन्द्रीय मंत्री नितिन गडकरी 10 मार्च को झारखंड के खूंटी में तीन सड़कों का करेंगे ऑनलाइन शिलान्यास

खूंटी (झारखंड), (हि.स.)। राज्य के खूंटी शहरवासियों की वर्षों पुरानी बाईपास सड़क की मांग पूरी होगी। केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा की पहल पर खूंटीवासियों को 10 मार्च को तीन सौगातें मिलेंगी। केंद्रीय सड़क, परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी रांची-खूंटी फोर लेन बाईपास रोड, रांची-खूंटी रोड (वर्तमान) का चौड़ीकरण एवं खूंटी-कर्रा-बेड़ो टू लेन सड़क का ऑनलाइन शिलान्यास करेंगे। रांची-खूंटी फोर लेन बाईपास रोड तुपुदाना (एनएच 20, पुराना 75ई) से कुंडीबर टोली तक बनेगा, जो रांची, खूंटी और चाईबासा जिला को जोड़ेगा। इस रोड के बन जाने से खूंटी में हमेशा जाम और आए दिन सड़क दुर्घटना से लोगों को राहत मिलेगी। साथ ही यात्रा में भी समय कम लगेगा। इस संबंध में अर्जुन मुंडा मुंडा ने कहा कि इस परियोजना के पूर्ण होने से स्थानीय लोगों के लिए बड़े अवसर सृजित होंगे। भगवान बिरसा मृग विहार, पंचघाघ और हिरणी जलप्रपात जैसे स्थानीय पर्यटन स्थलों कि जरूरतों को भी पूरा करेगी। आसपास के स्थानों में स्थित कई खनन क्षेत्रों में बेहतर कनेक्टिविटी होगी, जिससे क्षेत्र के आर्थिक विकास में मदद मिलेगी। मुंडा ने कहा कि खूंटी-कर्रा-बेड़ो रोड भी महत्वपूर्ण है। यह रोड खूंटी, रांची और लोहरदगा जिले को जोड़ेगा। लगभग 138 किलोमीटर के इस रोड के बन जाने से भविष्य में प्रस्तावित संबलपुर रांची एक्सप्रेस-वे आर्थिक कॉरिडोर का यह हिस्सा होगा। साथ ही रांची-गुमला (एनएच 23), खूंटी-तोरपा कोलेबिरा (एनएच 143 डी), गुमला-सिमडेगा-राउरकेला (एनएच 143) और रांची-चाईबासा (एनएच 20) से लोगों के लिए अच्छी कनेक्टिविटी और सुगम आवागमन की सुविधा उपलब्ध होगी। क्षेत्र में पर्यटन का भी विकास होगा। सोनमेर मंदिर, महामाया मंदिर, साईं मंदिर, लतरातु डैम, घाघारी धाम, नेतरहाट और बेतला जैसे पर्यटन स्थलों तक पहुंच पथ बन जायेगा। साथ ही रोजगार के अवसर भी प्राप्त होंगे।

झारखंड हाई कोर्ट ने बाल मृत्यु दर कम करने के उपायों पर राज्य सरकार से मांगी रिपोर्ट

रांची, (हि.स.)। झारखंड हाई कोर्ट में पांच साल से कम उम्र के बच्चों की मृत्यु दर की गंभीर स्थिति को देखते हुए कोर्ट द्वारा लिए गए स्वतः संज्ञान की सुनवाई हुई। मामले में हाई कोर्ट ने राज्य सरकार से पूछा है कि झारखंड में पांच साल से कम उम्र के बच्चों की मृत्यु दर कम करने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं। इस संबंध में कोर्ट ने राज्य सरकार से स्टेटस रिपोर्ट मांगी है। कोर्ट ने सरकार से राज्य के सरकारी अस्पतालों में पांच साल से कम उम्र के बच्चों की मृत्यु दर कम करने के लिए किए गए उपाय के बारे में भी जानकारी मांगी है। इसके अलावा कोर्ट ने राज्य सरकार से यह भी पूछा है कि झारखंड के सुदूर ग्रामीण इलाकों में सांप के काटने से होने वाली मौत को रोकने के लिए प्राइमरी हेल्थ सेंटर, कम्युनिटी हेल्थ सेंटर आदि सरकारी अस्पतालों में सांप के काटने की दवा की क्या व्यवस्था है? मामले की अगली सुनवाई 10 अप्रैल को होगी।

अखबार में छपी खबर के अनुसार पांच साल से कम उम्र के बच्चों की मृत्यु दर को लेकर हाई कोर्ट ने मामले में स्वतः संज्ञान लिया था। इसी दौरान कोर्ट के समक्ष यह बात सामने आई थी कि राज्य के प्राइमरी हेल्थ सेंटर में चिकित्सकों, दवा समेत अन्य स्टाफ की कमी है।

थर्मिट ग्रुप कंपनी बनी ऑपरेशन त्रिनेत्र एम्बेसडर

- शहर की 15 क्रासिंग स्थानों को लिया गोद, लगाएगी सीसीटीवी कैमरा

कानपुर, (हि.स.)। शहरवासियों को बेहतर सुरक्षा उपलब्ध कराने को लेकर कमिश्नरेट पुलिस तकनीक का सहारा ले रही है। यानी शहर के करीब एक हजार चौराहों पर सीसीटीवी कैमरे लगवाने की योजना है। यह सीसीटीवी कैमरे शहरवासियों के सहयोग से लगवाए जाने हैं और उन्हें ऑपरेशन त्रिनेत्र एम्बेसडर के नाम से जाना जाएगा। एक चौराहे पर करीब सवा लाख का खर्च एम्बेसडर को उठाना पड़ेगा, लेकिन पुलिस आयुक्त की अपील पर लोग आगे आ रहे हैं। इसी कड़ी में शनिवार को थर्मिट ग्रुप कंपनी ऑपरेशन त्रिनेत्र एम्बेसडर बन गई और 15 स्थानों को गोद लिया है। शहर के नागरिकों की सुरक्षा को और अधिक सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से पुलिस आयुक्त अखिल कुमार द्वारा शहर के सम्भ्रांत नागरिकों से ऑपरेशन त्रिनेत्र अभियान में जुड़कर महत्वपूर्ण चौराहों व तिराहों को गोद लेकर सीसीटीवी कैमरों के स्थापन में सहयोग करने की अपील की गई थी। इसी क्रम में शनिवार को थर्मिट ग्रुप की कम्पनी ने सामाजिक जिम्मेवारी के तहत अपने स्मार्ट शहर को अधिक सुरक्षित शहर बनाने के लिए अपने सहयोगी हाथ आगे बढ़ाए हैं। थर्मिट ग्रुप कम्पनी के सीएमडी आलोक नगोरी ने पुलिस आयुक्त से मिलकर बताया कि अपनी कम्पनी की तरफ से प्रथम चरण में 15 क्रॉसिंग को गोद लिया जाएगा। सीएमडी ने पुलिस आयुक्त को उन 15 स्थानों की सूची भी उपलब्ध कराकर सहमति पत्र दिया, जहां पर उनको सीसीटीवी कैमरे लगवाना है। पुलिस आयुक्त ने कहा कि शहरवासी जिस तरह से बढ़ चढ़कर भाग ले रहे हैं उससे सुनिश्चित है कि ऑपरेशन त्रिनेत्र सफल रहेगा और शहर की सुरक्षा व्यवस्था सुदृढ़ होगी।

राष्ट्रीय लोक अदालत के 25 बैंच में हो रही सुनवाई

भागलपुर, (हि.स.)। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण एवम बिहार राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देश और जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के तहत शनिवार को इस साल के पहले राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्वलन से किया गया। जिसमें सामूहिक रूप से जिला एवं सत्र न्यायाधीश, जिलाधिकारी एवं वरीय पुलिस अधीक्षक ने दीप प्रज्वलन किया। उसके बाद सभी बैंचों पर काम प्रारंभ हुआ। डीएलएसए के सचिव उमेश प्रसाद ने बताया कि आज का यह राष्ट्रीय लोक अदालत इस वर्ष का पहला राष्ट्रीय लोक अदालत है। उसके बाद 11 मई, 14 सितंबर और 14 दिसंबर को यह आयोजित की जाएगी। उन्होंने बताया कि इस बार भागलपुर सिविल कोर्ट में 19 बेंच, नवगछिया में पांच बेंच और कहलगांव में एक बेंच में सुनवाई की जा रही है। जिसमें 75 हजार केस के लिए नोटिस जारी किए गए हैं। जिसमें 31 हजार बैंक के केस भी इसमें शामिल हैं। उन्होंने बताया कि पहली बार राष्ट्रीय लोक अदालत में ग्राम कचहरी के भी मामले की सुनवाई की जा रही है। इस मौके पर जिलाधिकारी डॉक्टर नवल किशोर चौधरी ने लोगों से अपील करते हुए कहा कि अगर दो पक्षों में किसी तरह का मतभेद हो तो उसे समाप्त कर लेना चाहिए। इससे दोनों पक्ष के लोग मन से भी शांत रहेंगे और आर्थिक रूप से भी परेशान नहीं होंगे। केस होने से दोनों पक्षों को काफी परेशानी होती है। इससे बचना चाहिए।

भागलपुर से गोपाल मंडल लड़ेंगे चुनाव, उनकी जेब में है टिकट

भागलपुर, (हि.स.)। जदयू के बड़बोले विधायक गोपाल मंडल का कहना है कि भागलपुर से वो सांसद का चुनाव लड़ेंगे। विधायक कहते हैं टिकट तो उनके जेब है। उन्होंने शनिवार को यहां कहा कि मैं कभी निर्दलीय नहीं लड़ता हूं। निर्दलीय विधानसभा में लड़ता था। लोकसभा चुनाव लड़ने के लिए, कम से कम 6 करोड़ रुपया चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक विधानसभा में लड़ने के लिए, एक करोड़ रुपया चाहिए। मैं इतना पैसा कहां से लाऊंगा। अगर हम एनडीए से चुनाव लड़ेंगे तो कुछ पैसे नीतीश कुमार देंगे और कुछ नरेंद्र मोदी देंगे। टिकट मेरे पॉकेट में ही रहता है। मैं चुनाव लड़ूंगा और 3 लाख वोट से अधिक मतों से जीत हासिल करूंगा। उन्होंने कहा कि मेरी जीत सुनिश्चित है। मैं जो बोलता हूं वही करता हूं। भागलपुर संसदीय क्षेत्र का सारा जोड़, घटाव, गुणा और भाग मेरा मजबूत है। किसी भी नेता का इतना मजबूत गणित नहीं है।

नए डीएसपी को ज्वाइनिंग के साथ ही चोरों ने दी चुनौती, चार दुकानों में चोरी

अररिया, (हि.स.)। फारबिसगंज के नए अनुमंडल पदाधिकारी के रूप में मुकेश कुमार साहा ने शुक्रवार को ज्वाइन किया। निवर्तमान डीएसपी खुशरू सिराज ने मुकेश कुमार साहा को पदभार सौंपा। इधर नए डीएसपी के ज्वाइनिंग के साथ ही चोरों ने चार दुकानों में चोरी की घटना को अंजाम देकर पुलिस को चुनौती दे डाली। बीती रात फारबिसगंज थाना क्षेत्र के कॉलेज चौक खान अज्ञात चोरों ने चार दुकानों में चोरी की घटना को अंजाम दिया। चोरों ने सूरज होटल,चाय एक्सप्रेस, कृष्णा स्वीट्स और चाय पान के दुकान में चोरी की घटना को अंजाम दिया। चोरों ने सूरज होटल में लगे सीसीटीवी कैमरा को भी तोड़ दिया। सूरज होटल प्रतिष्ठान के मालिक सुजीत कुमार पिता श्रवण मंडल ने बताया कि बीती रात दस बजे दुकान को बंद कर वह घर गया था और सुबह में जब दुकान खोलने आया तो ताला टूटा पाया। उन्होंने दुकान से नगद दस हजार रुपये,दस हजार के सामानों की चोरी होने की बात कही। वहीं चाय एक्सप्रेस के प्रोफेसर कॉलोनी की जीत प्रकाश पिता चंद्रशेखर ने दुकान में नगद डेढ़ हजार रुपये सहित दुकान में रखे पान मसाला और अन्य समानों की चोरी की बात कही। कृष्णा स्वीट्स प्रतिष्ठान के कृष्णा कुमार पिता- रामअवतार महतो के दुकान का मुख्य दरवाजा तोड़कर दस हजार रुपए के मिठाई पान मसाला सहित डेढ़ हजार रुपये नगद चोरी की जानकारी दी। जबकि चाय पान दुकान चलाने वाले सचिन कुमार पिता - जितेंद्र दास ने दुकान से पांच हजार के सिगरेट और अन्य समानों की चोरी की। सुबह में घटना की सूचना के बाद फारबिसगंज थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जानकारी लेते हुए मामले की तफ्तीश में जुट गई। मौके पर बड़ी संख्या में स्थानीय लोग मौजूद थे। मौके पर डॉक्टर गजेंद्र कुमार मंटू, बजरंग दल जिला सह संयोजक नीरज निराला, कुंदन कुमार, वैश्यंजी, चंद्रश्वरी वैश्यंजी,मंटू अंसारी, करण कुमार, आर्यन कुमार, सुजीत मंडल, मुकेश यादव, गुड्डू यादव, अनमोल मंडल, पूर्व मुखिया परमानंद यादव,मंगल दास, गणेश यादव, कुंदन मंडल, प्रमोद कुमार आदि मौजूद थे। जिन्होंने आए दिन इस तरह की हो रही लगातार चोरी की घटना पर अंकुश लगाने की मांग की।

संपादकीय

370 के बाद कश्मीर

जम्मू कश्मीर में अनुच्छेद 370 को समाप्त करने के साढ़े चार साल बाद प्रधानमंत्री मोदी पहली बार कश्मीर घाटी में गए, तो फिजाएं बदली हुई थीं। प्रधानमंत्री जम्मू और लद्दाख क्षेत्रों में जाते रहे हैं, लेकिन घाटी में पहुंचना उनके लिए भी चुनौती थी। बहरहाल अब 'जन्नत' का नैसर्गिक रूप खिल रहा है। कश्मीर घाटी मन और सोच से भाजपा-विरोधी रही है, लेकिन अब 'हम हिंदुस्तानी हैं', 'भारत माता की जय' के नारे बुलंद थे। असंख्य लोगों को एक स्वर में उद्घोष करने के लिए बाध्य नहीं किया जा सकता। अक्सर राजनीतिक जनसभाएं प्रायोजित होती हैं, भीड़ को लाया जाता है, लेकिन टीवी चैनलों पर आम कश्मीरी के बोल सुने, तो एकबारगी लगा कि कश्मीर अब खुलकर सांस लेने लगा है। आतंकवाद की घटनाओं में 73 फीसदी की कमी आई है। नागरिकों की मौतें 81 फीसदी तक कम हुई हैं। अलगाववाद का खात्मा इसी से साफ है कि अब घाटी में दुकान, बाजार, फैक्टरी, स्कूल-कॉलेज आदि को बंद कराने वाली आवाजें खामोश हैं। पत्थरबाजी की घटनाएं 'शून्य' हैं। शारदा मंदिर में इस बार दीपावली मनाई गई। सिनेमा हॉल खुल चुके हैं। दलितों, स्थानीय समुदायों को आरक्षण मिला है और महिलाओं के संवैधानिक अधिकार बहाल किए जा चुके हैं। कश्मीरी महिलाएं अपना जीवन-साथी 'गैर कश्मीरी' को भी चुन सकती हैं। औरतों को संपत्ति खरीदने की आजादी है। अब उनकी पैतृक संपत्ति में भी हिस्सेदारी तय है। अब कश्मीर में जी-20 की बैठकें हुईं, तो विदेशी प्रतिनिधियों ने नए कश्मीर को देखा और आनंद लिया। बीते साल 2 करोड़ से अधिक पर्यटक कश्मीर की हसीन, खूबसूरत वादियों का सुख लेने आए, तो सरकार ने 30 सालों के लिए पीपीपी मॉडल पर अपनी 11 संपत्तियों को आउटसोर्स करने की योजना बनाई। होमस्टे पर खास जोर दिया जा रहा है। चूंकि लोगों की आवाजाही खुली और बढ़ी है, तो डल झील का नूरानी सौंदर्य भी लौट आया है। कश्मीरी पश्मीना शॉल, साडियों और सलवार-कमीज जैसे वस्त्रों का निर्यात बहाल हुआ है। कश्मीरी कहवा और केसर के निर्याती बाजार भी खुल चुके हैं। जाहिर है कि अर्थव्यवस्था फलने-फूलने लगी होगी। कश्मीर घाटी अब देश की मुख्यधारा से जुड़ कर अनुच्छेद 370 का इतिहास और अतीत भूल चुकी है। किसी पारिवारिक सियासत का हिस्सा 370 अब भी होगा, लेकिन आम कश्मीरी का कोई विरोध नहीं है। उसे सिर्फ विकास और रोजगार की दरकार है। वह इससे खुश और देश से जुड़ा महसूस करता है कि 53 विकास योजनाओं का लोकार्पण प्रधानमंत्री ने घाटी में किया। गांव-गांव तक 10 फुट की सडक़ें बन रही हैं। करीब 25,000 खिलाडियों ने खेल मुकाबलों में हिस्सा लिया। कई खिलाड़ी तो राष्ट्रीय टीमों के सदस्य हैं। करीब 15 लाख परिवारों को 'पानी' मुहैया कराया गया। सबसे अहम यह है कि राष्ट्रीय ध्वज 'तिरंगा' फिजाओं में लहरा रहा है और भारत का संविधान, संसद द्वारा पारित किए गए कानून अब जम्मू-कश्मीर में भी प्रभावी और प्रासंगिक हैं। कश्मीर में दो एम्स खुल चुके हैं, जाहिर है कि स्वास्थ्य भी सरकार के लिए अहम सरोकार है। ये तमाम उपलब्धियां और बदलाव एक ही दौर की देन नहीं हैं और न ही किसी व्यक्ति-विशेष से जुड़ी हैं। यह बीते 10 साल का यथार्थ है, जो कश्मीर में अब मूर्त रूप ले रहा है। बेशक इनकी सूत्रधार भारत सरकार रही है और सर्वोच्च अदालत ने भी दखल देकर 370 की पेचीदगियों को खोला है। प्रधानमंत्री मोदी भी श्रेय के पात्र हैं, जिन्होंने ऐसी योजनाएं बनवाईं और उन्हें लागू करवाया। हालांकि आतंकवाद अब चंद इलाकों में सिमटा है।

कश्मीर घाटी मन और सोच से भाजपा-विरोधी रही है, लेकिन अब 'हम हिंदुस्तानी हैं', 'भारत माता की जय' के नारे बुलंद थे। असंख्य लोगों को एक स्वर में उद्घोष करने के लिए बाध्य नहीं किया जा सकता। अक्सर राजनीतिक जनसभाएं प्रायोजित होती हैं, भीड़ को लाया जाता है, लेकिन टीवी चैनलों पर आम कश्मीरी के बोल सुने, तो एकबारगी लगा कि कश्मीर अब खुलकर सांस लेने लगा है। आतंकवाद की घटनाओं में 73 फीसदी की कमी आई है। नागरिकों की मौतें 81 फीसदी तक कम हुई हैं। अलगाववाद का खात्मा इसी से साफ है कि अब घाटी में दुकान, बाजार, फैक्टरी, स्कूल-कॉलेज आदि को बंद कराने वाली आवाजें खामोश हैं। पत्थरबाजी की घटनाएं 'शून्य' हैं। शारदा मंदिर में इस बार दीपावली मनाई गई। सिनेमा हॉल खुल चुके हैं। दलितों, स्थानीय समुदायों को आरक्षण मिला है और महिलाओं के संवैधानिक अधिकार बहाल किए जा चुके हैं। कश्मीरी महिलाएं अपना जीवन-साथी 'गैर कश्मीरी' को भी चुन सकती हैं। औरतों को संपत्ति खरीदने की आजादी है। अब उनकी पैतृक संपत्ति में भी हिस्सेदारी तय है। अब कश्मीर में जी-20 की बैठकें हुईं, तो विदेशी प्रतिनिधियों ने नए कश्मीर को देखा और आनंद लिया। बीते साल 2 करोड़ से अधिक पर्यटक कश्मीर की हसीन, खूबसूरत वादियों का सुख लेने आए, तो सरकार ने 30 सालों के लिए पीपीपी मॉडल पर अपनी 11 संपत्तियों को आउटसोर्स करने की योजना बनाई। होमस्टे पर खास जोर दिया जा रहा है।

विपक्ष के हमले पर पलटवार करते हुए पूरे भारत को अपना परिवार करार दिया

'मोदी का परिवार' अभियान विपक्षी दलों के लिये चुनावों में भारी पड़ सकता है

ललित गर्ग

मोदी के परिवार एवं विपक्षी दलों के परिवारवाद को लेकर बड़ी बहस चल रही है लेकिन 2019 के लोकसभा चुनाव में भी भाजपा को विपक्ष के एक आरोप 'चौकीदार चोर है' का भारी लाभ मिला था, तब भाजपा ने 'मैं भी चौकीदार' अभियान चलाया था। उसी तरह वर्ष 2024 के आम चुनाव से पूर्व 'मोदी का परिवार' अभियान शुरू कर दिया है, जिसका भाजपा को भरपूर लाभ मिल सकता है, विपक्षी दलों की इस भूल के कारण भाजपा न केवल 370 सीटों के लक्ष्य को हासिल करेगी, बल्कि उनका गठबंधन 400 से पार जायेगा।

बिहार की राजधानी पटना में आरजेडी सुप्रीमो लालू यादव के बयान कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के पास परिवार ही नहीं है। वो हिंदू नहीं हैं। हिंदू अपनी मां के श्राद्ध में दाढ़ी-बाल बनवाता है। मोदी की माताजी का जब देहांत हुआ तो उन्होंने बाल-दाढ़ी क्यों नहीं बनवाया? इस तरह के बेतुके, आधारहीन एवं अमर्यादित बयान के विरोध में पूरी भारतीय जनता पार्टी उतर आई है। अब भाजपा और विपक्षी दलों के बीच 'परिवारवाद' के मुद्दे पर वार-पलटवार जारी है। मोदी के परिवार एवं विपक्षी दलों के परिवारवाद को लेकर बड़ी बहस चल रही है लेकिन 2019 के लोकसभा चुनाव में भी भाजपा को विपक्ष के एक आरोप 'चौकीदार चोर है' का भारी लाभ मिला था, तब भाजपा ने 'मैं भी चौकीदार' अभियान चलाया था। उसी तरह वर्ष 2024 के आम चुनाव से पूर्व 'मोदी का परिवार' अभियान शुरू कर दिया है, जिसका भाजपा को भरपूर लाभ मिल सकता है, विपक्षी दलों की इस भूल के कारण भाजपा न केवल 370 सीटों के लक्ष्य को हासिल करेगी, बल्कि उनका गठबंधन 400 से पार जायेगा। निश्चित ही चुनाव का समय बहुत संवेदनशील होता है, जिसमें विवादित एवं व्यक्तिगत बयानों से बचना जरूरी होता है। विशेषतः प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की लोकप्रियता और उनकी चुनावी रणनीति से भड़के कांग्रेस के नेता राहुल गांधी, आरजेडी सुप्रीमो लालू यादव एवं विपक्षी दलों के नेता अपनी जुबान संभाल नहीं पा रहे। जैसे-जैसे मोदी एवं भाजपा का चुनावी अभियान तीक्ष्ण, उग्र एवं नियोजित होता जा रहा है, वैसे-वैसे उनके प्रति विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं की बौखलाहट बढ़ती जा रही है। प्रधानमंत्री मोदी ने परिवार ना होने को लेकर विपक्ष के हमले पर पलटवार करते हुए पूरे भारत को अपना परिवार करार दिया और अपने जीवन को एक खुली किताब बताते हुए कहा कि लोगों की सेवा करने के सपने के साथ उन्होंने कम उम्र में ही घर छोड़ दिया था। लगता है मोदी के परिवारवादी राजनीति के बयानों का विपक्ष के पास कोई प्रभावी जवाब नहीं है, तभी ऐसे बचकाने बयानों से दूषित राजनीति करने से विपक्षी दल स्वयं को बचा नहीं पा रहे हैं, दूसरी ओर मोदी ने ऐसे राजनेताओं एवं राजनीतिक दलों पर हमला बोलते हुए कहा कि विपक्षी नेताओं एवं दलों के अलग-अलग चेहरे हो सकते हैं, लेकिन झूठ और लूट का उनका

चरित्र समान है। प्रधानमंत्री मोदी ने लालू के आरोप पर पलटवार करते हुए कहा कि भ्रष्टाचार, परिवारवाद और तुष्टिकरण में आकंठ डूबे इंडी गठबंधन के नेता बौखलाते जा रहे हैं। मोदी निश्चित रूप से एक बड़े 140 करोड़ लोगों के परिवार से जुड़े हुए हैं। देश की जनता के सामने मोदी का जीवन खुली किताब जैसा है। देशवासी मोदी को भली-भांति जानते हैं, समझते हैं। उनकी पल-पल की खबर रखते हैं। देर रात तक अगर मोदी काम करते है तो देश से लाखों लोग उन्हें इतना काम नहीं करने एवं कुछ आराम करने की सलाह देते हैं, यह प्यार है मोदी परिवार का उनके प्रति। निश्चित ही मोदी ने एक सपना लेकर बचपन में घर छोड़ा था। वे देशवासियों के लिये जीने का एक सपना लेकर चले थे। मोदी का कोई निजी सपना नहीं है, देश एवं देशवासियों के सपने ही उनके संकल्प हैं। इसलिए देश के 140 करोड़ लोग ही उनका परिवार हैं, जिसमें युवा, बेटियां, बुजुर्ग सभी हैं। जिनका कोई नहीं है, उनके मोदी हैं। मेरा भारत मेरा परिवार, इसी भावना का विस्तार लेकर वे सपनों को सच के साथ सिद्ध करने के लिए जी रहे हैं। पूरा देश मोदी का परिवार है। भाजपा के बड़े नेताओं ने सोशल मीडिया एक्स पर अपने नाम के आगे 'मोदी का परिवार' लिखने का एक महा-अभियान शुरु कर दिया है, जो विपक्षी दलों के लिये भारी पड़ने वाला है। चुनाव के माहौल में विपक्षियों के बयान को भाजपा ऐसा मुद्दा बना लेती है, जिससे खुद विपक्षी नेता घिरते नजर आते हैं। पिछले लोकसभा चुनाव में रफाल की डील को लेकर जब राहुल गांधी ने 'चौकीदार चोर है' कहा तो भाजपा ने 'मैं भी चौकीदार' की ऐसी मुहिम चलाई कि वह विपक्ष पर ही भारी पड़ी। लालू के बयान के बाद अब 'मोदी का परिवार' मुहिम को भाजपा उसी तरह फोकस कर रही है। भाजपा नेताओं के मुताबिक, यह पूरी मुहिम चुनाव प्रचार के दौरान भी दिखाई देगी। यह अभियान चुनाव तक जारी रहेगा। भाजपा कांग्रेस सहित विपक्षी गठबंधन पर परिवारवाद को लेकर निशाना साधती रही है। हाल ही में हुए भाजपा के राष्ट्रीय अधिवेशन में भी गृहमंत्री अमित शाह ने परिवारवाद को लेकर विपक्ष पर खूब तंज कसा था। लोकसभा के आखिरी सत्र में प्रधानमंत्री मोदी ने परिवारवाद क्या है, इसकी पूरी परिभाषा ही दे डाली थी। अब जब लालू यादव का मोदी को लेकर बयान आया तो भाजपा परिवारवाद पर और उग्र हुई है। नरेन्द्र मोदी के दर्शन, उनकी व्यापक सोच, उनके विकासमूलक कार्यक्रमों, उनके व्यक्तित्व, उनकी बढ़ती ख्याति व उनकी कार्य-पद्धतियां पर विपक्षी दल एवं उनके नेताओं द्वारा कीचड़ उछालने की हदें पार हो रही हैं, उनके खिलाफ अमर्यादित भाषा का उपयोग हो रहा हैं, चुनावी सभाओं एवं चर्चाओं में भाषा की मर्यादा बिखर रही है, लेकिन मोदी अपने उद्बोधन में भाषा की मर्यादा को कायम रखते हुए कड़वे सच एवं यथार्थ को भी शालीनता एवं सहजता से परोस रहे हैं। विपक्ष के बेतुके बयानों एवं आरोपों से चुनावी परिदृश्य पल-पल बदलते हुए भाजपा की जीत को सहज बना रहे हैं। देखा जाये तो प्रधानमंत्री ने समूचे देश को अपना परिवार कहकर विपक्ष के बुने जाल में फंसने की बजाय उसके इरादों पर पानी फेर दिया कि ऐसे अशालीन एवं बचकाने बयानों से उन्हें हराया नहीं जा सकता। उनके इस कथन का कोई मतलब है तो यही कि विपक्ष जो कुछ कहने और सिद्ध करने की कोशिश कर रहा है, उसमें कोई दम नहीं। क्या अब भी विपक्ष मोदी को निशाना बनाने से परहेज करेगा, राहुल गांधी, लालू एवं विपक्ष अपनी ऐसी ही बेवकूफी से अपनी ही जड़ें खोद रहा है। क्योंकि मोदी को निशाना बनाने की राजनीति विपक्ष के लिये हमेशा नुकसानदायी रही है, मोदी अधिक चमके हैं, अधिक सशक्त बने हैं। इसका जवाब भी मोदी ने ही दिया कि भारतीय समाज नकारात्मकता को सहन कर लेता है, स्वीकार नहीं करता है।' आज जैसे बुद्धिमानी एक "वैल्यू" है, वैसे ही बेवकूफी भी एक "वैल्यू" है और मूल्यहीनता के दौर में यह मूल्य काफी प्रचलित है। लेकिन आज के माहौल में इस "वैल्यू" को फायदेमंद मानना राजनीति की एक अपरिपक्वता एवं नासमझी ही कही जायेगी।

दृष्टि कोण

संस्कृति पर मंडराते संकट के बादल

'जलेष्मेव जयमहे' अर्थात जल में जीतना चाहिए। संस्कृत का यह ध्येय वाक्य विश्व की सबसे बड़ी मुस्लिम आबादी में शुमार करने वाले देश इंडोनेशिया की नौसेना का है। 'बुद्धि सर्वत्र भ्राजते' यानी बुद्धि सर्वत्र प्रकाशमान होती है। यह आदर्श वाक्य श्रीलंका के कोलंबो विश्वविद्यालय का है। थाईलैंड का राष्ट्रीय प्रतीक 'गरुड़' है। कोई भी राष्ट्र अपनी संस्कृति व परंपराओं से कितनी मोहब्बत करता है, थाईलैंड व इंडोनेशिया इसका उदाहरण हैं। दोनों देशों में अलग-अलग मजहब होने के बावजूद वहां के लोगों ने अपने पूर्वजों की हजारों वर्ष पुरानी सनातन संस्कृति का त्याग नहीं किया। इतिहास साक्षी है कि अपनी तहजीब को भूलने व विरासतों को नजरअंदाज करने वाले मुल्कों को अपना वजूद बचाने के लिए जद्दोजहद करनी पड़ी है। भारत का हमसाया मुल्क पाकिस्तान इसका उदाहरण है। अनादिकाल से ज्ञान व विज्ञान के शिखर को छूने वाला भारत अपने दार्शनिकों द्वारा स्थापित मानवता के सिद्धांतों तथा ऋषियों द्वारा रचित वैदिक साहित्य व आध्यत्मिक ज्ञान संपदा का वारिस रहा है। भारत के महान विचारकों व विद्वानों द्वारा स्थापित सिद्धांतों की बुनियाद पर ही भारतीय संस्कृति का अस्तित्व आज तक सुरक्षित है। हिंदोस्तान की सरजमीं से बर्तानिया बादशाही का निजाम सात दशक पूर्व रुखसत हो गया, परंतु पश्चिमी तहजीब व अंग्रेजों की कई रिवायतें भारत में आज भी कायम हैं। युवा वर्ग से लेकर उम्रदराज लोगों तक पश्चिमी तहजीब का खुमार हावी हो चुका है। भारतीय समाज की विविध परंपराओं, भाषा, खानपान, लिबास तथा शिक्षा व्यवस्था तक अंग्रेजी संस्कृति का वर्चस्व कायम हो चुका है। रोजमर्रा की कई विदेशी चीजें हमारी जिंदगी का अहम हिस्सा बन चुकी हैं। विदेशी कंपनियां देश के बाजारों को अपनी जद में ले चुकी हैं। विदेशी कोचों के बिना देश की खेल व्यवस्था अधूरी रहती है। जन्मदिन से लेकर शादी समारोह, शादी सालगिरह व त्योहारों तक विदेशी तहजीब की झलक देखने को मिलती है। मधुशालाओं में सजी शीशे की बोतलों में अंगड़ाई लेती आब-ए-तल्ख विदेशी कंपनियों की है। कई होटलों में नौजवानों का खैरमकदम करने वाली हुक्का बारों की नशीली महफिल तथा अमीरों के शहजादों से सजी व महंगे नशे के लिए कुख्यात रेव पार्टियों की बज्म-ए-अंजुम मगरिब की बेगैरत तहजीब का आईना है। इश्क-ओ-मोहब्बत का इजहार करने के लिए मगरिब की रंगत में रंगा वेलेंटाइन डे अजीब किस्म के लुत्फ से मनाया जाता है। मुल्क के निजाम पर हुक्मरानी करने वाली अफसरशाही की फितरत, नजरिया व शौक अंग्रेजों वाले हैं। पर्यटकों तथा बालीवुड के अदाकारों के लिए शूटिंग का लोकप्रिय डेस्टिनेशन पश्चिमी देश हैं। पश्चिमी संगीत के आगे पारंपरिक लोकगीतों व वाद्ययंत्रों की सरगम लुप्त हो रही है। शास्त्रीय संगीत अपने वजूद को तलाश रहा है। विदेशी खानपान के बढ़ते प्रचलन से पारंपरिक खाद्य व्यंजनों की लज्जत फीकी पड़ रही है। नववर्ष का जश्न अंग्रेजी कैलेंडर के अनुसार ही मनाया जाता है। समाज को सभ्य व संस्कारी बनाने के लिए हमारे वैदिक ऋषियों ने कई नियम, सिद्धांत व मर्यादाएं तय की थीं। हजारों वर्ष पूर्व तत्वज्ञानी आचार्य महर्षि 'श्वेतकेतु' ने कड़े परिश्रम से सनातन धर्म में विवाह संस्कार का मसौदा तैयार किया था। भारतवर्ष की घोषा, अपाला, सूर्या सावित्री, सुवर्चला व ब्रह्मवादिनी विश्ववारा जैसी विदुषी ऋषिकाओं ने भी विवाह प्रणाली की स्थापना के लिए वैदिक विवाह परंपरा को विधिवत स्वरूप देने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया था। लेकिन विडंबना है कि मनुष्य के पुरुषार्थ व चरित्र निर्माण में अहम संस्कारों की बुनियाद रखने वाले सनातन के ध्वजवाहक महान आचार्य व ऋषिकाएं भारतीय इतिहास से गुम हो गए। वैदिक मंत्रोच्चार से अग्नि को साक्षी मानकर सात फेरे व सात वचनों से सम्पन्न सात जन्मों तक का बंधन निभाने वाले दिव्य संस्कार विवाह को अनुबंध के तौर पर माना जाने लगा है। संगीन जुर्म व अभद्रता का पर्याय बन चुकी लिव इन रिलेशनशिप तथा सभ्य समाज के लिए नामंजूर समलैंगिक विवाह जैसी बेमुरब्बत कुरीतियां पश्चिम की देन हैं। कन्या पूजन वाले देश भारत में बालिकाश्रम व अनाथालयों की संख्या बढ़ रही है। परिवार की शान रहे बुजुर्गों के लिए वृद्धाश्रम में कयाम अंग्रेजी तहजीब का ही आयाम है। हालांकि जीवन में घनिष्ठ संबंध रखने वाले भारतीय संस्कृति के कई संस्कार वैश्विक स्तर पर लोगों को अपनी ओर आकर्षित करते हैं। कई देशों में लोग स्वस्थ रहने के लिए ऋषियों की विरासत योग, आयुर्वेद व शाकाहारी भोजन को अपनाकर भारतीय संस्कृति का अनुकरण बड़े अदब से कर रहे हैं। मानसिक शांति के लिए भारतीय दर्शन का अध्ययन व आध्यात्मिक ज्ञान का सहारा लिया जा रहा है।

कुछ अलग

रसोई का राष्ट्रवाद

घर में कोई मेहमान आए तो पहली पुकार मचती है चाय-पानी की। अमेरिका के उत्तरी कैरोलाइना में इसी नाम का एक रेस्तरां है, चाय पानी। साल 2022 में James beard foundation awards में इसे अमेरिका का बेस्ट रेस्तरां चुना गया। यहां के menu पर नजर डालिए – मकई भेल, हरे आम की चाट, आलू टिक्की चाट, भेलपुरी, वड़ा पाव**...**। इस रेस्तरां को मिले पुरस्कार की खबर भारत पहुंची, तो सीना चौड़ा हो गया गर्व से, कि देखो हमारे देसी चीजों का स्वाद, जो सात समंदर पार वालों की जुबान पर भी चढ़ रहा है। खाने-पीने का मामला होता ही ऐसा है, केवल पेट तक सीमित नहीं रहता।

भूख मरती है और अभिमान जिंदा होता है। खाना बनाने वाले के लिए असली सफलता तभी है, जब वह खाने वाले के मुंह से 'वाह' निकलवा सके। दूसरों के मुंह से अपने खाने की तारीफ सुनकर ऐसा लगता है, जैसे वह हमारी सभ्यता, संस्कृति और हमारी विरासत को सराह रहा हो। आखिर खानपान की सभ्यता भी तो देश की सभ्यता के साथ ही विकसित होती आई है। इसी वजह से भारत की तमाम पहचानों में से एक पहचान हमारा खानपान भी है – विविधता से भरा, चटखारेदार, नमकीन लेकिन बराबर मीठा भी, मसालों से सजा हुआ। लेकिन, यहां एक बात बिना नोटिस में आए रह जाती है। जिन व्यंजनों पर दिल इतना इतराया, क्या वे पूरी तरह भारतीय हैं? टिक्की से लेकर सब्जियों तक, हर जगह मौजूद रहने वाला आलू भारत आया डच लोगों के साथ, करीब ढाई सौ साल पहले। टमाटर के स्वाद से पुर्तगालियों ने वाकिफ कराया और वैसे यह फसल है मेक्सिको की। भारतीय भोजन को तीखापन मिला मूल रूप से दक्षिण अमेरिका की पैदावार हरी मिर्च के चलते। आज इन तीनों की पैठ हर भारतीय रसोई में है। इनके अलावा एक और चीज जिस पर झूमने का मन करता है, वह है समोसा। लेकिन, यह भी पश्चिम एशिया में पैदा हुआ। भारत आया तो विभिन्न क्षेत्रों में जाकर इसका नाम बदला और बनाने का तरीका भी। भारत में ही हर जगह समोसे में आलू नहीं होता। हैदराबाद और गोवा में अंदर मीट मिल जाएगा। दिल्ली में पत्ता गोभी, गाजर और यहां तक कि नूडल्स वाला समोसा भी खाया जाता है। वैसे नूडल्स है चीन का। जिस रास्ते ये स्वाद भारत आए, उसी रास्ते भारतीय खानपान दूसरे देशों में पहुंचा। विदेशों में लोकप्रिय भारतीय व्यंजन सर्च कीजिए तो नाम हाजिर होता है चिकन बिरयानी, डोसा, दाल मखनी, पानी पुरी और चाट का। हमने अगर पश्चिम से आलू लिया, तो उसे कई दूसरे रूपों में ढालकर वापस भी कर दिया। टमाटर उधर से आया और इधर तैयार हुई शानदार करी। फिर यही करी ब्रिटेन में हिंदुस्तानी कुजीन की पहचान बन गई। यूं देखा जाए तो खाने की कोई भी कहानी मुकम्मल नहीं होती, जब तक उसमें दूसरी कहानी न जोड़ी जाए। यह बिल्कुल खाना बनाने जैसा ही है। अगर किसी सामग्री को नजरअंदाज किया, तो खाना खराब। भारत में तो देश के भीतर भी खाने की कई कहानियां हैं। उत्तर का स्वाद दक्षिण से जुदा है और पूरब का पश्चिम से। हर भारतीय को अपने लोकल खानपान पर उतना ही गर्व होता है, जितना कि सामूहिक रूप से भारत के खानपान पर। यह अंतर खत्म होता है थाली में पहुंचकर। वहां बस एक पहचान होती है, भारतीय और यही असली पहचान है।

देश दुनीया से

पर्यावरण और वन्यजीवों के क्षेत्र में महिलाओं का योगदान

इंसानों द्वारा फेंके गए गीले कचरे के साथ मिला हुआ प्लास्टिक और न गलने वाले ठोस कचरे (सॉलिड वेस्ट) का प्रदूषण एक विश्वव्यापी समस्या है। यह प्रदूषण गैर-विकसित और विकासशील देशों में कचरे के गैर-प्रबंधन के कारण न सिर्फ शहरों के इर्द गिर्द बल्कि धीरे-धीरे प्राकृतिक वनीय क्षेत्रों की ओर फैलता जा रहा है। कम अंतराल में यह एवरेस्ट की चोटी से लेकर मरियना ट्रेंच (समुद्र की सबसे गहरी खाई) तक तथा पृथ्वी के सबसे विषम इलाकों तक प्लास्टिक ने अपनी मौजूदगी दर्ज की है।

पीएचडी शोध के शुरुआती समय में मैं अपने फील्ड सहायक के साथ रामनगर शहर के किनारे स्थित कॉर्बेट राष्ट्रीय उद्यान के पास एक बड़े से कूड़े के ढेर पर मंडराते जानवरो पर अध्ययन कर रही थी, तभी हमने एक गाय को कूड़े के ढेर में से कुछ खाते हुए देखा। ध्यान से देखने पर पता चला कि सब्ज़ी के छिलकों को खाते समय एक इंजेक्शन की सुई गाय के मुंह में घुस गई है और वह दर्द से उसे छुड़ाने की कोशिश कर रही है। इस दृश्य ने मुझे हिंदी की प्रसिद्ध लेखिका महादेवी वर्मा की कहानी याद दिला दी जिसमे एक ग्वाले ने अपने स्वार्थ के लिए उनकी प्यारी पालतू गाय गौरा को धोखे से चारे में सुई मिला के खिला दी थी जिससे उसकी मृत्यु हो जाती है। इंसानों द्वारा फेंके गए गीले कचरे के साथ मिला हुआ प्लास्टिक और न गलने वाले ठोस कचरे (सॉलिड वेस्ट) का प्रदूषण एक विश्वव्यापी समस्या है। यह प्रदूषण गैर-विकसित और विकासशील देशों में कचरे के गैर-प्रबंधन के कारण न सिर्फ शहरों के इर्द गिर्द बल्कि धीरे-धीरे प्राकृतिक वनीय क्षेत्रों की ओर फैलता जा रहा है। कम अंतराल में यह एवरेस्ट की चोटी से लेकर मरियना ट्रेंच (समुद्र की सबसे गहरी खाई) तक तथा पृथ्वी के सबसे विषम इलाकों तक प्लास्टिक ने अपनी मौजूदगी

दर्ज की है। प्लास्टिक जल और स्थल में पर्यावरण कारकों के प्रभाव से धीरे-धीरे टूटता है जो मुख्यतः तीन आकार में देखा जाता है - मैक्रोप्लास्टिक (> 5 मिलीमीटर), माइक्रोप्लास्टिक (1-5 मिलीमीटर) और नैनोप्लास्टिक (< 1 माइक्रोमीटर)। दक्षिण ध्रुव (अंटार्टिका) में हुई एक बर्फ़बारी में और वहां पाए जाने वाली पेंगुइन्स के गुआनो (मल) में भी माइक्रोप्लास्टिक कण पाए गए हैं। उसी तरह उत्तरी ध्रुव (आर्कटिक) में पाए जाने वाले आर्कटिक लोमड़ी (आर्कटिक फॉक्स) के मल से लेकर गहरे समुद्र के कोरल्स (शैवाल) तक इसका प्रसार है। यह समस्या इतनी संजीदा है कि हाल ही में मनुष्य के खून, फेफड़ों और गर्भवती महिला में शिशु की नाल में भी माइक्रोप्लास्टिकस पाए गए हैं। समृद्र और स्थल के तलछट (सेडीमेंट) नमूनों में प्लास्टिक की सर्वव्यापी उपस्थिति ने शोधकर्ताओं को इसे एंथ्रोपोसीन (मानव-प्रेरित पर्यावरणीय परिवर्तन का दौर) का संकेतक मानने पर मजबूर कर दिया है। प्लास्टिक प्रदूषण के स्थलीय जंगली जानवरों पर होने वाले संभावित दुष्प्रभावों पर मैंने वर्ष 2015 में शोध कार्य शुरू किया। यह दक्षिण एशिया में इस विषय पर किया गया पहला व्यवस्थित वैज्ञानिक शोध है। मैंने इस प्लास्टिक प्रोजेक्ट की शुरुआत देहरादून स्थित गैर-सरकारी संस्था "नेचर साइंस इनिशिएटिव" के साथ कुमाऊं में नैनीताल में बेस एक छोटे से गांव से की जो नैनादेवी कन्सरवेशन रिजर्व के अंतर्गत आता है, वहां मैंने कूड़े के ढेर पर कैमरा ट्रैप लगाकर और जानवरों के व्यवहार का अवलोकन करके पहली बार जाना की कई जंगली जानवर जैसे पाम सिवेट, स्याही, कस्तूरा (ब्लू व्हिसलिंग थ्रश) और अंतर्राष्ट्रीय प्रकृति संरक्षण संघ (आईयूसीएॅन) की लाल सूची में आने वाले प्रजाती जैसे चितराला (येलो-थ्रोटेड मार्टेन) और सांबर, मनुष्यों द्वारा आमतौर पर प्लास्टिक की थैली (जिसे हमने प्लास्टिक बम का नाम भी दिया है) में फेंके गए गीले कचरे के साथ मिले प्लास्टिक के टुकड़ों को भी अनजाने में खा जाते हैं। इन जानवरों के कूड़े पर खाने के व्यवहार के प्रकार का अध्ययन करके तीन श्रेणियों में पहचाना गया है जो विशेषतः तीन प्रकार से प्लास्टिक निगलते हैं - पहला हैंडलर - जो कि प्लास्टिक को खाने योग्य कचरे से अलग कर सकते हैं, जैसे बन्दर, दूसरा पैकेर - खासकर पक्षी जो चुन-चुन करके प्लास्टिक को गीले कचरे से अलग करते हैं और तीसरा गल्पर - जो प्लास्टिक को गीले कचरे से अलग नहीं कर पाते और कचरे के साथ प्लास्टिक निगल जाते हैं जैसे सांभर हिरन। नैनीताल में किए गए प्लास्टिक प्रोजेक्ट के गंभीर परिणामों ने मुझे अशांत कर गहरी सोच में डाल दिया, जिससे प्रेरित होकर मैंने प्लास्टिक प्रदूषण के ऊपर शोध करने के लिए 2016 में जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी के पीएचडी प्रोग्राम में प्रवेश लिया। कॉर्बेट जो भारत के विशेष राष्टीय उद्यानों में से एक है, वहां इस महत्वपूर्ण विषय पर कार्य करने के लिए रिसर्च परमिट न मिल पाने के कारन मेरी पीएचडी का काम लगभग रुक सा गया था और यह पल बहुत कष्टदायी रहा।

आप का नजरीया

हड़ताल से रैगिंग तक डाक्टर

या तो यहां नक्शा बड़ा था, या हमने उसे पढ़ा नहीं। हिमाचल में जो डाक्टर बन गए, वे हड़ताल के सुपुर्द हैं और जो बन रहे हैं, उनकी गलियों में कीचड़ भरा है। शुरू डाक्टरों की हड़ताल से करें या नाहन मेडिकल कालेज के ब्लैक बोर्ड पर रैगिंग का पाठ पढ़ें। दोनों ही परिस्थितियों में गुणात्मक दृष्टि से ये उदाहरण असहज करते हैं। नाहन के मेडिकल कालेज ने ऐसे प्रशिक्षु डाक्टर बना दिए जिन्होंने गंभीर पाठ्यक्रम से रैगिंग का विषय चुरा लिया। जूनियर डाक्टरों के साथ व्यावहारिक तौर पर जो हुआ, उसके कारण भले ही नौ प्रशिक्षु डाक्टरों पर त्वरित कार्रवाई हुई, लेकिन सवाल यह कि हम काचरू कांड के बाद भी शिक्षण संस्थानों को इस तरह की बेहूदगी से सुरक्षित नहीं रख पाए। इसके कारणों को समझने के लिए जांच केवल घटनाक्रम पर अटक जाती है, जबकि उन फैसलों पर तवज्जो देनी चाहिए जो सत्ता के दम पर संस्थानों और सियासी चबूतरों में अंतर नहीं समझती। नाहन मेडिकल कालेज का निर्माण और अस्तित्व दोनों ही शहर की तंग गलियों में फंसे हैं। जहां शायद एक बेहतरीन अस्पताल भी अपने पांव पसारने से गुरेज करता, वहां मेडिकल कालेज की दीवारें अपने ही अस्तित्व से द्वंद्व कर रही हैं। यह राजनीतिक सोच की दुर्घटना क्यों न मानी जाए कि अब हर क्षेत्रवाद की उपज से संस्थान बर्बाद हो रहे हैं। प्रदेश अब न समग्रता से गतिशील है और न ही प्रगतिशील है, बल्कि ऐसे संस्थानों को चरागाह बनाया जा रहा है। यहां भारतीय होटल प्रबंधन संस्थान की स्थापना किसी पर्यटन स्थल पर नहीं होती, जबकि कृषि उत्पादक क्षेत्रों से दूर कहीं कृषि विश्वविद्यालय की स्थापना होती है। इसी तरह जब निजी विश्वविद्यालयों के लिए दरवाजे खुले तो एक ही पंचायत क्षेत्र में आधा दर्जन खुल गए। सोलन को बनाने तो चले थे शिक्षा का हब, लेकिन राजनीतिक प्राथमिकताओं ने शिक्षा के परचे ही फाड़ दिए। नतीजतन कई शटर बंद होने के कगार पर हैं। यही द्वंद्व केंद्रीय विश्वविद्यालय के परिसर और परिचय को लेकर अगर धूमल सरकार के दौर से शुरू हुआ, तो सुक्खू सरकार आने तक भी प्रश्नांकित है। हमने शिक्षा को राजनीतिक प्रतिस्पर्धा के ताने बाने में फंसा कर छात्रों के वास्तविक करियर को ही लावारिस बना दिया। अब हर कालेज को स्नातकोत्तर बनाने की होड़ में उपलब्धियां तो रैगिंग सरीखी ही होंगी। आश्चर्य यह कि कांगड़ा के थुरल जैसे कालेज की जमीन पर बाढ़ का कब्जा हो जाता है, तो मटौर का सारा कालेज सडक़ पर क्लास लगाता है। शिक्षा में करियर की तलाश के लिए हमारे पास अगर संस्थान नहीं होंगे, तो इन परिसरों की अनिश्चितता छात्रों को असंवेदनशील ही बनाएगी। हिमाचल में पहले निजी विश्वविद्यालयों के अलावा डेढ़ दर्जन इंजीनियरिंग कालेजों ने छात्रों से तौबा की, तो अब मेडिकल कालेजों से हर साल आठ सौ के करीब तैयार होने वाले डाक्टर आखिर कहां जाएंगे। जीने और आगे बढने की प्रतिस्पर्धा का मूल्यांकन अगर नाहन मेडिकल कालेज में करें, तो हिमाचल का सूचकांक समझ आ जाएगा और अगर डाक्टरों के प्रोफेशन को अस्पतालों में पसरे संघर्ष के माहौल में देखें तो अस्थिरता के मजमून समझ आएंगे।

खालिस्तानी आतंकी हरदीप निज्जर की हत्या का वीडियो आया सामने, इसी मामले में बिगड़े भारत-कनाडा के संबंध

ओंटारियो ।
खालिस्तानी आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की बीते साल जून में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। अब निज्जर की हत्या का कथित वीडियो सामने आया है। इस वीडियो में हमलावर, निज्जर को गोली मारकर भागते नजर आ रहे हैं। निज्जर की हत्या को लेकर भारत और कनाडा के संबंधों में खटास आ गई थी और दोनों देशों के बीच यह मामला विवाद की वजह बन गया था।

क्या है वीडियो में

कनाडा के सरे में गुरु नानक सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के तत्कालीन अध्यक्ष हरदीप सिंह निज्जर की अज्ञात हमलावरों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। जो वीडियो सामने आया है, उसमें दिख रहा है कि घटना वाले दिन हरदीप सिंह निज्जर अपने पिकअप ट्रक से गुरुद्वारे की पार्किंग से निकला और जैसे ही बाहर निकला तो अचानक से उसकी कार के आगे सफेद रंग की सेडान कार आकर रुकी, जिसमें से दो लोग बाहर आए और हरदीप सिंह निज्जर पर फायरिंग कर दी। वीडियो, कनाडा के एक मीडिया हाउस ने जारी की है, जो कि वायरल हो रही है।निज्जर को गोली मारने के बाद हमलावर सिल्वर रंग की टोयोटा कैमरी कार से फरार हो गए। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, जिस जगह निज्जर को गोली मारी गई, वहां कुछ दूरी पर दो युवक फुटबॉल खेल रहे थे, जैसे ही उन्होंने गोली की आवाज सुनी तो वे मौके पर पहुंचे। एक चश्मदीद युवक ने बताया कि वह निज्जर की मदद के लिए उसके पास पहुंचा और दूसरे युवक ने हमलावरों का पीछा करने की कोशिश की। चश्मदीद ने बताया कि जिस गाड़ी से हमलावर फरार हुए थे, उस कार में पहले से ही तीन लोग सवार थे।

निज्जर की हत्या को लेकर बिगड़ गए थे भारत-कनाडा के संबंध

हरदीप सिंह निज्जर की हत्या को नौ महीने का समय बीत चुका है, लेकिन अभी तक रॉयल कनैडियन माउंटेड पुलिस संदिग्धों के नाम का खुलासा भी नहीं कर सकी है और न ही इस मामले में कोई गिरफ्तारी हुई है। हरदीप सिंह निज्जर की हत्या को लेकर कनाडा के पीएम ने आरोप लगाए थे कि हत्याकांड में भारत सरकार का हाथ है। कनाडा के पीएम के आरोपों से भारत-कनाडा के संबंध बिगड़ गए थे। कनाडा के आरोपों को भारत ने बेतुका बताकर खारिज कर दिया था। भारतीय विदेश मंत्रालय ने कहा है कि अभी तक कनाडा की तरफ से निज्जर की हत्या को लेकर कोई सबूत नहीं दिए हैं।

न्यूज ब्रीफ

भारत से संबंध और शहबाज शरीफ की विदेश नीति पर रहेंगी नजरें, इशाक डार बन सकते हैं विदेश मंत्री

इस्लामाबाद । पाकिस्तान में प्रधानमंत्री पद की खींचतान खत्म हो गई है। गठबंधन की मदद से पीएमएलएन के वरिष्ठ नेता शहबाज शरीफ ने प्रधानमंत्री पद संभाल लिया है। अब उम्मीद है कि पूर्व वित्त मंत्री इसाक डार पाकिस्तान के विदेश मंत्री का पद संभाल सकते हैं। शरीफ मंत्रिमंडल के विस्तार पर ध्यान केंदित कर रहे हैं। पाकिस्तानी मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, पूर्व कार्यवाहक मंत्री और पूर्व विदेश सचिव जलील अब्बास जिलानी विदेश मामलों पर प्रधानमंत्री के सलाहकार के रूप में काम करेंगे। वहीं, पूर्व राजनयिक और पीएमएलएन नेता तारिक फातेमी विशेष सहायक के रूप में पदभार ग्रहण करेंगे। एक बैठक में जिलानी ने प्रधानमंत्री को कार्यवाहक व्यवस्था के दौरान विभिन्न विदेशी मामलों की जानकारी दी। वित्त मंत्री के रूप में डार की काफी आलोचना मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, वित्त मंत्री के तौर पर डार की काफी आलोचना हुई। पाकिस्तान में आए आर्थिक संकट के कारण उनका काफी विरोध हुआ। कहा जाता है कि आईएमएफ की चिंताओं को नजरअंदाज करने के कारण पाकिस्तान की वित्तीय हालत खराब हुई है। शुरुआत में अंदरखाने चर्चाएं थीं कि उन्हें संसद के ऊपरी सदन सीनेट का अध्यक्ष बनाया जा सकता है लेकिन पीपीपी के साथ गठबंधन के बाद सीनेट अध्यक्ष बनाए जाने की चर्चाएं खत्म हो गईं। दरअसल, गठबंधन के कारण सीनेट अध्यक्ष का पद पीपीपी की झोली में डालने के लिए पीएमएलएन सहमत हो गई। भारत के साथ मधुर संबंध सम्मान और समानता पर होगा आधारित विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता मुमताज जहरा बलोच ने कहा कि जैसा कि आप जानते हैं कि अभी मंत्रिमंडल का गठन नहीं हुआ है और मंत्रिमंडल के गठन होने के बाद ही विदेशी नीति पर चर्चा की जाएगी। नए मंत्रिमंडल के बाद ही पड़ोसियों सहित अन्य देशों के साथ पाकिस्तान के संबंधों पर जोर दिया जाएगा। तब हम बेहतर स्थिति में होंगे। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान भारत सहित अपने सभी पड़ोसियों के साथ अच्छे संबंध बनाए रखना चाहता है लेकिन यह संबंध सम्मान और समानता पर आधारित होने चाहिए।

यात्री ने गुड-लक के लिए हवाई जहाज के इंजन में फेंका सिक्का, चार घंटे के लिए रोकनी पड़ी उड़ान

बीजिंग । सान्या से बीजिंग के लिए चाइना सदर्न एयरलाइंस की उड़ान छह मार्च को यात्रियों के लिए निराशाजनक साबित हुई। दरअसल, चाइना सदर्न एयरलाइंस सुबह के 10 बजे उड़ान भरने वाला था, लेकिन एक असामान्य घटना के कारण यात्रियों को चार घंटे तक इंतजार करना पड़ा। एक यात्री ने हवाई जहाज के इंजन में ही सिक्का फेंक दिया था। हवाई जहाज के इंजन में यात्री ने फेंका सिक्का चीनी मीडिया के अनुसार, लंबे इंतजार के बाद देरी की वजह सामने आई। इस घटना से जुड़े एक वीडियो के अनुसार, हवाई जहाज के इंजन में सिक्का फेंकने वाले यात्री से फ्लाइट अटेंडेंट को पूछताछ करते हुए देखा गया। यात्री की इस अंधविश्वास के कारण अन्य लोगों को असुविधा का सामना करना पड़ा। स्थानीय समयानुसार फ्लाइट दोपहर के 2: 16 बजे तक रवाना नहीं हो पाई। हालांकि, जांच के दौरान सुरक्षाकर्मियों ने सिक्का ढूंढ निकाला। उन्होंने सिक्कों की संख्या का खुलासा नहीं किया। इस घटना पर चाइना सदर्न एयरलाइंस ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर इस घटना को असभ्य व्यवहार बताया है।

हम घरेलू राजनीति में हस्तक्षेप नहीं करते', ऑडिट कराए जाने वाली इमरान खान की इस मांग को आईएमएफ ने नकारा

इस्लामाबाद । पाकिस्तान की राजनीति में सत्ता का संघर्ष अब भी देखने को मिल रहा है। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने चुनाव धांधली की शिकायत अमेरिका से लेकर आईएमएफ तक से की। इस बीच, अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने जेल में बंद खान के अनुरोध को खारिज कर दिया है। खान ने आरोप लगाया था कि आम चुनावों में धांधली हुई है और आर्थिक सहायता उपलब्ध कराए जाने से पहले ऑडिट किया जाए, जिससे सहायता राशि का निजी लाभ के लिए दुरुपयोग न किया जा सके। उन्होंने आईएमएफ से आग्रह किया था कि इस्लामाबाद के साथ कोई भी नया सौदा कराए जाने से पहले चुनाव परिणामों की गहन जांच कराई जाए। आग्रह खारिज करते हुए आईएमएफ ने की यह टिप्पणी आईएमएफ प्रवक्ता ने कहा कि हमें खान की ओर से भेजा गया पत्र प्राप्त हो गया है लेकिन चुनाव ऑडिट की मांग को खारिज किया जाता है। आईएमएफ के संचार विभाग के निदेशक जूली कोजैक ने कहा कि आईएमएफ घरेलू राजनीति पर हस्तक्षेप नहीं करता है।

मालदीव के पूर्व राष्ट्रपति बोले- भारतीय टूरिस्ट हमारे यहां आएं

भारत के साथ विवाद से हम पर असर हुआ, इसके लिए माफी मांगते हैं

माले।
दिल्ली पहुंचे मालदीव के पूर्व राष्ट्रपति मोहम्मद नशीद ने भारत और मालदीव के रिश्तों पर चिंता जताई है। उन्होंने मालदीव के लोगों की तरफ से माफी भी मांगी है।

मोहम्मद नशीद ने कहा-भारत और मालदीव के बीच तनाव से मालदीव पर असर हुआ है। मैं इसे लेकर बहुत चिंतित हूं। मैं कहना चाहता हूं कि मालदीव के लोगों को खेद है। हमें खेद है कि ऐसा हुआ। हम चाहते हैं कि भारतीय लोग अपनी छुट्टियों पर मालदीव आएं। हमारी मेहमान-नवाजी में कोई बदलाव नहीं होगा।

बॉयकाटमालदीव ट्रेंड का जिक्र किया

7 जनवरी के बाद से भारत में हैशटैग बॉयकाटमालदीव ट्रेंड हुआ। पूर्व राष्ट्रपति मोहम्मद नशीद ने इसका जिक्र करते हुए माफी मांगी और भारतीयों से मालदीव आने के लिए कहा।

दरअसल, पीएम मोदी ने लक्षद्वीप दौरे का एक वीडियो शेयर किया था। इसमें खूबसूरती के लिहाज से लक्षद्वीप अब मालदीव को टक्कर देता नजर आया। इसके बाद सोशल मीडिया पर लोग कहने लगे कि लाखों रुपए खर्च कर मालदीव जाने से बेहतर है कि लक्षद्वीप जाएं।

इससे मालदीव के मंत्री और नेता नाराज नजर आए। उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट में पीएम मोदी के लिए आपत्तिजनक शब्दों का इस्तेमाल किया। साथ ही कहा कि भारत सर्विस के मामले में मालदीव का मुकाबला नहीं कर सकता।

मोहम्मद नशीद ने इस पोस्ट की निंदा करते हुए कहा था कि ये मालदीव की सुरक्षा और समृद्धि को खतरे में डाल सकता है।

एक नेता ने लिखा था- वहां सफाई नहीं, कमरों से बदबू आती है

सोशल मीडिया पर एक यूजर ने पीएम मोदी का लक्षद्वीप वाला वीडियो शेयर करते हुए लिखा था- बढ़िया कदम है! यह मालदीव की नई सरकार के लिए एक बड़ा झटका है, जो चीन की कठपुतली है। इस दौरे के बाद लक्षद्वीप में पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा।

इसके जवाब में पीपीएम के नेता जाहिद रमीज ने लिखा था- बेशक यह अच्छा कदम है, लेकिन भारत कभी हमारी बराबरी नहीं कर सकता। मालदीव पर्यटकों को जो सर्विस देता है, वो भारत कैसे देगा। वो इतनी सफाई कैसे रख पाएंगे, जितनी हम रखते हैं। उनके कमरों में आने वाली बदबू टूरिस्टों के लिए सबसे बड़ी दिक्कत होगी।

मालदीव के टूरिज्म एसोसिएशन ने कहा था-

भारतीय हमारे भाई-बहन

भारत के साथ विवाद के बीच ईज माय ट्रिप कंपनी ने मालदीव की टिकिट बुक करना बंद कर दिया था। इसके बाद मालदीव की टूरिज्म बॉडी ने मालदीव की यात्रा के लिए फिर से फ्लाइट बुकिंग शुरू करने की अपील की थी। कहा था- भारतीय हमारे लिए भाई-बहन जैसे हैं। हम ईज माय ट्रिप से अपील करते हैं कि वो भारत को लेकर दिए गए आपत्तिजनक बयान पर ध्यान न दें। यह बयान मालदीव के लोगों की भावनाओं को नहीं दर्शाता है। हम इसके लिए माफी मांगते हैं।

राष्ट्रपति मुइज्जू ने कहा था- मालदीव में ज्यादा से ज्यादा पर्यटक भेजे चीन

मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जु चीन से अपने पर्यटकों की संख्या बढ़ाने की अपील कर चुके हैं। मुइज्जू ने कहा था- चीन हमारा खास सहयोगी और डेपलपमेंट पार्टनर है। हम चाहते हैं कि यहां के ज्यादा टूरिस्ट मालदीव आएं। दोनों देशों के बीच हिंद महासागर में टूरिज्म सेक्टर को बढ़ावा देने के लिए 50 मिलियन डॉलर के समझौते भी हुए।

मैक्सिको की सीमा पर अमेरिका का नेशनल गार्ड हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त, दो की मौत

वॉशिंगटन । टेक्सास में अमेरिका-मैक्सिको की सीमा के पास नेशनल गार्ड हेलीकॉप्टर के दुर्टनाग्रस्त होने से उसमें मौजूद कम से कम दो लोगों की मौत हो गई। हेलीकॉप्टर में एक नेशनल गार्ड्समैन और तीन बॉर्डर पैट्रोल एजेंट मौजूद थे। स्थानीय मीडिया के अनुसार, यह हादसा सा ग्रुला में हुआ। मैक्सिकन कार्टेल के सदस्यों ने ड्रोन से देखा हादसा टेक्सास के नागरिक सुरक्षा विभाग के दक्षिण क्षेत्र के निदेशक विक्टर एस्केलॉन ने बताया कि बॉर्डर पेट्रोल के साथ काम करने वाले सैन्य हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त हुआ है। टेकसास नागरिक सुरक्षा विभाग ने हेलीकॉप्टर के ऑपरेशन लोन स्टार में शामिल नहीं होने की पुष्टि की है। बॉर्डर पेट्रोल के सूत्रों ने बताया कि हादसे के दौरान मैक्सिकन कार्टेल के सदस्यों ड्रोन की सहायता से हेलीकॉप्टर को क्रैश होते हुए देखा। सोशल मीडिया पर वायरल एक क्लिप में उन्हें अपने कैमरे को जूम करने के बाद हंसते हुए देखा गया। इसी साल 27 फरवरी को नेशनल गार्ड ने अपने एक बयान में बताया कि उनके लेफ्टिनेंट जनरल जॉन ए. जेनसेन ने हाल ही में दो हेलीकॉप्टर दुर्घटनाओं के बाद सुरक्षा नीतियों और प्रक्रियाओं की समीक्षा करने के लिए सभी सभी नेशनल गार्ड हेलीकॉप्टर इकाइयों की विमानन सुरक्षा को रोकने का आदेश दिया है। इससे पहले 23 फरवर को मिसिसिपी में एक प्रशिक्षण मिशन के दौरान एक सन्य हेलीकॉप्टर जंगली इलाके में दुर्घटनाग्रस्त हो गया गया था। इस हादसे में दो सैनिकों की मौत हो गई थी। यूटा में प्रशिक्षण के दौरान ही हेलीकॉप्टर दुर्घटाग्रस्त होने से दो पायलट घायल हो गए थे।

क्या बाइडन नेतन्याहू से नाराज

इजराइल-हमास युद्ध पांच महीने से जारी; सवाल सुन भड़के अमेरिकी राष्ट्रपति

वाशिंगटन ।
पश्चिम एशिया में इजराइल और हमास के बीच पांच महीने से अधिक समय से युद्ध जारी है। अब तक 30 हजार से अधिक लोग मारे जा चुके हैं। गाजा में गहराते मानवीय संकट पर संयुक्त राष्ट्र भी चिंता जाहिर कर चुका है। हिंसक संघर्ष में अमेरिका की भूमिका भी चर्चा में है। ताजा घटनाक्रम में इजराइल से जुड़े एक सवाल पर अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन अपना आपा खो बैठे। इस साल के अंत में होने वाले आम चुनावों से पहले इस बर्ताव को उनकी हताशा और निराशा के रूप में देखा जा रहा है।

दरअसल, स्टेट ऑफ द यूनियन को संबोधित करने के बाद बाइडन ने हाउस चैंबर में सीनेटर माइकल बेनेट और डी कोलो के साथ बात की। इस दौरान बेनेट ने उन्हें भाषण के लिए बधाई दी। बातचीत के दौरान विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन और परिवहन मंत्री पीट बटिगिएग भी मौजूद थे। इस दौरान बेनेट ने राष्ट्रपति बाइडन से गाजा में बढ़ती मानवीय चिंताओं पर नेतन्याहू पर दबाव डालने के लिए आग्रह किया। इसपर बाइडन ने कहा कि मैंने बीबी से कहा है। इसे मत दोहराओ। तभी पास खड़े राष्ट्रपति के सहयोगी ने उन्हें सचेत करते हुए धीरे से कहा कि कमरे के माइक्रोफोन चालू हैं। इस पर बाइडन ने कहा कि मैं यहां हॉट माइक पर हूं।

मीडिया को मजाकिया अंदाज में दिया जवाब

मीडिया ने उनसे पूछा कि आपको क्या लगता है कि नेतन्याहू को मानवीय पीड़ा कम करने के लिए प्रयास करना चाहिए। इस पर बाइडन ने मजाकिया अंदाज में कहा कि लगता है कि आप लोगों ने हमारी बातचीत सुन ली है। गौरतलब है कि बाइडन ने इजराइली सरकार से आग्रह किया कि हमास को खत्म करने के साथ-साथ गाजा के लोगों की पीड़ा पर भी ध्यान दिया जाए।

मानवीय सहायता एयरड्रॉप करते वक्त नहीं खुल पाए पैराशूट, नीचे खड़े लोगों के सिर पर गिरा पार्सल, पांच मौत

गाजा ।
इजराइल और हमास के बीच युद्ध जारी है। इस बीच, गाजा में एक हादसा हो गया, जिसमें पांच लोगों की मौत हो गई। दरअसल, गाजा में मानवीय सहायता एयरड्रॉप की गई। इस दौरान कुछ पैराशूट नहीं खुल पाए और एक पैलेट लोगों पर जा गिरा, जो सहायता की आस में नीचे खड़े थे। पांच लोगों की मौत के अलावा कई लोग घायल भी हुए हैं। गाजा के स्थानीय प्रशासन ने इसकी निंदा की है।

गाजा ने एक बयान जारी कर कहा कि हमने पहले ही चेतावनी दी थी कि गाजा पट्टी में एयरड्रॉप सुविधा नागरिकों के जीवन के लिए खतरनाक है। पैराशूट न खुल पाने के कारण पार्सल सीधा नागरिकों के सिर पर गिर गया। लापरवाही के कारण पांच लोगों की मौत हो गई। वहीं, कई लोग घायल भी हो गए हैं।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने हाल में ही लिया था फैसला

बता दें, अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने हाल ही में गाजा में मानवीय सहायता के लिए एयरड्रोप सुविधा शुरू करने की घोषणा की थी। एयरड्रोप सुविधा शुरू करने की घोषणा व्हाइट हाउस के ओवल ऑफिस में इटली के प्रधानमंत्री जियोर्जिया मेलोनी के साथ बैठक के दौरान हुई

थी। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, एयरड्रॉप का उद्देश्य गाजा में फल्सतीनी लोगों को आवश्यक मानवीय सहायता प्रदान करना है। गाजा में भोजन, दवा और पानी जैसी आवश्यक आपूर्ति के प्रवेश को सुनिश्चित करना था।

हमास और इजराइल के बीच युद्ध का यह है कारण

हमास ने कहा कि ये यरूशलम में अल-अक्सा मस्जिद को इजराइल की तरफ से अपवित्र करने का बदला है। हमास ने कहा कि इजराइली पुलिस ने अप्रैल 2023 में अल-अक्सा मस्जिद में ग्रेनेड फेंक इसे अपवित्र किया था। इजराइली सेना लगातार हमास के ठिकानों पर हमले कर रही है और अतिक्रमण कर रही है। इजराइली सेना हमारी महिलाओं पर हमले कर रही है। हमास के प्रवक्ता गाजी हमाद ने अरब देशों से अपील है कि इजराइल के साथ अपने सभी रिश्तों को तोड़ दें।

ईशनिंदा के आरोप में 22 वर्षीय छात्र को मौत की सजा, अपमानजनक वीडियो और तस्वीरों को शेयर करने का आरोप

कराची ।
पाकिस्तान में एक 22 वर्षीय छात्र को व्हाट्सएप के माध्यम से ईशनिंदा के आरोप में मौत की सजा सुनाई गई है। इस हफ्ते पंजाब प्रांत की एक अदालत ने यह फैसला सुनाया है। अदालत ने बताया कि पैगंबर मोहम्मद के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी करने वाले वीडियो और तस्वीरें शेयर करने की वजह से छात्र को मौत की सजा सुनाई गई है।

नाबालिग छात्र को मिली आजीवन कारावास की सजा

एक अन्य 17 वर्षीय छात्र को नाबालिग होने के कारण उसे आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई है। पाकिस्तान में ईशनिंदा के आरोप में मौत की सजा दी जाती है। हालांकि, राज्य में अभी तक इसके लिए किसी को भी फांसी नहीं दी गई है, लेकिन कई आरोपियों के भीड़ द्वारा पीट-पीटकर मार डालने की घटनाएं सामने आई है।

लाहौर में पाकिस्तान की संघीय जांच एजेंसी (एफआईए) की साइबर क्राइम इकाई ने 2022 में छात्र के खिलाफ शिकायत दर्ज की थी। शिकायतकर्ता ने बताया कि उसे तीन अलग-अलग मोबाइल नंबरों से वीडियो और तस्वीरें मिली थीं। एफआईए ने कहा कि शिकायतकर्ता के मोबाइल फोन की जांच करने के बाद उन्होंने पाया कि आपत्तिजनक सामग्री भेजी गई थी।

दोनों छात्रों को फर्जी मामले में फंसाने का दावा

दोनों छात्रों के वकील ने दावा किया कि उन्हें किसी फर्जी मामले में फंसाया जा रहा है। उनके वकील ने बताया कि मौत की सजा पाने वाले छात्र के पिता लाहौर हाई कोर्ट में अपील दायर करेंगे। पिछले साल अगस्त में दो ईसाई भाइयों द्वारा कुरान को अपवित्र करने का आरोप लगाया गया था,

जिसके बाद क्रोधित लोगों ने 80 ईसाइयों के घरों और 19 चर्चों में तोड़फोड़ की थी।

पाकिस्तान के सबसे हाई-प्रोफाइल मामलों में से एक में ईसाई महिला आसिया बीबी पर ईशनिंदा का मामला करीब एक दशक तक चला, जिसमें उसकी मौत की सजा को पलट दिया गया था। हालांकि, इसके बाद उसे देश छोड़कर भागना पड़ा।

इमरान समर्थित उम्मीदवार ने की राष्ट्रपति चुनाव स्थगित करने की मांग; ईसीपी को लिखे पत्र में दी यह दलील

इस्लामाबाद ।
पाकिस्तान में राष्ट्रपति पद के लिए होने वाले चुनाव को लेकर सियासत जारी है। इस बीच, देश के पूर्व पीएम इमरान खान द्वारा समर्थित प्रत्याशी महमूद खान अचकजई ने राष्ट्रपति चुनाव को स्थगित करने की मांग की है। उन्होंने आरक्षित सीटों के खाली रहने का हवाला देते हुए अपनी दलील दी कि राष्ट्रपति पद के लिए होने वाले चुनाव का निर्वाचक मंडल अभी अधूरा है ऐसे में चुनाव को फिलहाल स्थगित करना चाहिए।

गौरतलब है कि इमरान खान ने पश्तून ख्वा मिल्ली अवामी पार्टी के प्रमुख महमूद खान अचकजई को अपना समर्थन देकर चुनावी मैदान में उतारा है। 75 साल के अचकजई पाकिस्तान पीपल्स पार्टी के वरिष्ठ नेता आसिफ अली जरदारी के खिलाफ चुनाव लड़ेंगे। मतदान संसद और प्रांतीय विधानसभाओं की इमारतों में सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक बिना किसी रुकावट के शुरू होगा।

जानकारी के मुताबिक, अचकजई ने पाकिस्तान के चुनाव आयोग (ईसीपी) को इस बाबत एक पत्र लिखा है। इसमें बताया गया कि राष्ट्रीय और प्रांतीय विधानसभाओं में कुछ आरक्षित सीटें थीं जो खाली अभी भी खाली हैं। ऐसे में अगर राष्ट्रपति चुनाव निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार होता है तो इसमें उन वोटों का प्रतिनिधित्व नहीं होगा, जो मौलिक अधिकारों, कानून और संविधान के खिलाफ है। पत्र में यह भी कहा गया है कि निर्वाचक मंडल का पूरा होना तब तक संभव नहीं है जब तक कि आरक्षित सीटों के सदस्यों का चुनाव नहीं हो जाता। हालांकि, ईसीपी ने पीटीआई समर्थित स्वतंत्र रूप से निर्वाचित सदस्यों के इसमें शामिल होने के बाद आरक्षित सीटों में अपने हिस्से के लिए सुन्नी इत्तेहाद परिषद की याचिका को खारिज करने के बाद पहले ही सभी आरक्षित सीटें विभिन्न पार्टियों को आवंटित कर दी हैं।

पीटीआई समर्थित है एसआईसी

जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पार्टी चुनाव चिह्न क्रिकेट बैट का आवंटन नहीं होने के कारण चुनाव में सीधे तौर पर भाग नहीं ले सकी थी। इसकी वजह से उसने निर्दलीय के तौर पर चुनाव लड़ा था। जीत हासिल करने के बाद निर्दलीय प्रत्याशी सुन्नी इत्तेहाद काउंसिल में शामिल हो गए। बता दें, सुन्नी इत्तेहाद परिषद मुस्लिम बहुल देश में इस्लामी राजनीतिक और धार्मिक दलों का गठबंधन है, जो सुन्नी अनुयायियों का प्रतिनिधित्व करता है।

दरअसल, पीटीआई समर्थित निर्दलीय उम्मीदवारों ने चुनाव में सबसे ज्यादा सीटें अपने नाम की थीं, लेकिन वे बहुमत के आंकड़े को नहीं छू पाए थे। इस वजह से पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएलएन) और पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) ने घोषणा कर दी थी कि वे गठबंधन सरकार बनाएंगे।

कैसे रहे थे संसदीय चुनाव परिणाम

चुनावों में जेल में बंद इमरान खान की पीटीआई पार्टी की ओर से समर्थित उम्मीदवारों समेत कुल 93 निर्दलीय प्रत्याशियों ने नेशनल असेंबली की सीटें जीतीं। पीएमएल-एन ने 75 सीटें जीतीं, जबकि पीपीपी 54 सीटों के साथ तीसरे स्थान पर रही। मुत्ताहिदा कौमी मूवमेंट पाकिस्तान (एमक्यूएम-पी) ने भी 17 सीटों पर जीत दर्ज की।

गरीब और वंचितों की हितरक्षक है मोदी सरकार : आर्य

धौलपुर (हिंस)। भारतीय जनता पार्टी एससी मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष लाल सिंह आर्य शनिवार को धौलपुर जिले के प्रवास पर रहे। अपने प्रवास के दौरान आर्य ने भाजपा कार्यकर्ताओं की बैठक ली तथा पार्टी के संकल्प पत्र के लिए सुझाव भी मांगे। भाजपा कार्यालय पर जिला अध्यक्ष सत्येंद्र पाराशर की अध्यक्षता में कार्यकर्ताओं की बैठक बुलाई गई। बैठक में आर्य ने कहा कि वर्तमान में भाजपा सरकार ही वास्तव में गरीब, शोषित और वंचितों की हितरक्षक है। जिसका नेतृत्व प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कर रहे हैं। कांग्रेस सरकार ने सिर्फ और सिर्फ वोट बैंक बनाकर रखा। देश का शोषित वर्ग अपने अधिकारों के लिए जूझता रहा,लेकिन किसी ने उसके दर्द को महसूस नहीं किया। आज एससी समुदाय के विकास के लिए मोदी की गारंटी संजीवनी बूटी का काम कर रही है। अध्यक्षता करते हुए भाजपा जिला अध्यक्ष सत्येंद्र पाराशर ने कहा कि मोदी जी की जनकल्याणकारी योजनाओं की दम पर राजस्थान में पिछले दो लोकसभा चुनावों में सभी 25 की 25 सीटें जीते हैं।

राष्ट्रीय महिला आयोग की पूर्व अध्यक्ष ने मोदी की पुरानी गारंटियों का मांगा हिसाब

उदयपुर (हिंस)। कांग्रेस की वरिष्ठ नेता पूर्व सांसद व राष्ट्रीय महिला आयोग की पूर्व अध्यक्ष डॉ. गिरिजा व्यास ने पीएम मोदी से उनकी पुरानी गारंटियों का हिसाब मांगते हुए कहा है कि जब तक कोई गारंटी कानून के रूप में सामने नहीं आ जाती तब तक वह सिर्फ एक वादा ही है। डॉ. व्यास लंबे समय बाद शनिवार को मीडिया से मुखातिब थीं। उन्होंने पिछले दिनों दक्षिणी राजस्थान के वागड़ क्षेत्र में कांग्रेस नेता राहुल गांधी की न्याय यात्रा के परिप्रेक्ष्य में कहा कि राहुल गांधी युवाओं के लिए किए जा रहे अपने वादों को कानून बनाने की बात कह रहे हैं और वादों को पूरा करने का सही तरीका भी कानून बनाना ही है। उन्होंने खाद्य सुरक्षा कानून का जिक्र करते हुए कहा कि जब यह कानून पास हो रहा था तब तबीयत खराब होने के बावजूद सोनिया गांधी सदन में उपस्थित रहीं, क्योंकि कांग्रेस का हमेशा से मानना है कि जनता को जो भी लाभ देना है उसे कानूनी अमलीजामा पहनाना चाहिए। डॉ. व्यास ने कहा कि राहुल गांधी ने पूरे देश में खाली पड़े 30

लाख पदों को भरने के लिए कानून लाने की बात कही है। अग्निवीर योजना को आड़े हाथों लेते हुए डॉ. व्यास ने कहा कि राहुल गांधी ने पहली ही नौकरी के पक्की होने की बात कही है। स्टार्ट अप को पांच साल तक लोन, बेरोजगार को नौकरी मिलने तक भत्ता अनिवार्य करने के लिए कानून लाया जाएगा। डॉ. व्यास ने राहुल गांधी की इन सभी बातों का जिक्र करते हुए पीएम मोदी से सवाल किया कि उन्होंने सभी के खाते में जो पैसे डालने की गारंटी दी थी उसका क्या हुआ, नोटबंदी से कालाधन खत्म करने की बात कही थी उसका क्या हुआ, किसानों को एमएसपी की गारंटी दी थी उसका क्या हुआ। डॉ. व्यास ने आरोप लगाया कि पीएम मोदी सिर्फ जुबानी गारंटी दे रहे हैं। लंबे समय बाद मीडिया से मुखातिब होने पर जब मीडिया ने सवाल किया कि क्या वे लोकसभा में चित्तौड़ या राजसमंद सीट से दावेदारी करने का विचार रखती हैं, तब उन्होंने साफ इनकार करते हुए कहा कि उन्होंने चुनाव लड़ना छोड़ दिया है। वरिष्ठ होते नेताओं को आने वाले युवाओं के लिए जगह छोड़नी चाहिए। वागड़ क्षेत्र के ही कांग्रेस के कद्दावर नेता और पूर्व कैबिनेट मंत्री महेन्द्रजीत सिंह मालवीया के भाजपा में चले जाने पर उन्होंने कहा कि कोई ट्रेन का कम्पार्टमेंट बदलना चाहे तो कौन रोक सकता है। मालवीया द्वारा कांग्रेस छोड़ने के पीछे कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं द्वारा राम मंदिर पर रुख को कारण बताए जाने के सवाल पर डॉ. व्यास ने पीएम मोदी पर फिर पलटवार करते हुए कहा कि मोदी ने यहां भी राजनीति की है। डॉ. व्यास ने सवाल उठाया कि क्यों राष्ट्रपति से मंदिर का उद्घाटन नहीं कराया गया, क्या वे आदिवासी हैं इसलिए उनसे उद्घाटन नहीं करवाया गया। उदयपुर कांग्रेस में चल रही अंतर्कलह पर उन्होंने कहा कि वे इस पर कुछ नहीं कहना चाहतीं, हालांकि उन्होंने यह जरूर कहा कि अकेले में रो लेती हूं। पार्टी बदलने के विचार पर उन्होंने कहा कि मेरे खून का रंग लाल नहीं तिरंगा है और तिरंगा ही रहेगा।

महिला ने साथियों के साथ मिलकर दुकान और मकान पर किया कब्जा, 50 लाख मांगे

फतेहाबाद (हिंस)। टोहाना में एक महिला द्वारा अपने कुछ साथियों के साथ मिलकर एक मकान व दुकान पर कब्जा करके 50 लाख की डिमांड करने और सारा सामान चोरी करने का मामला सामने आया है। इस बारे में पीड़ित व्यक्ति ने पुलिस को शिकायत दर्ज करवाई है। पुलिस को दी शिकायत में टोहाना निवासी अशोक कुमार ने कहा है कि उसका गीता कॉलोनी में मकान है और मकान के आगे भूना रोड पर दो दुकानें हैं, जो कि वक्फ बोर्ड की प्रॉपर्टी है। उसने कहा कि 7 फरवरी को अपने पिता के इलाज को लेकर बाहर गया हुआ था। 10 फरवरी को उसके पड़ोसी ने उन्हें सूचना दी कि सुमन जाटनी ने अपने साथियों के साथ मिलकर रात को उसके घर का ताला तोड़कर ट्रैक्टर-ट्राली में लादकर घर व दुकान का सारा सामान चोरी कर ले गए हैं और उसके मकान पर नाजायज तरीके से कब्जा कर लिया है। सूचना मिलते ही वह टोहाना आया तो बराड़ चौक पर अंकित, कमल व बलविन्द्र मिस्त्री निवासी चंदड़ कलां गाड़ी में आए और उसे व उसके पिता को धमकाते हुए कहा कि उसके मकान पर सुमन जाटनी ने कब्जा कर लिया। अगर मकान व सामान को छुड़वाना है तो 50 लाख रुपए देने होंगे। इसके बाद जब वह घर पहुंचा तो देखा कि मकान के ताले टूटे हुए थे और सारा सामान गायब था। वहां मौजूद अंकित, कमल, बलविन्द्र, सुमन जाटनी व प्रहलाद उर्फ खली बली ने उसे धमकाना शुरू कर दिया। वह बड़ी मुश्किल से अपने को छुड़वाकर वहां से आया। पहले पिता के उपचार के चलते पुलिस को शिकायत नहीं कर पाया था। अब उसने इस बारे पुलिस को सूचना दी। इस मामले में पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

फरीदाबाद के यंगेस्ट साइंटिस्ट जाएंगे नासा, चंद्रयान रॉबर प्रोजेक्ट का देंगे प्रजेंटेंशन

फरीदाबाद (हिंस)। फरीदाबाद में रह रहे बिहार के भागलपुर जिले के छोटे से गांव धूर्वगंज के रहने वाले देश के सबसे यंगेस्ट साइंटिस्ट गोपाल के साथ देश के अलग अलग राज्यों से 13 स्कूली बच्चे नासा के एक प्रोजेक्ट में हिस्सा लेने के लिए अप्रैल में भारत से अमेरिका जाएंगे। बता दें कि नेशनल एरोनॉटिक्स एंड स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन अमेरिकी सरकार की एक स्वतंत्र एजेंसी है। यह सिविलियन स्पेस प्रोग्राम के साथ एरोनॉटिकल्स और स्पेस रिसर्च के लिए काम करती है। बिहार के रहने वाले देश के सबसे यंगेस्ट साइंटिस्ट गोपाल जी (उम्र मात्र 23 वर्ष) बताते हैं कि वह पल्स एंड पेपर इंडस्ट्रीज में के साइंटिस्ट के पद पर काम कर रहे हैं। जिस प्रकार से ओलंपिक होता है उसी प्रकार से नासा एक इंटरनेशनल इवेंट करती है जिसे एचईआरसी (ह्यूमन एकस्प्रोलेशन रोवर चेलेंज) कहते हैं। यह इवेंट दुनियाभर के लिए ओपन होता है। इसमें नासा पूरी दुनिया के बच्चों को रोवर बनाने के लिए कहती है। इस

साल पूरी दुनिया के 30 हाई स्कूल टीम और कुल 72 टीमों का चयन हुआ है, जिनमें 42 यूनिवर्सिटी लेवल की टीम में है। जिन टीमों का चयन हुआ है उनमें से एक टीम उनकी है। रोवर बनाए जाने के चलते उनकी टीम का सिलेक्शन हुआ है। इस टीम का नाम टीम काइजल वाईएमआरडी और संस्था का नाम है यंग माइंडरिसर्च एंड डेवलपमेंट है। इस संस्था के संथापक खुद गोपाल जी हैं। गोपाल जी ने बताया कि इस बार उनकी टीम में भारत के अलग-अलग राज्यों से कुल 13 बच्चे सेलेक्ट हुए हैं। जिनमें बिहार, उत्तर प्रदेश, भुवनेश्वर, अमरावती, दिल्ली एनसीआर से बच्चे चयनित हुए हैं। टीम 16 अप्रैल 2024 को नासा के लिए भारत से रवाना होंगी। जहां पर 19 और 20 अप्रैल को इवेंट होने जा रहा है। यंगेस्ट साइंटिस्ट गोपाल जी ने बताया कि उनकी संस्था यंग माइंड रिसर्च एंड डेवलपमेंट एक एनजीओ है, जो रिसर्च एवं डेवलपमेंट के लिए काम करती है। इस संस्था मुख्य उद्देश्य उन बच्चों की मदद करना है, जो इन्नोवेटिव, इनोवेशन और कोई रिसर्च है। संस्था द्वारा होनहार बच्चों को आर्थिक मदद से लेकर अन्य प्रकार की कोई मदद की जाती है। उनके रिसर्च को पैटर्न करने में पब्लिश करने में जो भी मदद होती है। जो बच्चा इस तरह के कंपटीशन में भाग लेना चाहता है उनकी संस्था ऐसे बच्चों को मदद करती है।

भाजपा में काम करने वाले कार्यकर्ता को मिलता है मौका : मोहन यादव

गुरुग्राम (हिंस)। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा कि भाजपा में काम करने वाले कार्यकर्ताओं को ही आगे बढने् का मौका मिलता है। मेहनत करने वाले कार्यकर्ताओं पर पार्टी नजर रखती है। उन्होंने कहा कि मैं स्वयं एक कार्यकर्ता हूं और मुख्यमंत्री के रूप में आप लोगों के बीच में हूं। यह बात उन्होंने शनिवार को यहां भाजपा कार्यालय में कलस्टर की बैठक में कही। उन्होंने कहा कि मुझे हरियाणा में आकर और आप जैसे कार्यकर्ताओं से मिलकर गौरव महसूस हो रहा है। बैठक में मोहन यादव ने हंसी मजाक का माहौल बनाते हुए कार्यकर्ताओं से चर्चा भी की। मोहन यादव ने कहा कि भाजपा का कार्यकर्ता होना सबसे बड़ा सम्मान है।

राजस्थान में पेट्रोल पंप की हड़ताल 10 से, सचिवालय घेराव की चेतावनी

जयपुर (हिंस)। राजस्थान के पेट्रोल पंप संचालकों ने सरकार के खिलाफ आर-पार की लड़ाई का ऐलान कर दिया है। लंबे समय से वैट में कटौती नहीं करने और डीलर्स के कमीशन में बढ़ोतरी नहीं करने के कारण प्रदेशभर के पेट्रोल और डीजल पंप संचालकों ने 10 मार्च से हड़ताल पर जाने का फैसला किया है। इस दौरान 11 मार्च को जयपुर में सचिवालय का घेराव करने की चेतावनी दी गई है। राजस्थान पेट्रोलियम डीलर एसोसिएशन के अध्यक्ष राजेंद्र सिंह भाटी ने बताया कि राजस्थान में बढ़े हुए वैट की वजह से पेट्रोल पंप संचालकों को लगातार घाटा हो रहा है। हम लंबे वक्त से सरकार से वैट कम करने की मांग कर रहे हैं, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हो रही है। पड़ोसी राज्यों में राजस्थान के मुकाबले काफी सस्ता पेट्रोल बिक रहा है। वहीं, दूसरी और पिछले 7 साल से डीलर्स के कमीशन में बढ़ोतरी नहीं की गई है। इस कारण राजस्थान में ज्यादातर पेट्रोल पंप बंद होने की कगार पर पहुंच गए हैं। इसको लेकर हमने 10 मार्च से 12 मार्च तक हड़ताल पर जाने का फैसला किया है। इसके साथ ही प्रदेशभर के पेट्रोल पंप संचालक 11 मार्च को जयपुर में सचिवालय का घेराव भी करेंगे। ताकि अपनी वाजिब मांग को सरकार तक पहुंचा सके। सिंह ने कहा बताया कि राजस्थान में बीजेपी सरकार के नेता चुनाव से पहले बढ़े हुए वैट कम करने की मांग करते थे। जब से बीजेपी सत्ता में आई हैं। इनके नेता वैट कम करने की बात भूल गए हैं। जबकि, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत कई वरिष्ठ भाजपा नेता सार्वजनिक मंच से राजस्थान में बढ़े हुए वैट को लेकर नाराजगी जाहिर कर चुके हैं, लेकिन राजस्थान में बीजेपी सरकार बनने के बाद इस तरफ ध्यान नहीं दिया जा रहा है। इसकी वजह से न सिर्फ पेट्रोल पंप संचालक, बल्कि आम जनता का भी शोषण हो रहा है। जयपुर पेट्रोल पंप डीलर एसोसिएशन के अध्यक्ष लादू सिंह ने बताया कि सरकार ने पिछले सात साल से पेट्रोल पंप संचालकों के कमीशन में वृद्धि नहीं की है, जबकि सात सालों में महंगाई बढ़ गई। कर्मचारियों की सैलेरी बढ़ गई, किराया-भाड़ा तक बढ़ गया है। इसके बावजूद हमारा कमीशन नहीं बढ़ रहा है, जिसे अब बढ़ाया जाना चाहिए। इसके साथ ही तेल कंपनियों द्वारा हम पर हाई स्पीड पेट्रोल और ऑयल खरीदने का दबाव नहीं बनाया जाना चाहिए।

ऑस्ट्रेलिया से आए युवक की हत्या इलाके में दहशत का माहौल

गुरदासपुर : अमृतसर नेशनल हाईवे नजदीक गांव परमानंद के पास आज सुबह उस समय दहशत फैल गई जब सड़क किनारे एक युवक का शव पड़ा मिला। लोगों ने इस संबंधी तुरंत पुलिस को सूचित किया। सूचना मिलते ही तुरंत घटनास्थल पर पुलिस ने जांच शुरू कर दी। इस दौरान पता चला कि युवक की गोली मारकर हत्या की गई है। पुलिस जांच दौरान मृतक की पहचान हरदेव सिंह ठाकुर पुत्र रमेश सिंह निवासी चक्क अमीर जिला पठानकोट के रूप में हुई है। पता चला है कि युवक एनआरआई है और कुछ दिन पहले ही ऑस्ट्रेलिया से अपने गांव वापस आया था। परिवार वालों ने जानकारी देते हुए बताया कि गत रात वह तरनतारन में एक शादी समारोह गया था और अपने साले के साथ थार में सवार होकर वापस आ रहा था। इसी बीच उसने अपने साले मलकपुर के पास उतर दिया।

राष्ट्रीय लोक अदालत में आपसी सहमति से 11419 मामलों का निपटारा

फतेहाबाद (हिंस)। जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण की ओर से शनिवार को जिला व उपमंडल की न्यायिक परिसरों में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया। इस दौरान न्यायाधीशों ने दोनों पक्षों की आपसी सहमति से मामलों का निपटान किया। राष्ट्रीय लोक अदालत में कुल 15677 मामलों में से 11419 मामलों की सुनवाई की गई तथा कुल एक करोड़ 29 लाख 12 हजार 356 रुपए की राशि जुर्माना व अवार्ड के रूप में पास की गई। इस राष्ट्रीय लोक अदालत में प्री लिटिगेशन के 12705 मामलों में से 10193 मामलों का निपटारा किया गया तथा 13 लाख 45 हजार 731 रुपए अवार्ड व जुर्माना राशि तथा कोर्ट में लंबित मामलों के 2972 मामलों में से 1226 मामलों का निपटारा किया गया जबकि एक करोड़ 15 लाख 66 हजार 625 रुपए की राशि जुर्माना व अवार्ड के रूप में पास की गई। मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी एवं जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण की सचिव समप्रीत कौर ने बताया कि इस वर्ष की पहली राष्ट्रीय लोक अदालत में विभिन्न अदालतों में लंबित मुकदमों अपराधिक मामलों,

एनआईए एक्ट, बैंक रिकवरी, एमएसीटी, श्रम विवाद, बिजली व पानी बिल, वैवाहिक विवाद, भूमि अधिग्रहण, सर्विस मामलों सहित अन्य सिविल मामलों की सुनवाई की गई। उन्होंने बताया कि जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण के अध्यक्ष डीआर चालिया द्वारा जिला स्तर पर गठित बैंचों ने लोक अदालत में मामलों की सुनवाई की गई। इसी प्रकार से उपमंडल टोहाना व रतिया की अदालतों में न्यायाधीशों ने मामलों की सुनवाई कर नागरिकों के मामलों का निपटान किया। सीजेएम समप्रीत कौर ने बताया कि जिला स्तर पर अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश अमित गर्ग, मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी अंबरदीप सिंह, न्यायिक दंडाधिकारी (प्रथम श्रेणी) निधि बैनीवाल, उपमंडल टोहाना में उपमंडल न्यायिक दंडाधिकारी राजीव तथा उपमंडल रतिया में उपमंडल न्यायिक दंडाधिकारी संतोष बगोटिया की अदालत में राष्ट्रीय लोक अदालत लगाई गई। लोक अदालत में मामलों की सुनवाई करते हुए न्यायाधीशों ने अधिवक्ताओं से कहा कि वे नागरिकों को उनके कोर्ट में लंबित मामलों का निपटान आयोजित होने वाली लोक अदालतों के माध्यम से करवाने के लिए प्रेरित करें। उन्होंने कहा कि लोक अदालत में मामलों का निपटान होने से नागरिकों के समय व धन की बचत भी होती है।

मारवाड़ के इतिहास पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी शुरू

जोधपुर (हिंस)। महाराजा मानसिंह पुस्तक प्रकाश शोध केंद्र मेहरानगढ़ दुर्ग के तत्वावधान में आज मेहरानगढ़ स्थित चौकेलाव महल में दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी मारवाड़ का समग्र इतिहास (युग-युगीन मारवाड़) शुरू हुई। महाराजा मानसिंह पुस्तक प्रकाश शोध केंद्र के सहायक निदेशक डॉ. महेन्द्रसिंह तंवर ने बताया कि उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि राजस्थान सरकार के वित्त विभाग के वित्त सचिव (राजस्व) डॉ. केके पाठक व विशिष्ट अतिथि राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. (डॉ.) हरप्रीत कौर थी। अध्यक्षता पूर्व नरेश गजसिंह ने की। उन्होंने बताया कि यह संस्थान का 26वां राष्ट्रीय स्तर का सेमिनार है जिसमें देश के विभिन्न राज्यों के विद्वान अपने-अपने शोधपरक् पत्रवाचन प्रस्तुत कर रहे है। इस संगोष्ठी का प्रमुख उद्देश्य मारवाड़ रियासत के गौरवशाली राजनैतिक, सैनिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, धार्मिक, प्रशासनिक, आर्थिक, कला एवं साहित्य जगत से संबंधित विषयों के अनछुए पहलुओं को प्रकाश में लाना है। संगोष्ठी में जयपुर से डॉ. राघवेन्द्र सिंह मनोहर, डॉ. कुलवतसिंह, गुजरात से डॉ. विक्रम अमरावत, दिल्ली से डॉ. सूरजभान भारद्वाज, डॉ. सुमित दहिया, प्रियंका खन्ना, बीकानेर से डॉ. शिव कुमार भनोत, डॉ. नितिन गोयल, डॉ. राजेन्द्र कुमार, बड़ौदा से सूर्यवीरसिंह, जैसलमेर से डॉ. तनेसिंह सोढ़ा एवं पार्थ जगानी के साथ स्थानीय विद्वानों में प्रो. जहूर खां मेहर, ब्रिगेडियर एमएस जोधा, अनिल कुमार सिंह, उम्मेद सिंह इन्दा, देवन्द्र सिंह, डॉ. सद्दीक मोहम्मद आदि इतिहाकार एवं शोध साधक भाग ले रहे है।

सीएमएचओ और संयुक्त निदेशक के स्थानांतरण आदेश पर हाईकोर्ट की रोक

जोधपुर (हिंस)। राजस्थान हाईकोर्ट ने चिकित्सा विभाग उदयपुर के संयुक्त निदेशक डॉ. जुल्फिकार अहमद काजी और मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जैसलमेर डॉ. बाबूलाल बुनकर के स्थानांतरण आदेश पर अंतरिम रोक लगाई है। हाइकोर्ट ने स्थानान्तरण आदेश जारी होने से पूर्व की स्थिति बहाल कर उन्हें वापस जॉइन करने के आदेश दिए है। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग जयपुर ने गत 22 फरवरी को बिना वरीयता को ध्यान में रखें कुल 171 चिकित्सकों को एक ही आदेश से स्थानांतरण किया था लेकिन पूर्व से

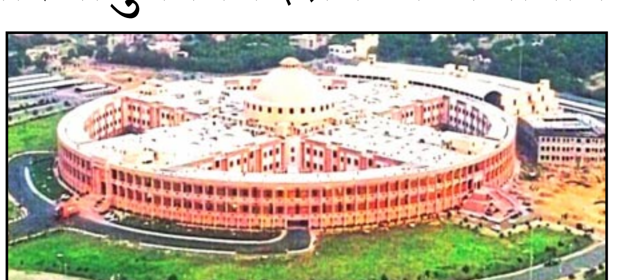

पदों पर कार्यरत वरिष्ठ चिकित्सकों बाबत कोई आदेश जारी नहीं किए जिस पर सयुंक्त निदेशक जोन उदयपुर डॉ. जुल्फिकार अहमद काजी तथा सीएमएचओ जैसलमेर के पद पर कार्यरत डॉ. बाबूलाल बुनकर ने हाइकोर्ट में अधिवक्ता यशपाल खिलेरी के मार्फत रिट याचिकाएं पेश की। रिट याचिकाएं पेश होने के बाद 27 व 28 फरवरी के संशोधन आदेशों से पूर्व से कार्यरत चिकित्सकों को आदेशों की प्रतिक्षा में निदेशालय जॉइन करने का आदेश जारी किया गया जिसे भी चुनोती दी गई। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जैसलमेर डॉ. बाबूलाल बुनकर की ओर से प्रस्तुत रिट याचिका की सुनवाई के पश्चात हाइकोर्ट की एकलपीठ ने स्थानांतरण आदेश को राजस्थान सेवा नियम के प्रावधान 25-अ के विरुद्ध और स्थानांतरण पालिसी के विपरीत माना। न्यायाधीश रेखा बोराणा ने याचिकाकर्ता डॉ. बाबूलाल बुनकर को तुरंत मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जैसलमेर पद पर पुन: पदस्थापित करने का अंतिम निर्णय दिया। साथ ही आदेशित किया कि विभाग विधि अनुरूप नियमानुसार नए आदेश पारित करने हेतु स्वतंत्र है। वहीं दूसरी ओर सयुंक्त निदेशक चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं जोन उदयपुर डॉ. जुल्फिकार अहमद काजी की ओर से प्रस्तुत रिट याचिका की सुनवाई के पश्चात हाइकोर्ट के न्यायाधीश अरुण मोंगा की एकलपीठ ने माना कि याची के संबंध में बिना कोई आदेश किए एक ही कुर्सी पर दो अधिकारियों को लगाकर असंगत स्थिति पैदा कर दी गई है जो बिना मस्तिष्क का उपयोग किए जारी आदेश है।

कुत्तों के हमले में कम से कम एक दर्जन लोग घायल

कुपवाड़ा (हिंस)। कुपवाड़ा शहर और उसके आसपास आवारा कुत्तों के हमले में एक दर्जन लोग घायल हो गए हैं। यह जानकारी अधिकारियों ने शनिवार को दी। अधिकारियों के अनुसार मलिक मोहल्ला कुपवाड़ा और इसके आस-पास के कुछ इलाकों में आवारा कुत्तों के एक झुंड ने लोगों पर हमला कर दिया और वे बेकाबू हो गए। कुत्तों के हमले में घायल लोगों में से कम से कम दो लोगों को गंभीर प्रकार की चोटें आईं हैं और उन्हें जिन्हें घटनास्थल से नजदीकी स्वास्थ्य सुविधा में ले जाया गया है। एसडीएच कुपवाड़ा के एक चिकित्सा अधिकारी ने बताया कि उन्हें स्वास्थ्य सुविधा में बारह लोग मिले हैं जिन्हें विभिन्न प्रकार की चोटें लगी हैं। घायलों की पहचान वली मोहम्मद (40), मोहम्मद जमाल (55), सुहैब (6), लवली सिंह (25), जावीद अहमद (16), सकलैन (28), गुलाम मोहम्मद (70), हफीजा बेगम (55), सुमैया (27), अब्दुल अहद हजाम (60), गुलाम मोहिउद्दीन (65) और मोहम्मद शफी (58) के रूप में की गई है। उन्होंने कहा कि सभी का इलाज किया जा रहा है और वे काफी हद तक खतरे से बाहर हैं।

राहुल गांधी द्वारा जनता को दी गई पांच गारंटियों पर चुनाव लड़ेगी कांग्रेस : अमित सिहाग

फतेहाबाद (हिंस)। डबवाली से कांग्रेस विधायक अमित सिहाग ने माना कि कांग्रेस अभी संघर्ष की दौर से गुजर रही है लेकिल देश का किसान, मजदूर, व्यापारी और आम वर्ग कांग्रेस के साथ है जबकि भाजपा के साथ केवल उद्योगपति ही खड़े नजर आ रहे है। वे शनिवार को फतेहाबाद के रेस्ट हाऊस में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। इस अवसर पर पूर्व मुख्य संसदीय सचिव प्रहलाद सिंह गिल्लांखेड़ा सहित अनेक कांग्रेस नेता मौजूद रहे। कांग्रेस विधायक अमित सिहाग ने कहा कि लोकसभा चुनाव कांग्रेस मुद्दों और राहुल गांधी द्वारा जनता को दी गई पांच गारंटियों पर लड़ेगी। यह पांचों गारंटियां आने वाले समय में क्रांतिकारी सिद्ध होंगी और देश से बेरोजगारी, गरीबी और नशे को जड़

से खत्म करने का काम करेंगी। उन्होंने कहा कि देश का युवा बेरोजगारी के चक्रव्यूह में फंसा हुआ है और यही कारण है कि आज युवा परेशान होकर नशे के दलदल में भी धंसता जा रहा है। खासकर सिरसा और फतेहाबाद जिले में नशा तेजी से बढ़ रहा है। युवाओं के पास कामकाज नहीं है तो वे निराशा में इसे अपना रहे हैं। एक सवाल के जवाब में विधायक अमित सिहाग ने कहा कि सही है कि चुनाव के समय मूलभूत मुद्दे हट जाते हैं और कुछ अन्य मुद्दे सामने आ जाते हैं, लेकिन राहुल गांधी हमेशा हर रैली में इन्हीं मुख्य मुद्दों पर चर्चा करते हैं और अब देश को भी इन मुद्दों पर चर्चा करने की जरूरत है।

सोशल मीडिया पर हथियार के साथ पोस्ट डालने वाले पांच लोगों पर मामला दर्ज

फरीदाबाद (हिंस)। सोशल मीडिया पर हथियार सहित पोस्ट डालने वालों के खिलाफ पुलिस ने अब शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। इसी कड़ी में पुलिस ने पांच लोगों के खिलाफ शनिवार को मामला दर्ज किया है। वहीं 12 लोगों के परिजनों को बुलाकर सख्त चेतावनी दी है। सोशल मीडिया पर निगरानी रखने के लिए साइबर सेल टीम तैनात की गई है जो कि सोशल मीडिया पर कड़ी निगरानी रख रही है। सोशल मीडिया पर हथियारों के साथ फोटो डालना प्रतिबंधित है, क्योंकि इससे समाज में डर का माहौल पैदा होता है। हथियारों का प्रदर्शन करते हुए यदि किसी का फोटो सोशल मीडिया पर पाया जाता है तो उसके खिलाफ

मामला दर्ज कर गिरफ्तार किया जा सकता है। डीसीपी क्राइम ने बताया कि साइबर सेल द्वारा सोशल मीडिया अकाउंट्स पर नजर रखी जा रही है। पुलिस द्वारा ऐसे 31 सोशल मीडिया अकाउंट चिन्हित किए गए हैं जो सोशल मीडिया पर इस प्रकार की पोस्ट डालते हैं और क्राइम ब्रांच की टीमों ने इन आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई भी की है। 31 में से 17 व्यक्तियों को इन्वेस्टिगेशन में शामिल किया गया जिसमें क्राइम ब्रांच ने 5 आरोपियों के खिलाफ आईटी एक्ट तथा अवैध हथियार अधिनियम की धाराओं के तहत खेड़ी पुल थाने में मामला दर्ज किया गया है, जिसमें खेड़ी कलां गांव के रहने वाले दीपांशु और सागर का नाम शामिल है। इसके अलावा दंड प्रक्रिया संहिता के तहत कानूनी कार्रवाई गई है जिसमें मुझेड़ी के रहने वाले अजैब सिंह, तिलपत के रहने वाले ऋषभ, तथा मांगर के रहने वाले रोहित का नाम शामिल है। इसके साथ 12 आरोपियों जिन्होंने अनजाने में इन पोस्ट को लाइक कमेंट शेयर किया था, उनके परिजनों को बुलाकर उन्हें सख्त चेतावनी दी गई है कि यदि आज के बाद सोशल मीडिया पर कोई भी इलीगल एक्टिविटी इनके द्वारा की गई तो पुलिस उनके खिलाफ मामला दर्ज करके सख्त कार्रवाई करेगी।

आईपीआर कानून से अनुसंधान और विकास को मिला बढ़ावा: सीतारमण

नई दिल्ली (हि.स.)। केंद्रीय वित्त एवं कॉरपोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को कहा कि बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर) कानून से देश में अनुसंधान और विकास को तेजी से बढ़ावा मिला है। वित्त मंत्री ने कहा कि नवाचार करने वाले लोगों को यह कानून सुरक्षा देता है। निर्मला सीतारमण ने नई दिल्ली में न्यायमूर्ति प्रतिभा एम सिंह की पेटेंट कानून पर लिखी पुस्तक का विमोचन के बाद अपने संबोधन में यह बात कही। सीतारमण ने कहा कि हम आईपीआर कानूनों को सुविधा तथा प्रोत्साहन देने वाला बनाने की कोशिश कर रहे हैं। वित्त मंत्री ने कहा कि निश्चित रूप से यह कानून अनुसंधान एवं विकास की प्रक्रिया में बाधा नहीं है। उन्होंने कहा कि हमने कई कदम उठाए हैं। इससे पहले सीतारमण ने जस्टिस प्रतिभा एम. सिंह की पेटेंट कानून पर लिखी पुस्तक का विमोचन किया। वित्त मंत्री ने इस अवसर पर कहा कि 2015 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मादी के नेतृत्व वाली सरकार ने भारत में बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर) को देखने के लिए एक थिंक टैंक की स्थापना की। सीतारमण ने कहा कि न्यायमूर्ति प्रतिभा एम. सिंह, जो उस समय न्यायाधीश नहीं थीं, एक सक्रिय सदस्य थीं। उन्होंने इसमें बहुत योगदान दिया और 2016 में राष्ट्रीय आईपीआर नीति तैयार की गई। न्यायमूर्ति प्रतिभा एम. सिंह की पेटेंट कानून के विमोचन कार्यक्रम में ऑस्ट्रेलिया के संघीय न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश डॉ. एनाबेले बेनेट, इंग्लैंड और वेल्स के अपील न्यायालय के लॉर्ड जस्टिस सर कॉलिन बिर्स और एकीकृत पेटेंट न्यायालय (ईयू) के अध्यक्ष क्लॉस ग्रेबिंस्की भी उपस्थित रहे। उल्लेखनीय है कि पेटेंट कानून भारत में इनोवेशन की सुरक्षा के लिए एक कानूनी तंत्र है। दिल्ली हाईकोर्ट की जज जस्टिस प्रतिभा एम. सिंह ने पेटेंट कानून पर नई पुस्तक लंबी और कठिन परिश्रम के बाद आई है। यह पुस्तक पेटेंट से संबंधित मामलों से निपटने वाले वकीलों और वादियों के लिए बहुत मददगार होगी। पेटेंट कानून हमारे देश में इंवोशेन की रक्षा के लिए एक कानूनी तंत्र है।

भारत और ईएफटीए आज मुक्त व्यापार समझौते पर करेंगे हस्ताक्षर

नई दिल्ली (हि.स.)। भारत और चार देशों के यूरोपीय समूह ईएफटीए वस्तुओं, सेवाओं और निवेश में परस्पर व्यापार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से रविवार को एक मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर हस्ताक्षर करेंगे। इन सदस्य देशों में आइसलैंड, लिकटेंस्टीन, नॉर्वे और स्विट्जरलैंड शामिल हैं। आधिकारिक सूत्रों ने शनिवार को दी जानकारी में बताया कि भारत और यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ के बीच रविवार, 10 मार्च को एक मुक्त व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर होंगे, जिनमें एफ़टीए के चार सदस्य देश आइसलैंड, लिकटेंस्टीन, नॉर्वे, और स्विट्जरलैंड शामिल होंगे। ये समझौता, वस्तुओं, सेवाओं, और निवेश में परस्पर व्यापार को बढ़ावा देने के लिए किया जाएगा। इस समझौते को सात मार्च को केंद्रीय मंत्रिमंडल से मंजूरी मिल गई। भारत और यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ के बीच होने वाले समझौते में 14 अध्याय हैं। इनमें माल में व्यापार, उत्पत्ति के नियम, बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर), सेवाओं में व्यापार, निवेश प्रोत्साहन एवं सहयोग, सरकारी खरीद, व्यापार में तकनीकी बाधाएं और व्यापार सुविधा शामिल हैं। भारत और ईएफटीए के बीच आर्थिक संबंधों को बढ़ावा देने के लिए जनवरी, 2008 से ही आधिकारिक तौर पर व्यापार तथा आर्थिक साझेदारी समझौते (टीईपीए) पर सहमति के लिए बातचीत चल रही है। ईएफटीए देशों को भारत का निर्यात 2021-22 में 1.74 अरब डॉलर के मुकाबले 2022-23 के दौरान 1.92 अरब डॉलर रहा। पिछले वित्त वर्ष के दौरान कुल आयात 16.74 अरब डॉलर था जबकि 2021-22 में यह 25.5 अरब डॉलर था।

रेत खनन मामले में ईडी की छापेमारी, लॉटरी किंग सैंटियागो मार्टिन के दामाद के परिसरों की ली गई तलाशी

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने तमिलनाडु में कथित अवैध रेत खनन की जांच से जुड़ी धन शोधन जांच के सिलसिले में शनिवार को राज्य में छापे मारे। सूत्रों ने बताया कि लॉटरी किंग सैंटियागो मार्टिन के दामाद आधव अर्जुन के चेन्नई और कोयंबटूर स्थित कुछ परिसरों के तलाशी ली जा रही है। अधिकारियों ने बताया कि कथित अवैध रेत खनन मामले में करीब 10 परिसरों की तलाशी ली जा रही है और धनशोधन रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए) के प्रावधानों के तहत ईडी इसकी जांच कर रहा है। ईडी ने मार्टिन के खिलाफ एक अन्य मनी लॉन्ड्रिंग मामले की जांच की है, जो सिक्किम सरकार की लॉटरी की बिक्री से संबंधित कथित अपराधों के लिए उनके और अन्य के खिलाफ सीबीआई के मामले से उपजा है।

शाकाहारी थाली फरवरी में सात फीसदी महंगी प्याज के दाम 29 व टमाटर 38 फीसदी महंगा

नई दिल्ली। प्याज और टमाटर की कीमतों में तेजी से फरवरी में शाकाहारी थाली सात फीसदी महंगी हो गई है। हालांकि, चिकन के दाम घटने से मांसाहारी थाली की कीमत नौ फीसदी सस्ती हो गई है। इससे पहले जनवरी में भी इसी तरह का रुझान था। क्रिसिल के मुताबिक, शाकाहारी थाली का भाव फरवरी में 27.5 रुपये पर पहुंच गया, जबकि एक साल पहले यह 25.60 रुपये था। इस दौरान प्याज की कीमतें 29 फीसदी और टमाटर की 38 फीसदी बढ़ी हैं। हालांकि, पिछले महीने की तुलना में थाली की कीमत मामूली घटी है। मांसाहारी थाली के दाम एक साल पहले के 59.20 की तुलना में इस साल फरवरी में घटकर 54 पर आ गए हैं। इस साल जनवरी के 52 रुपये की तुलना में यह दो रुपये बढ़ गया है। चिकन के दाम एक साल में 20 फीसदी तक घट गए हैं। मांसाहारी थाली की कीमत में इसका योगदान 50 फीसदी होता है। इस वजह से मांसाहाली थाली सस्ती हो गई है। इस साल जनवरी की तुलना में चिकन के दाम 10 फीसदी घटे हैं।

पेट्रोल-डीजल की कीमत स्थिर, कच्चा तेल 83 डॉलर प्रति बैरल के करीब

नई दिल्ली (हि.स.)। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत में उतार-चढ़ाव जारी है। ब्रेंट क्रूड का मूल्य 83 डॉलर और डब्ल्यूटीआई क्रूड 78 डॉलर प्रति बैरल के करीब है। सार्वजनिक क्षेत्र की तेल एवं गैस विपणन कंपनियों ने शनिवार को पेट्रोल-डीजल की कीमत में कोई बदलाव नहीं किया है। इंडियन ऑयल की वेबसाइट के अनुसार, दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपये, डीजल 89.62 रुपये, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपये, डीजल 94.27 रुपये, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपये, डीजल 92.76 रुपये, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपये और डीजल 94.24 रुपये प्रति लीटर की दर पर उपलब्ध है। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में हफ्ते के अंतिम कारोबारी दिन ब्रेंड क्रूड 0.88 डॉलर यानी 1.06 फीसदी लुढकर 82.08 डॉलर प्रति बैरल पर टिका हुआ है। वहीं, वेस्ट टेक्सस इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड 0.92 डॉलर यानी 1.17 फीसदी फिसलकर 78.01 डॉलर प्रति बैरल पर स्थिर है।

गेल ने सीएनजी की कीमत में 2.50 रुपये प्रति किलो की कटौती की

नई दिल्ली (हि.स.)। देश की सबसे बड़ी कंपनी गेल इंडिया लिमिटेड और उसकी सहायक कंपनी गेल गैस लिमिटेड ने शनिवार को संपीडित प्राकृतिक गैस (सीएनजी) की कीमत में 2.50 रुपये प्रति किलोग्राम कटौती करने का ऐलान किया है। इससे पहले महानगर गैस लिमिटेड (एमजीएल) और इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड (आईजीएल) ने भी सीएनजी की कीमत में इतनी ही कटौती की थी। गेल की ओर से सीएनजी की कीमतों में 2.50 रुपये प्रति किलोग्राम की कटौती के बाद अब वाराणसी में सीएनजी का दाम घटकर 81.17 रुपये प्रति किलोग्राम, पटना में 84.54 रुपये, रांची में 87.15 रुपये, जमशेदपुर में 87.08 रुपये, भुवनेश्वर में 87.26 रुपये और कटक में 87.60 रुपये प्रति किलोग्राम हो जाएंगे। इसके साथ ही गेल के सीएनजी के दाम में कटौती का फायदा देश के करीब 20 शहरों को मिलेगा। इससे पहले सार्वजनिक क्षेत्र की महानगर गैस लिमिटेड ने 5 मार्च को सीएनजी की कीमत में 2.50 रुपये प्रति किलो की कटौती की थी। इस कटौती के बाद आर्थिक राजधानी मुंबई के आस-पास के शहरों में सीएनजी की कीमत घटकर 73.50 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई है। इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड ने भी सीएनजी की कीमतें घटाई हैं, जिसके बाद दिल्ली में अब एक किलोग्राम सीएनजी का भाव 2.50 रुपये सस्ता होकर 74.09 रुपये प्रति किलोग्राम हो गया है। नोएडा-गाजियाबाद में इसकी कीमत 78.70 रुपये और गुरुग्राम में सीएनजी 82.12 प्रति किलोग्राम बिक रही है। इसके अलावा रेवाड़ी में इसकी नई कीमत 78.70 रुपये और करनाल 80.43 रुपये होगी। गौरतलब है कि देश के अलग-अलग शहरों में सीएनजी की कीमतें अलग-अलग हैं।

खाद्य पदार्थों की कीमतें नियंत्रित करने के लिए सभी उपाय करेगा केंद्र : गोयल

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि केंद्र सरकार प्याज से लेकर टमाटर और दालों जैसे आवश्यक खाद्य पदार्थों की कीमतों को नियंत्रित करने के लिए हर संभव प्रयास करेगी। उन्होंने किसी भी अस्थायी बढ़ोतरी के कुछ दिनों के भीतर दरों को नियंत्रित करने के मोदी सरकार के पिछले रिकॉर्ड का हवाला दिया। गोयल के पास खाद्य एवं उपभोक्ता मामलों का मंत्रालय भी है। उन्होंने पीटीआई को दिए साक्षात्कार में कहा कि मोदी सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए उपाय करना जारी रखेगी कि हमारी नारी-शक्ति के घरेलू बजट पर कोई तनाव न हो। केंद्रीय मंत्री ने आम चुनावों से पहले खाद्य पदार्थों की कीमतों पर नियंत्रण को लेकर सरकार की रणनीति के संबंध में एक सवाल के जवाब में कहा कि हम इस पर काबू पाने में सफल रहेंगे... और मैं लोगों को आश्वस्त कर सकता हूं कि यह सरकार भारत की महिलाओं की परवाह करती है। उन्होंने कहा कि सरकार ने पिछले कुछ वर्षों में खाद्य मुद्रास्फीति से लड़ने के प्रयासों का समर्थन करने के लिए मूल्य स्थिरीकरण कोष में लगभग 28,000 करोड़ रुपये खर्च किए हैं। गोयल ने कहा कि हम अपनी बहनों और माताओं के साथ आगे भी खड़े रहेंगे और सुनिश्चित करेंगे कि हम उन्हें तनाव न दें... हम यह सुनिश्चित करने के लिए सक्रिय रूप से काम कर रहे हैं कि हम अपनी नारी-शक्ति का सम्मान करते हैं और इस बात का सम्मान करते हैं कि उन्हें अच्छा घरेलू बजट मिलना चाहिए। चुनाव आयोग जल्द ही आम चुनाव की घोषणा कर सकता है। लोकसभा चुनाव अप्रैल-मई में होने की संभावना है। उन्होंने कहा कि जब पूरी दुनिया गंभीर मुद्रास्फीति का सामना कर रही थी, दुनिया के विकसित देशों में 40 साल की उच्च मुद्रास्फीति थी, तब भारत मुद्रास्फीति के मामले में काफी बेहतर स्थिति में था।

बैंक कर्मचारियों के वेतन में होगी सालाना 17 प्रतिशत की वृद्धि

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के वेतन में सालाना 17 प्रतिशत की बढ़ोतरी होगी। नवंबर 2022 से प्रभावी होने वाले इस फैसले से करीब आठ से लाख बैंक कर्मचारी लाभान्वित होंगे। भारतीय बैंक संघ और बैंक कर्मचारी संगठनों के बीच शुक्रवार को 17 प्रतिशत की वार्षिक वेतन वृद्धि पर सहमति बनी। इससे सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों पर सालाना 8,284 करोड़ रुपये का अतिरिक्त बोझ पड़ेगा। इस बीच ऑल इंडिया बैंक आफिसर्स कन्फेडरेशन ने कहा कि महीने के सभी शनिवार को छुट्टियों के रूप में मंजूरी देने पर भी सहमति जताई गई है। हालांकि कामकाज के घंटों में संशोधन का प्रस्ताव सरकार की अधिसूचना के बाद प्रभावी होगा। नए वेतन समझौते के तहत सभी महिला कर्मचारियों को चिकित्सा प्रमाणपत्र दिए बगैर हर महीने एक दिन की बीमारी की छुट्टी लेने की अनुमति होगी। इसमें कहा गया है कि संचित विशेषाधिकार अवकाश (पीएल) को सेवानिवृत्ति के समय या सेवा के दौरान कर्मचारी की मौत होने पर 255 दिनों तक भुनाया जा सकता है। सेवानिवृत्त कर्मचारियों के मामले में इस बात पर सहमति बनी है कि मासिक अनुग्रह राशि का भुगतान सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों द्वारा भुगतान की जाने वाली पेंशन/पारिवारिक पेंशन के अतिरिक्त किया जाएगा। यह राशि उन पेंशनभोगियों और पारिवारिक पेंशन भोगियों को मिलेगी जो 31 अक्टूबर 2022 या उससे पहले पेंशन प्राप्त करने के पात्र बन गए हैं। उस तारीख को सेवानिवृत्त होने वाले लोग भी इसके दायरे में आएंगे।

सरकार की योजना से देश में 18 स्टार्टअप बन गए यूनिकॉर्न 75,000 करोड़ से अधिक पूंजी जुटाने में मिली मदद

नई दिल्ली। देश में स्टार्टअप को बढ़ावा देने के लिए सरकार की ओर से शुरू की गई फंड ऑफ फंड्स (एफएफएस) योजना के अच्छे नतीजे देखने को मिले हैं। इस योजना की मदद से 18 स्टार्टअप यूनिकॉर्न बन गए हैं। देश में अभी 105 यूनिकॉर्न हैं। एक अरब डॉलर से अधिक मूल्यांकन वाले स्टार्टअप को यूनिकॉर्न कहा जाता है। स्टार्टअप के लिए सरकार ने फंड ऑफ फंड्स योजना के तहत दिसंबर, 2024 तक 129 वैकल्पिक निवेश फंडों (एआईएफ) को 10,229 करोड़ देने का वादा किया है। इसके परिणामस्वरूप देश में 18 यूनिकॉर्न को फंडिंग मिली है। भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक (सिडबी) के मुताबिक, एफएफएस योजना ने 969 यूनिक स्टार्टअप में एआईएफ के जरिये 17,534 करोड़ का निवेश जुटाया है। कुल मिलाकर, इस योजना ने 75,000 करोड़ रुपये से अधिक की घरेलू पूंजी जुटाने में मदद की है। सिडबी की फंड ऑफ फंड्स योजना की शुरुआत 2016 में हुई थी। इसके तहत घरेलू स्टार्टअप तंत्र को बढ़ावा देने के लिए 10,000 करोड़ रुपये आवंटित किए गए थे। शेयरचैट, लेंसकार्ट, डिजिट, अनअकैडमी, स्लाइस, डीलशेयर, क्योरफिट, स्पीनी, एको, ममाअर्थ, क्रेडएवेन्यू, माईग्लैम, पर्पल, जेटवेर्क, लीडस्क्वायर्ड, ड्रॉइनबॉक्स, फर्स्टक्राई और यूनिफोर। योजना के जरिये जिन स्टार्टअप को सर्वाधिक मदद मिली है, उनमें 11 फीसदी हेल्थकेयर/हेल्थ-टेक से जुड़े हैं। छह फीसदी स्टार्टअप कृषि और एग्रीटेक स्पेस क्षेत्र से संबंधित हैं। टियर-1 शहरों से अलग अब तक 129 स्टार्टअप को 1,590 करोड़ रुपये का निवेश मिला है। इन शहरों में वित्त वर्ष 2017 में इन शहरों में 38 सौदे हुए थे, जिनकी संख्या 2022-23 में बढ़कर 97 पहुंच गई।

कोयला पीएसयू ने सालाना लक्ष्य का 107 फीसदी हासिल कर 2023-24 के पूंजीगत व्यय लक्ष्य को पीछे छोड़ा

कोयला मंत्रालय
MINISTRY OF
COAL
सत्यमेव जयते

नई दिल्ली (हि.स.)। कोयला क्षेत्र के सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम (पीएसयू) सालाना लक्ष्य का 106.74 फीसदी हासिल कर चालू वित्त वर्ष 2023-24 के पूंजीगत व्यय लक्ष्य को पीछे छोड़ दिया है। कोयला मंत्रालय ने सरकार ई-मार्केट प्लेस (जेम) के माध्यम से खरीद में चालू वित्त वर्ष के लिए तय लक्ष्य का 415 फीसदी हासिल करके पहले स्थान पर रहा है। कोयला मंत्रालय ने शनिवार को जारी एक बयान में कहा कि मंत्रालय ने खरीद के मामले में वित्त वर्ष 2023-24 के लिए तय लक्ष्य का 106.74 फीसदी हासिल किया है। कोयला क्षेत्र के सार्वजनिक उपक्रमों ने वित्त वर्ष 2021-22 में अपने लक्ष्य के मुकाबले 104.86 फीसदी हासिल किया। वित्त वर्ष 2022-23 में भी उनका प्रदर्शन बेहतर रहा, जब कोयला पीएसयू ने तय लक्ष्य का 109.24 फीसदी हासिल किया। कोयला पीएसयू की पूंजीगत व्यय में पिछले 3 साल के दौरान साल दर साल वृद्धि होती रही है। इसके साथ ही मंत्रालय ने सरकारी ई-मार्केटप्लेस (जेम) खरीद में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। कोयला मंत्रालय का वित्त वर्ष 2023-24 के लिए पूंजीगत व्यय लक्ष्य 21,030 करोड़ रुपये है। मंत्रालय के मुताबिक कोयला पीएसयू ने फरवरी 2024 तक ही 22,448.24 करोड़ रुपये का रिकार्ड पूंजीगत व्यय, यानी सालाना लक्ष्य का 106.74 फीसदी हासिल करके चालू वित्त वर्ष 2023-24 के लक्ष्य को पहले ही पार कर लिया है। किसी वित्त वर्ष के अंतिम दो महीने में पूंजीगत व्यय का प्रमुख हिस्सा खर्च होता है। इसलिए ये माना जा रहा है कि सीआईएल और एनएलसीआईएल चालू वित्त वर्ष के दौरान अपनी उपलब्धि में और वृद्धि करेंगे और भारत की आर्थिक वृद्धि को और गति देंगे। कोयला मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण के तहत आने वाली सार्वजनिक क्षेत्र की कोयला कंपनियां भारतीय अर्थव्यवस्था में बदलाव लाने में सहायता और योगदान के लिए पूंजीगत व्यय करने में सबसे आगे रहीं हैं। पिछले कुछ वर्षों के दौरान केंद्र सरकार के सार्वजनिक क्षेत्र के कोयला उपक्रम (सीपीएसई) पूंजीगत व्यय के तय लक्ष्य से अधिक का लक्ष्य प्राप्त करते रहे हैं। उल्लेखनीय है कि पूंजीगत व्यय यानी कैपेक्स किसी भी अर्थव्यवस्था की गतिशीलता के महत्वपूर्ण घटकों में से एक है, जिसका समूची अर्थव्यवस्था पर कई गुना और निचले स्तर तक प्रभाव होता है। इससे खपत, मांग और औद्योगिक वृद्धि बढ़ाने, रोजगार सृजन और दीर्घकालिक अवसंरचना को बढ़ावा मिलता है, जिसका देश को लंबे समय तक सतत् लाभ मिलता रहता है।

दर्शकों का डॉन के पार्ट 3 का इंतजार खत्म

मुंबई (ईएमएस)। दर्शकों को बालीवुड के सुपर स्टार शाहरुख खान की डॉन के पार्ट 3 का इंतजार था। अब उनका यह इंतजार इस साल खत्म हो जाएगा। अब की बार फिल्म में रणवीर सिंह डॉन का रोल निभाएंगे। फिल्म में उनके अपोजिट कियारा आडवाणी नजर आएंगी।फिल्म की शूटिंग इस साल अगस्त में शुरू होगी। फिल्म अगले साल यानी 2025 में रिलीज होगी। कियारा को डॉन 3 में कास्ट करने के बाद से ही सिने गलियारों में इस बात की चर्चा हो रही थी कि आखिरी इस सफल फ्रेंचाइजी का हिस्सा बनने के लिए कियारा अपनी फीस में कटौती की है या उन्होंने इसके लिए अपनी तय फीस से ज्यादा फीस ली है। इस फिल्म के लिए कितनी फीस मिल रही है, अब इसकी जानकारी भी मिल गई है। डॉन 3 का बजट 275 करोड़ रुपये बताया जा रहा है।

यही नहीं इसके लिए कियारा आडवाणीऔर रणवीर सिंह स्पेशल ट्रेनिंग भी ले रहे हैं। अब जब बजट इतना बड़ा होगा तो फीस भी कलाकारों की तगड़ी होगी। कियारा को इस फिल्म के लिए काफी मोटी रकम मिली है। बताया जा रहा है कि ये उनकी अब तक की सबसे अधिक फीस होगी। डॉन 3 में कियारा को रणवीर सिंह से भी ज्यादा पीस मिली है। कियारा को इस फिल्म के लिए 13 करोड़ का भारी भरकम चेक दिया गया है। फरहान अख्तर ने इसके लिए दो एक्ट्रेस को चुना था कियारा और कृति सैनन। कियारा के साथ बात बनी और उनको इसमें ले लिया गया।

द ग्रेट इंडियन कपिल शो का प्रोमो देखकर निराश हूं: पाल

-कॉमेडियन ने गंदे शब्दों के इस्तेमाल का लगाया आरोप

मुंबई (ईएमएस)। दिग्गज कॉमेडियन सुनील पाल कॉमेडी किंग कपिल शर्मा का नया शो द ग्रेट इंडियन कपिल शो को लेकर काफी नाराज है। सुनील ने अपने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया है। इसमें सुनील कहते हैं, ह्वदोस्तों द कपिल शर्मा जो नेटफ्लिक्स पर आ रहा है। उसका प्रोमो उसके वीडियो देखकर मैं काफी निराश हूं। कपिल शर्मा हमारे कॉमेडी के सुपरस्टार हैं, किंग ऑफ कॉमेडी हैं। द ग्रेट कपिल शर्मा, जिनको लोग घर-घर में पसंद करते हैं, फैमिली एंटरटेनर के नाम पर, लेकिन अब जो उनका नया शो ओटीटी पर आ रहा है। उसमें प्रोमो की जो गंदगी मैं देख रहा हूं। गंदे शब्दों का इस्तेमाल मैं देख रहा हूं, मुझे लगता है यहां मेरा बादशाह हार जाएगा और मैं अपने बादशाह को हारते हुए नहीं देख सकता हूं। कपिल मैं आपका बहुत बड़ा फैन हूं। और ये जो शुरूआत हुई है इसको रोकना पड़ेगा आपको। ना सिर्फ मेरे लिए बल्कि आपके जो कई करोड़ों फैंस हैं उनके लिए। क्योंकि आप सच्चे और अच्छे कॉमेडियन हैं। नियत के साथ आपका दिल, दिमाग, आवाज, आपका स्वभाव, कंटेंट बहुत साफ-सुथरा है। आप अपने काम से घर-घर में पहुंचे हैं। इसलिए मैं कहता हूं कि आपके नए शो की जो शुरूआत हुई है वो बंद कर दीजिए। आपकी टीम से मुझे कोई प्रॉब्लम नहीं है। सुनील ग्रोवर को मैं देख चुका है वो गाली-गलौच करते हैं। कृष्णा अभिषेक भी ऐसे ही हैं। कीकू ने भी प्रमोट कर दिया है।

उम्मीद नहीं थी, लेकिन उसने भी कर दिया। आप नेटफ्लिक्स पर आ तो गए हैं, लेकिन यहां पर जो गंदे-गंदे कीड़े-मकोड़े हैं उनसे दूर रहिए। सुनील ने कैप्शन में लिखा, अब बेचारे कपिल शर्मा को कौन बचाएगा। बता दें कि 48 साल के सुनील ने साल 2005 में ग्रेट इंडियन लॉफ्टर शो का पहला सीजन जीता था। दिवंगत राजू श्रीवास्तव रनरअप रहे थे। सुनील कई कॉमेडी शो के साथ फिल्मों में भी काम कर चुके हैं। मालूम हो कि कॉमेडी किंग कपिल शर्मा का नया शो द ग्रेट इंडियन कपिल शो 30 मार्च से ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर दिखाया जाएगा। इसमें 6 साल बाद कपिल और सुनील ग्रोवर की जोड़ी एक बार फिर साथ देखने को मिलेगी।

फिल्म मैदान का नया पोस्टर शेयर

-अजय देवगन की है यह फिल्म

मुंबई (ईएमएस)। फुटबॉल कोच सैय्यद अब्दुल रहमान पर बनी अपनी आगामी फिल्म मैदान का नया पोस्टर शेयर किया है। एक्टर अजय देवगन की इस फिल्म का ट्रेलर रिलीज हो गया। अमित शर्मा द्वारा निर्देशित इस फिल्म में अजय ने 1952 से 1962 के दौरान भारतीय फुटबॉल कोच सैयद अब्दुल रहीम की भूमिका निभाई है। उन्हें रहीम साब के नाम से भी जाना जाता है, उन्हें आधुनिक भारतीय फुटबॉल का वास्तुकार भी कहा जाता है। सोशल मीडिया पर अजय ने एक पोस्टर शेयर किया। जिसमें उन्हें युवाओं को गले लगाते हुए देखा जा सकता है। उनकी आंखों में खुशी के आंसू भी नजर आ रहे हैं। पोस्टर में विशाल भीड़ को टीम का हौसला बढ़ाते हुए दिखाया गया है। पोस्टर में पीछे तिरंगा लहराता दिख रहा है। पोस्टर में टैगलाइन है एक आदमी, एक विश्वास, एक भावना और एक राष्ट्र। हाल ही में फिल्म भोला में नजर आने वाले एक्टर ने पोस्टर को कैप्शन दिया, एक व्यक्ति, एक टीम, एक राष्ट्र और उस अटूट विश्वास का गवाह बनें जिसने फुटबॉल के इतिहास पर एक अविश्वसनीय छाप छोड़ी।

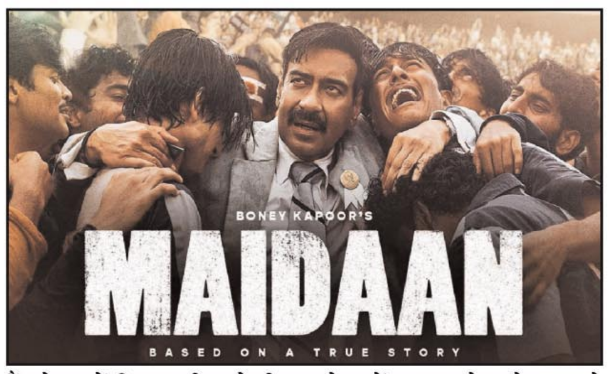

नाश्ते की एक झलक शेयर की शेफाली शाह ने

-एक्ट्रेस बाली में ले रही छुट्टियों का आनंद

मुंबई (ईएमएस)। बालीवुड एक्ट्रेस शेफाली शाह ने अपने फैंस के लिए इंस्टाग्राम पर अपने नाश्ते की एक झलक शेयर की। इनदिनों एक्ट्रेस बाली में छुट्टियों का आनंद ले रही है। एक्ट्रेस की नाश्ते की टेबल पर मौसमी फल, पैनकेक, एवोकैडो टोस्ट, फ्लफी आमलेट, एक स्मूथी बाउल और जूस देखा जा सकता है। शेफाली ने इसे कोई कैप्शन नहीं दिया बल्कि उन्होंने ब्रेकफास्ट और गुड मॉर्निंग जैसे हैशटैग लगाए। 50 वर्षीय एक्ट्रेस ने बाली से कई तस्वीरें शेयर की थी। शेफाली को पिछली बार ड्रामा फिल्म थ्री ऑफ अस में देखा गया था, जहां शेफाली शाह ने डिमेंशिया के कगार पर खड़ी एक महिला की भूमिका निभाई थी। इसमें स्वानंद किरकिरे और जयदीप अहलावत भी हैं। शेफाली शाह को अक्सर बॉलीवुड में सहायक अभिनेत्री का किरदार निभाते हुए देखा जाता है। अपने काम को लेकर एक्ट्रेस अब तक के अपने करियर में कई पुरस्कार अपने नाम कर चुकी हैं। एक्ट्रेस ने अपने करियर की शुरूआत 1995 की फिल्म रंगीला से की थी। शेफाली फिल्म सत्या के लिए बेस्ट एक्ट्रेस का पुरस्कार भी हासिल कर चुकी हैं। एक्ट्रेस अब तक कई सुपरहिट फिल्मों का हिस्सा रही हैं। जिसमें गांधी माय फादर, दिल धड़कने दो, ब्रदर्स, द जंगल बुक, कमांडो 2 और डार्लिंग्स जैसी कई शामिल हैं।

इमरान खान ने आखिरकार पत्नी से तलाक और लेखा से डेटिंग की बातों पर तोड़ी चुप्पी

जाने तू... या जाने ना फेम एक्टर इमरान खान काफी समय से फिल्मों से गायब हैं। पिछले कुछ सालों में वह फिर से सुर्खियों में आ गए हैं। वह अपनी फिटनेस, निजी जिंदगी, फोटो शूट और बॉलीवुड में कमबैक के कारण चर्चा में हैं। हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में उन्होंने कई बातों का खुलासा किया। इमरान खान ने 2011 में अपनी बचपन की दोस्त अवंतिका से शादी की। उनकी एक बेटी भी है लेकिन अब इमरान एक्ट्रेस लेखा वाशिंगटन को डेट कर रहे हैं। अब हाल ही उन्होंने अपने तलाक और रिलेशनशिप को लेकर खुलकर बात की है। साथ ही अपनी नाराजगी भी जाहिर की है। इस पर उन्होंने कहा, हां, ये सच है। मैं और लेखा रिलेशनशिप में हैं। मैं और लेखा 2020 में कोरोना लॉकडाउन के दौरान संपर्क में आए। उस समय तक मेरी पत्नी और मेरा तलाक हो चुका था। लेखा को ह्यघर तोड़ने वाली कहने पर इमरान ने नाराजगी भी जाहिर की है। इमरान और लेखा इस समय कई इवेंट्स में हाथों में हाथ डाले नजर आ रहे हैं। इस बारे में इमरान ने पहली बार बात की है। हाल ही में इमरान अपनी गर्लफ्रेंड लेखा संग अपने मामा आमिर खान की बेटी इरा खान की शादी भी शामिल थे। इमरान खान जल्द ही एक्टिंग में वापसी करने जा रहे हैं। उनके फैंस उनकी वापसी का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

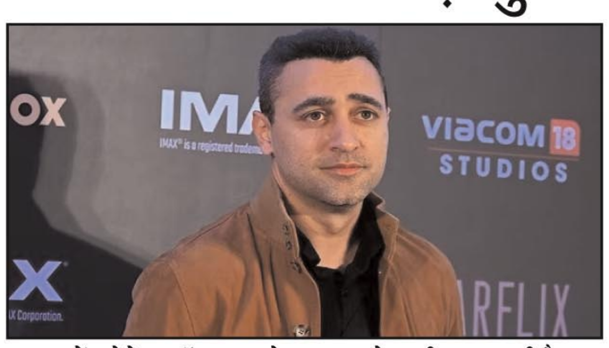

इब्राहिम अली खान हुए 23 साल के, मनाया जन्मदिन

बालीवुड एक्टर सैफ अली खान के बड़े बेटे इब्राहिम अली खान 23 साल के हो गए। जन्मदिन सैफ की दूसरी पत्नी एक्ट्रेस करीना कपूर खान ने उन पर जमकर प्यार बरसाया है। एक्ट्रेस ने इंस्टाग्राम पर एक अनदेखी फोटो शेयर की। इब्राहिम, सैफ और उनकी पूर्व पत्नी अमृता सिंह के बेटे हैं। 2004 में सैफ और अमृता अलग हो गए थे। दोनों की बेटी एक्ट्रेस सारा अली खान हैं। करीना ने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर बर्थडे बॉय की एक मोनोक्रोम तस्वीर शेयर की, जिसमें इब्राहिम को उनके घर में बैठे देखा जा सकता है। फोटो में करीना और सैफ के बेटे, इब्राहिम को कुछ खिलाते नजर आ रहे हैं। पोस्ट में लिखा गया, हैप्पी बर्थडे डार्लिंग। यह आपका अब तक का सबसे अच्छा बर्थडे हो। करीना और सैफ ने अक्टूबर 2012 में शादी की थी। बता दें कि इब्राहिम ने रॉकी और रानी की प्रेम कहानी के सहायक निर्देशक के रूप में अपने करियर की शुरूआत की थी।

बेटे के साथ सुकून भरी जिंदगी बीता रही निशा रावल

धारावाहिक मीत में नजर आने वाली एक्ट्रेस निशा रावल अपने बेटे काविश के साथ सकून की जिंदगी जी रही हैं। वहीं अब जिंदगी में इतने दुख झेल चुकी निशा ने एक नया घर खरीदा है। निशा ने 5 मार्च को अपने नए घर की कुछ तस्वीरें शेयर की हैं जिसमें वह बेटे संग गृहप्रवेश की पूजा करती दिख रही हैं। सामने आई तस्वीरों में निशा व्हाइट कलर के अनारकली सूट में खूबसूरत लग रही हैं। वहीं कविश मां संग मैचिंग किए नजर आ रहा है। कविश मां के साथ मिलकर गृह प्रवेश की पूजा कर रहा है। इन तस्वीरों के साथ निशा ने लिखा-एक ताजा नई शुरूआत की खुशबू...। बता दें कि निशा रावल अपनी जिंदगी में कई उथल-पुथल से गुजर चुकी हैं। उन्होंने साल 2021 में अपने एक्टर पति करण मेहरा पर घरेलू हिंसा का इल्जाम लगाया था।

स्वातंत्र्य वीर सावरकर का ट्रेलर रिलीज

हाल ही में फिल्म स्वातंत्र्य वीर सावरकर का ट्रेलर रिलीज हुआ। फिल्म का टेलर देखने के बाद एक्ट्रेस अंकिता लोखंडे के फैंस इसमें एक्ट्रेस के लुक की प्रशंसा कर रहे हैं। सोशल मीडिया अकाउंट पर एक फैन ने लिखा, अंकिता स्लेयिंग हर पेट्रियोटिक लुक। जबकि दूसरे ने कहा, आवर वसेर्टाइल एक्ट्रेस अंकिता लोखंडे डूइंग जस्टिस विद द करैक्टर. सो एक्साइटेड फॉर हर मूवी. एक और फैन ने जिक्र किया कि कैसे अंकिता का यमुनाबाई का किरदार प्रभावशाली और दिल को छूने वाला है। उन्होंने कहा कि यह भूमिका अंकिता की है और उन्होंने बेहतरीन तरीके से इसका प्रदर्शन किया है। कमेंट में उन्होंने लिखा, आई एम श्योर इट इज गोइंग टू बी सो इफेक्टिव परफॉरमेंस ऑफ योर्स. वेटिंग लाइक एनीथिंग टू सी यू ऑन बिग स्क्रीन अगेन. बता दें कि अंकिता इस फिल्म में प्रसिद्ध क्रांतिकारी विनायक दामोदर सावरकर की पत्नी यमुनाबाई का किरदार निभाती नजर आ रही हैं, जिसमें मुख्य भूमिका में रणदीप हुड्डा हैं।

फिल्म क्रू का पहला गाना आया सामने

मुंबई (ईएमएस)। बालीवुड फिल्म क्रू का पहला गाना सामने आया है। इस फिल्म में पंजाबी सुपरस्टार दिलजीत दोसांझ और रैपर बादशाह के साथ तब्बू, करीना कपूर खान और कृति सेनन दिखाई दे रही हैं। गाने को पंजाब के जाने माने सिंगर दिलजीत दोसांझ ने अपनी आवाज दी है। बादशाह के रैप ने इस गाने में जान डाल दी है। गाने में तब्बू, करीना कपूर खान और कृति सेनन बोल्ड अवतार में दिखाई दे रही हैं। इस गाने को विमान केबिन में शूट किया गया है। तीनों एक्ट्रेस के किलर डांस मूव्स और लुक ने गाने में जान डाल दी है। दिलजीत और बादशाह ने गाने को आकर्षक बीट्स से भर दिया है। बादशाह का सिग्नेचर रैप ट्रैक में एक अतिरिक्त परत जोड़ता है। क्रू में करीना कपूर, तब्बू और कृति सेनन और दिलजीत दोसांझ ने भूमिका निभाई है। इसमें कपिल शर्मा का भी कैमियो रोल है। फिल्म का टीजर 24 फरवरी को सामने आया था। स्टोरी की बात करें तो यह तीन महिलाओं के इर्द-गिर्द घूमती है, जो सब एक ही एयरलाइन में काम करती हैं। यह फिल्म 29 मार्च को सिनेमाघरों में दस्तक देने के लिए तैयार है। फिल्म क्रू का निर्देशन राजेश ए कृष्णन ने किया है, यह बालाजी टेलीफिल्म्स और अनिल कपूर फिल्म एंड कम्युनिकेशंस नेटवर्क द्वारा निर्मित है।

फैशन वीक शो में गिगी ने दी खास अपीयरेंस

हाल ही में अमेरिकन फैशन मॉडल गिगी हदीद ने पेरिस फैशन वीक शो में खास अपीयरेंस दी। इस दौरान हसीना का स्टनिंग लुक देखने को मिला। लुक की बात करें तो गिगी ने ब्लैक ड्रेस पेयर की थी। मिनिमल मेकअप, ग्लोसी लिप्स गिगी के लुक को परफेक्ट बना रहे थे। इसके साथ ही गिनी ने सोने के हूप्स, गोल्डन नेकलेस से लुक को पूरा किया था। रैंप पर उतरी हसीना ने अपने लुक से हर किसी का दिल जीत लिया। फैंस गिगी की इन तस्वीरों को काफी पसंद कर रहे हैं। पर्सनल लाइफ की बात करें तो गिगी हदीद इन दिनों मदरहुड टाइम को एंजाय कर रही हैं। गिगी हदीद और उनके बायफ्रेंड जयान मलिक ने 19 सितंबर साल 2020 को बेटी का वेलकम किया था। बता दें कि अमेरिकन फैशन मॉडल गिगी हदीद अपने फैशन स्टेंटमेंट को लेकर हमेशा चर्चा में रहती है। मॉडल की बोल्ड तस्वीरें सोशल मीडिया पर तहलका मचा देती हैं।

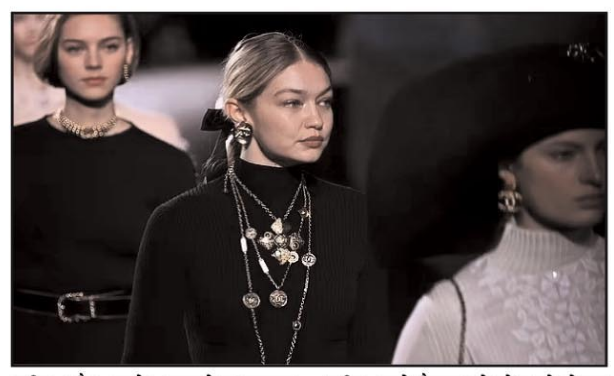

नातिन की शादी में डांस करते वक्त घायल हुए दिग्गज अभिनेता धर्मेंद्र, तस्वीर शेयर की

कुछ दिन पहले दिग्गज अभिनेता धर्मेंद्र ने इंस्टाग्राम पर अपनी एक तस्वीर शेयर की थी। इस फोटो को देखकर उनके फैंस काफी चिंतित हो गए लेकिन बाद में धर्मेंद्र ने ये फोटो डिलीट कर दी। इस फोटो और धर्मेंद्र की हालत को लेकर अहम जानकारी सामने आई है। धर्मेंद्र पिछले दो हफ्ते से बीमार हैं। इसके अलावा उनकी पीठ और पैर में भी चोट आई है। दरअसल, हुआ ये कि कुछ समय पहले धर्मेंद्र की नातिन निकिता चौधरी ने अपने लॉन्ग टाइम बॉयफ्रेंड से उदयपुर में शादी की थी, जिसमें धर्मेंद्र और उनका पूरा परिवार शामिल हुआ था। इस दौरान धर्मेंद्र समेत सनी और बॉबी ने खूब डांस भी किया था। ऐसे में धर्मेंद्र को चोट आ गई। वहां डांस करते वक्त गिर गए और उन्हें चोट लग गई उनकी सेहत पर बुरा असर पड़ा। सूत्र ने बताया कि बदलते मौसम, डांस करते समय चोट लगने और बढ़ती उम्र के कारण धर्मेंद्र की हालत खराब हो गई है। अब वह ठीक हैं और उनकी सेहत में धीरे-धीरे सुधार हो रहा है। धर्मेंद्र ठीक से खान-पान कर अपनी सेहत पर भी ध्यान दे रहे हैं।

सूडोकु नवताल- 6727

★★★★★ कठिनतम

				6	8	5		
	1						2	
		2						8
			4					9
6				5				1
2					3			
5						3		
	8						6	
		4	9	1				

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6726 का हल

2	4	6	7	9	3	5	8	1
3	1	5	2	8	6	4	7	9
7	8	6	1	5	4	2	3	6
6	5	7	9	3	8	1	4	2
9	3	1	4	7	2	8	6	5
4	2	8	6	1	5	7	9	3
1	9	2	3	4	7	6	5	8
5	7	3	8	6	1	9	2	4
8	6	4	5	2	9	3	1	7

Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्दजाल- 7474

अ	व	र	नो	ए	न्ट्री	स	प	ला	नी	का
धु	है	क	ज	इं	डो	ने	ह	इं	म	ल
म	क्या	दि	ल	ने	क	हा	ड	सा	प	नि
हु	रा	ल	मा	ज	ल	स	रा	न	इ	ही
को	ई	मे	रे	दि	ल	से	पु	छे	क	नि
द	जे	कि	र	क	पा	का	म	न	रि	या
शी	मा	दे	प्या	व	था	य	अ	म	क	ती
द	दे	श	रे	न	प	य	यु	घु	व	ला
स	दि	ल	मो	ले	दा	र	जा	वा	वी	दे
क्षि	ज	ति	ह	हि	द	ह	मा	द	ल	र
त	र	सु	न	मा	स्व	रा	ज	त	र	म

शब्दजाल में ईशा देओल 10 फिल्मों के नाम' ढूंढिए.शब्द ऊपर से नीचे,दाएं से बाएं एवं तिरछे हो सकते हैं

नो एन्ट्री, दस, प्यारे मोहन, धुम, युवा, इंसान, अनकही, क्या दिल ने कहा, कोई मेरे दिल से पुछे, काल.

शब्दजाल - 7473 का हल

कृ	श	मु	श	सी	क	हो	ना	प्या	र	हैं
ष	क्रि	ल	ना	तु	म	जा	नो	ना	ह	म
य	के	या	हे	नि	ल	ना	न	व	टि	रू
इं	ट	दें	न	शा	वो	क्षय	क	ले	ज	क
प	दा	ह	मी	ने	तो	हो	थ	गो	भी	त
को	स	क	प	श	स	ए	व	खु	वॉ	व
द	ई	न	न	जी	न	ह	शी	गो	ली	द
क	र	मि	प	क्श	प	क	र	चो	आ	ख
र	व	त	ल	रा	भी	त	श्मी	अ	शा	अ
क	र	ल	प	ग	ज	ता	रे	र	ह	द
क	ह	रि	म	श	या	चि	मु	की	फि	जा

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग- 6427

	2		6		5	
	33	2	33	4	26	7
4	5		6			3
	34		40	6	32	
1	3	6			7	2
5	30		31		39	
		1		2		4

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है.खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं.गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी.सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 6426 का हल

1	6	2	4	3	7	5
5	30	3	21	1	35	7
7	5	1	3	4	2	6
2	33	6	39	7	31	3
4	3	5	7	6	1	2
6	33	4	42	5	26	1
3	1	7	6	2	5	4

Jagrutidaur.com, Bangalore

100वां टेस्ट खेल रहे रविचंद्रन अश्विन ने धर्मशाला में खोला पंजा

धर्मशाला (हि.स.)। धर्मशाला में अपना 100वां टेस्ट खेल रहे भारतीय स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने दूसरी पारी में शानदार गेंदबाजी करते हुए पांच विकेट अपने नाम कर लिए हैं। अश्विन ने इंग्लैंड के विकेटकीपर बेन फॉक्स को बोल्ड कर पांचवां विकेट लिया। बेन फॉक्स ने आठ रन बनाए। धर्मशाला में 100वां टेस्ट अश्विन के लिए काफी बेहतर रहा है। अश्विन ने पहली पारी में भी चार विकेट लिए थे। ऐसे में अब तक दोनों परियों में अश्विन ने 10 विकेट ले लिए हैं।

अलग एक्शन और स्पीड से की गेंदबाजी : अश्विन

धर्मशाला (हि.स.)। धर्मशाला टेस्ट में दो पारियों में नौ विकेट लेने वाले स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने कहा कि बाहरी प्रतिक्रियाओं पर ध्यान दिए बिना प्रयोग करना भारत की विभिन्न परिस्थितियों में उनकी सफलता का राज है। इंग्लैंड के खिलाफ यहां खेला गया पांचवा और अंतिम टेस्ट मैच अश्विन का 100वां टेस्ट मैच था। उन्होंने पांच मैच की सीरीज में सर्वाधिक 26 विकेट लिए। अश्विन ने पांचवें मैच में भारत की पारी और 64 रन से जीत के बाद कहा कि पूरी सीरीज के दौरान उन्होंने अलग एक्शन और स्पीड से गेंदबाजी की। भारत में परिस्थितियां अलग होती हैं, यहां प्रत्येक मैदान से जुड़ी अपनी चुनौतियां होती हैं, लोग मेरे बारे में क्या सोचते हैं, इसको लेकर मैं कभी असहज महसूस नहीं करता हूं। 37 वर्षीय खिलाड़ी ने कहा कि अपनी गेंदबाजी में नए आयाम जो ?ने की मानसिकता से उनको फायदा हुआ है।

भारत ने पारी और 64 रनों से जीता धर्मशाला टेस्ट

धर्मशाला (हि.स.)। धर्मशाला में खेले गए पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के अंतिम मुकाबले में भारतीय टीम ने इंग्लैंड के खिलाफ बड़ी जीत दर्ज की। भारतीय टीम ने पारी और 64 रनों से धर्मशाला टेस्ट को तीसरे दिन ही अपने नाम कर लिया है। मैच में इंग्लैंड ने अपनी पहली पारी में 218 रन बनाए थे। भारतीय टीम ने पहली पारी में 477 रन बनाए और 259 रन की बड़ी लीड बनाई। इसके बाद दूसरी पारी में इंग्लैंड की टीम 195 रन पर ही सिमट गई और मैच हार गई। इसी के साथ भारतीय टीम ने पांच मैचों की टेस्ट सीरीज को 4-1 से अपने नाम कर लिया।

अश्विन के लिए यादगार रहा 100वां टेस्ट

दिग्गज स्पिनर रविचंद्रन अश्विन के लिए उनका 100वां टेस्ट यादगार बन गया। उन्होंने अपने 100वें टेस्ट (धर्मशाला टेस्ट) में शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने पहली पारी में चार और दूसरी पारी में पांच विकेट झटके। उन्होंने मैच में कुल 9 विकेट अपने नाम किए।

इंग्लैंड की बल्लेबाजी रही फ्लॉप

दूसरी पारी में इंग्लैंड की बल्लेबाजी पूरी तरह फ्लॉप रही। एक मात्र बल्लेबाज जो रूट ने सबसे अधिक 84 रन बनाकर इंग्लैंड को कुछ हद तक 195 के स्कोर तक पंहुचाने में अहम भूमिका निभाई। अन्य बल्लेबाज कुछ खास नहीं कर पाए। इंग्लैंड की ओर से 100वां टेस्ट खेलने वाले जॉनी बेयरस्टो ने 39 रन की पारी खेली। इसके अलावा टॉम हार्टले 20 रन, ओली पोप 19 रन और शोएब बशीर ने 13 रनों का योगदान दिया।

भारत की ओर से रविचंद्रन अश्विन ने बेहतरीन गेंदबाजी करते हुए पांच विकेट लिए, जबकि कुलदीप यादव और जसप्रीत बुमराह को दो-दो तथा रविंद्र जडेजा को एक विकेट मिला।

मैच में टॉस जीतकर इंग्लैंड ने चुनी थी बल्लेबाजी

मैच में इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया था। इंग्लैंड की पहली पारी महज 218 रनों पर ही सिमट गई थी। पहले दिन भारतीय स्पिन गेंदबाजों के आगे इंग्लैंड के बल्लेबाज पूरी तरह से घुटने टेकते नजर आए। टीम के लिए सलामी बल्लेबाज जैक क्रॉली ने सबसे अधिक 79 रन बनाए। इसके अलावा बेन डकेट ने 27 रन, जॉनी बेयरस्टो ने 29 रन, जो रूट ने 26 रन तथा बेन फोक्स ने 24 रनों का योगदान दिया।

भारत की ओर से पहली पारी में स्पिनर कुलदीप यादव ने पांच विकेट लिए। वहीं, अपना 100वां टेस्ट खेल रहे रविचंद्रन अश्विन ने चार विकेट लिए। रविन्द्र जडेजा को एक विकेट मिला।

पहली पारी में कप्तान रोहित और शुभमन गिल ने जड़ा शतक

भारतीय टीम ने पहली पारी में 477 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया और इंग्लैंड पर 259 रन की बड़ी लीड बनाई। पहली पारी में कप्तान रोहित शर्मा ने 103 और शुभमन गिल ने 110 रन की शानदार शतकीय पारी खेली। इनके अलावा सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने 57 रन, देवदत्त पडिक्कल 65 रन और सरफराज खान ने 56 रन की अर्धशतकीय पारी खेली। कुलदीप यादव 30 रन और जसप्रीत बुमराह ने 20 रन का योगदान दिया।

इंग्लैंड की ओर से शोएब बशीर ने 5 विकेट, जेम्स एंडरसन और टॉम हार्टले ने 2-2 विकेट और बेन स्टोक्स ने एक विकेट लिया।

बीसीसीआई ने की टेस्ट क्रिकेट प्रोत्साहन योजना की घोषणा

लंबे प्रारुप में खिलाड़ियों की भागीदारी को बढ़ावा देना उद्देश्य

नई दिल्ली (हि.स.)। इंग्लैंड पर भारत की शानदार श्रृंखला जीत के बाद, भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव जय शाह ने शनिवार को भारतीय पुरुष टीम के लिए टेस्ट क्रिकेट प्रोत्साहन योजना की घोषणा की। योजना के तहत खेल के सबसे लंबे प्रारूप में भाग लेने के लिए खिलाड़ियों को सामान्य मैच फीस के अलावा अतिरिक्त प्रोत्साहन राशि मिलेगी। शाह ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर यह घोषणा की कि प्रोत्साहन योजना खिलाड़ियों के लिए 15 लाख रुपये की मौजूदा मैच फीस के अलावा अतिरिक्त इनाम संरचना के रूप में काम करेगा। यह कदम उन खिलाड़ियों को वित्तीय विकास और स्थिरता प्रदान करेगा जो खेल के सबसे सम्मानित प्रारूप में उत्सुकता से भाग

लेते हैं। शाह ने ट्वीट किया कि मुझे वरिष्ठ पुरुषों के लिए टेस्ट क्रिकेट प्रोत्साहन योजना की शुरुआत की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है, जिसका उद्देश्य हमारे सम्मानित एथलीटों को वित्तीय विकास और स्थिरता प्रदान करना है। 2022-23 सीज़न से शुरू होकर, टेस्ट क्रिकेट प्रोत्साहन योजना शुरू होगी टेस्ट मैचों के लिए मौजूदा मैच फीस के ऊपर एक अतिरिक्त इनाम संरचना के रूप में कार्य करेगी, जो कि 15 लाख रुपये निर्धारित है। यह मानते हुए कि एक सीज़न में कम से कम नौ टेस्ट मैच हैं, 50 प्रतिशत से कम या चार से कम मैच खेलने वाले खिलाड़ी इस योजना के पात्र नहीं होंगे। पांच-छह टेस्ट (50 प्रतिशत से अधिक) खेलने वाले खिलाड़ियों को प्लेइंग इलेवन में शामिल होने पर प्रति मैच 30 लाख रुपये या प्लेइंग इलेवन में शामिल नहीं होने पर 15 लाख रुपये प्रति मैच का प्रोत्साहन दिया जाएगा। सात से अधिक मैच (75 प्रतिशत से अधिक) खेलने वाले खिलाड़ियों को प्लेइंग इलेवन में शामिल करने पर प्रति मैच 45 लाख रुपये या प्लेइंग इलेवन में शामिल नहीं करने पर प्रति मैच 22 लाख रुपये की प्रोत्साहन राशि दी जाएगी। यह कदम खेल के सबसे पुराने प्रारूप को संरक्षित करने और महत्व देने के लिए बोर्ड की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। बोर्ड ने यह देखते हुए कि कई खिलाड़ियों ने लाल गेंद वाले क्रिकेट के बजाय इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) को प्राथमिकता देना शुरू कर दिया है, हाल के हफ्तों में खिलाड़ियों से अधिक टेस्ट क्रिकेट खेलने का आग्रह किया है, चाहे वह अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर हो या घरेलू स्तर पर।

इंग्लैंड के जेम्स एंडरसन ने बनाया रिकॉर्ड 700 विकेट लेने वाले पहले तेज गेंदबाज बने

धर्मशाला (हि.स.)। धर्मशाला टेस्ट के तीसरे दिन इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन ने अपने टेस्ट कैरियर के 700 विकेट पूरे कर लिए हैं। 41 वर्षीय एंडरसन ने कुलदीप यादव की विकेट लेकर यह कारनामा किया है तथा वह विश्व के पहले ऐसे तेज गेंदबाज बन गए हैं जिन्होंने सबसे अधिक 700 विकेट लिए हैं। वहीं एंडरसन टेस्ट क्रिकेट में तीसरे ऐसे गेंदबाज बन गए हैं जिन्होंने अपने कैरियर के 700 विकेट पूरे किए हैं। वहीं अगर टेस्ट क्रिकेट में सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाजों की करें तो श्रीलंका के स्पिनर मुथैयया मुरलीधरन 800 विकेट लेने वाले पहले गेंदबाज हैं। इसके बाद आस्ट्रलिया के स्पिर रहे शेन वार्न दूसरे स्थान पर हैं जिन्होंने 708 विकेट अपने नाम किए हैं।

सचिन ने की तारीफ

नई दिल्ली (हि.स.)। महान भारतीय बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ने जेम्स एंडरसन के क्रिकेट के सबसे लंबे प्रारूप में 700 विकेट लेने वाले पहले तेज गेंदबाज बनने पर खुशी व्यक्त करते हुए इसे एक शानदार उपलब्धि बताया। जेम्स एंडरसन शनिवार को एचपीसीए में भारत के खिलाफ पांचवें मैच के तीसरे दिन 700 टेस्ट विकेट लेने वाले पहले तेज गेंदबाज बन गए। एंडरसन सबसे लंबे प्रारूप में यह उपलब्धि हासिल करने वाले श्रीलंका के मुथैया मुरलीधरन (800) और दिवंगत ऑस्ट्रेलियाई लेग स्पिनर शेन वार्न (708) के बाद केवल तीसरे गेंदबाज बने। एंडरसन ने शनिवार को भारत के खिलाफ पांचवें टेस्ट के तीसरे दिन कुलदीप यादव को आउट कर यह उपलब्धि हासिल की। सचिन ने एंडरसन की तारीफ करते हुए इसे बेहद शानदार उपलब्धि बताया। एंडरसन की 700 विकेट की उपलब्धि सचिन के लिए कल्पना जैसी लगती थी। सचिन ने एक्स पर लिखा, पहली बार मैंने एंडरसन को 2002 में ऑस्ट्रेलिया में खेलते देखा था और गेंद पर उनका नियंत्रण विशेष था।

हैमिल्टन मसाकाद्जा ने जिम्बाब्वे के क्रिकेट निदेशक पद से दिया इस्तीफा

हरारे (हि.स.)। हैमिल्टन मसाकाद्जा ने शुक्रवार को जिम्बाब्वे के क्रिकेट निदेशक पद से इस्तीफा दे दिया है। मसाकाद्जा के इस्तीफे का मुख्य कारण जिम्बाब्वे क्रिकेट टीम द्वारा आईसीसी पुरुष टी-20 विश्व कप 2024 के लिए अर्हता प्राप्त करने में विफल होना है। क्रिकेट बोर्ड की एक विज्ञप्ति के अनुसार, मसाकाद्जा ने अपने त्याग पत्र में लिखा कि यह निर्णय हमारे क्रिकेट की सफलताओं और असफलताओं और मेरी जिम्मेदारियों पर सावधानीपूर्वक विचार करने के बाद लिया गया है।चाहे मेरे कार्यकाल में कितनी

भी प्रगति क्यों न हुई हो, तथ्य यह है कि हम एकमात्र पूर्ण सदस्य देश हैं जो युगांडा से हमारी करारी हार के बाद अगले टी-20 विश्व कप में भाग नहीं ले रहे हैं। उन्होंने आगे लिखा कि यह वास्तव में मेरे कैरियर के सबसे निचले बिंदुओं में से एक था और मैं क्रिकेट निदेशक के रूप में पूरी जिम्मेदारी लेता हूं। यह निर्णय लेना बहुत कठिन था और मैं जिम्बाब्वे क्रिकेट के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध हूं और एक अलग तरीके से सेवा करने में रुचि रखता हूं। संगठन 2026 में पुरुषों के अंडर-19 विश्व कप और 2027 में पुरुषों के 50 ओवर के विश्व कप की मेजबानी के लिए तत्पर है। मसाकाद्जा ने अक्टूबर 2019 में क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास लेने के तुरंत बाद यह पद संभाला था। बोर्ड ने आगे कहा कि वह विभिन्न क्षमताओं में जिम्बाब्वे क्रिकेट में शामिल रहेंगे। जिम्बाब्वे क्रिकेट के प्रबंध निदेशक गिवमोर मकोनी ने कहा कि एक क्रिकेट दिग्गज के रूप में हैमिल्टन की स्थिति संदेह में नहीं है और हम मैदान के अंदर और बाहर खेल में उनके अपार योगदान के लिए उनके आभारी हैं। अपने खेल कैरियर को अलविदा कहने के बाद, उन्होंने यह सुनिश्चित करने के लिए अपना पूरा प्रयास किया कि जिम्बाब्वे क्रिकेट के पास अगली पीढ़ी के खिलाड़ियों को पहचानने, विकसित करने और तैयार करने के लिए नींव मौजूद हो। उन्होंने कहा कि जैसा कि वह अपनी वर्तमान भूमिका छोड़ रहे हैं, एक संगठन के रूप में हमें यह जानकर बहुत संतुष्टि होती है कि, कुछ महत्वपूर्ण परिणाम हमारे पक्ष में नहीं होने के बावजूद, जिम्बाब्वे टीमों और हमारे क्रिकेट ने उनकी देखरेख में महत्वपूर्ण प्रगति की है।

ट्रिपल आईटी में रंगारंग कार्यक्रम के साथ खेल महाकुंभ की हुई शुरुआत

प्रयागराज (हि.स.)। देश के समस्त ट्रिपल आईटी का बहुप्रतीक्षित खेल महाकुम्भ की शुरुआत शनिवार को रंगारंग कार्यक्रम के साथ झलवा परिसर स्थित मुख्य स्टेडियम में हुई। इस राष्ट्रीय खेल आयोजन में 22 आईआईआईटी से 1749 प्रतिभागी पंद्रह से अधिक खेल प्रतियोगिताओं में हिस्सा ले रहे हैं। मुख्य अतिथि ओलम्पिक निशानेबाज संजीव राजपूत ने रंगारंग तरीके से उत्सव का उद्घाटन किया। उन्होंने खेल के क्षेत्र में सफलता प्राप्त करने के लिए समर्पण, कड़ी मेहनत और दृढ़ता के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने आगामी ओलम्पिक खेल में भारत को शूटिंग के पदक का सबसे प्रबल दावेदार बताया। जिसके लिए समस्त तैयारियां चल रही हैं। ट्रिपल आईटी इलाहाबाद के निदेशक प्रोफेसर मुकुल शरद सुतावने ने छात्रों को विभिन्न खेल गतिविधियों में भाग लेते देखकर छात्रों के समग्र विकास में खेलों के महत्व पर जोर दिया और उन्हें आगामी कार्यक्रमों में अपना सर्वश्रेष्ठ देने के लिए प्रोत्साहित किया। निदेशक ने छात्रों को स्वस्थ जीवन शैली बनाए रखने और उनके समग्र कल्याण में मदद करने के लिए शारीरिक गतिविधियों में शामिल होने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। उन्होंने टीम वर्क, अनुशासन और दृढ़ संकल्प के महत्व पर भी जोर दिया, जो खेल के साथ-साथ जीवन में भी महत्वपूर्ण है। आईआईआईटीएम ग्वालियर के निदेशक प्रोफेसर एसएन सिंह ने मैचों के नतीजे की परवाह किए बिना निष्पक्ष खेल और विरोधियों के प्रति सम्मान के महत्व पर जोर दिया। कहा कि खेल प्रतियोगिताएं न केवल छात्रों को खेल में उत्कृष्टता हासिल करने के लिए एक मंच प्रदान करती हैं बल्कि प्रतिभागियों के बीच सौहार्द और एकता की भावना को बढ़ावा देने में भी मदद करती हैं। इस अवसर पर आईआईआईटीडीएम, जबलपुर के निदेशक प्रो. भारतेंदु के सिंह ने कहा कि खेल प्रतियोगिताओं ने छात्रों को अपनी प्रतिभा और खेल कौशल दिखाने के लिए एक मंच प्रदान किया है। निदेशक ने छात्रों को खेल भावना का आनंद लेने और खेल प्रतियोगिताओं से मिलने वाले अवसरों का अधिकतम लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने आशा व्यक्त की कि छात्र कार्यक्रमों में अपनी भागीदारी से जीवन के मूल्यवान सबक सीखेंगे। संस्थान के डॉ पंकज मिश्र ने बताया कि मुख्य स्टेडियम में 22 आईआईआईटी टीम का एक रंगारंग मार्च पास्ट निकाला गया, जिसमें हजारों छात्र शामिल हुए। आज कई आयोजन हुए. ओपन एयर थिएटर में रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया।

कैटरीना एडम्स ने जीता 2023 आईओसी जीईडीआई वैश्विक चैंपियंस पुरस्कार

जिनेवा (हि.स.)। पूर्व अमेरिकी टेनिस खिलाड़ी कैटरीना एडम्स को शुक्रवार को अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) के 2023 लैंगिक समानता, विविधता और समावेशन (जीईडीआई) वैश्विक चैंपियंस पुरस्कार से सम्मानित किया गया। आईओसी ने शुक्रवार को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर एडम्स और अन्य महाद्वीपीय विजेताओं को पुरस्कृत किया। केन्या की आइरीन लिमिका, चिली की मारियालोरेटो गोंजालेज जैक, श्रीलंका की जयंती कुरु-उटुम्पला, फ्रांस की ऑरेली ब्रेसन और ऑस्ट्रेलिया के पैट्रिक जॉनसन जीईडीआई महाद्वीपीय विजेता हैं। 2015-2018 तक यूएस ओपन के अध्यक्ष के रूप में, यूनाइटेड स्टेट्स टेनिस एसोसिएशन (यूएसटीए) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी, अध्यक्ष और अध्यक्ष एडम्स ने हिस्पैनिक पहल शुरू की, जिसके कारण अमेरिका में लैटिनो टेनिस खिलाड़ियों की संख्या में 15 प्रतिशत की वृद्धि हुई।

रंगारंग कार्यक्रम के साथ शुरू हुए 13वें अफ्रीकी खेल

अकारा (हि.स.)। 13वें अफ्रीकी खेल शुक्रवार रात घाना विश्वविद्यालय के स्टेडियम में आयोजित जीवंत उद्घाटन समारोह में संस्कृति, एकता और एथलेटिक भावना के शानदार प्रदर्शन के साथ शुरू हुए। दो सप्ताह तक चलने वाले इस प्रतिष्ठित कार्यक्रम का जश्न मनाने के लिए पूरे महाद्वीप से हजारों एथलीट, अधिकारी और खेल प्रशंसक एक साथ आए। उद्घाटन समारोह रंगों, कोरियोग्राफी और अफ्रीका की समृद्ध विविधता के प्रतीकात्मक प्रतिनिधित्व का एक शानदार उत्सव था, जिसमें भाग लेने वाले देशों ने स्टेडियम में परेड की, माहौल उत्साह और गर्व से भरा हुआ था, जो एकता और सौहार्द के साझा मूल्यों को दर्शाता था। मेजबान देश, घाना ने अपनी सांस्कृतिक विरासत को प्रदर्शित करने में कोई कसर नहीं छोड़ी, पारंपरिक नृत्य, संगीत और घाना के शीर्ष संगीतकारों के कलात्मक प्रदर्शन, जिनमें डांसहॉल कलाकार शट्टा वेले, किंग प्रॉमिस और दक्षिण अफ़्रीकी सनसनी कामो मफ़ेला शामिल थे, ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। बोर्टेमैन स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स और घाना स्टेडियम के नवीनीकृत विश्वविद्यालय को खेलों के लिए मुख्य स्थल के रूप में चुना गया है। सिन्हुआ के अनुसार, घाना के राष्ट्रपति नाना एडो डंकवा अकुफो-एडो ने कहा कि इस आयोजन ने महाद्वीप को एकजुट करने के लिए खेलों का उपयोग करने का अवसर प्रदान किया है। उन्होंने कहा कि अफ्रीकी खेल पूरे अफ्रीकी महाद्वीप में एकता, खेल भावना और उत्कृष्टता का उत्सव है।

विश्व ओलंपिक मुक्केबाजी क्वालीफायर में हारे हुसामुद्दीन

बस्टो अर्सिजियो (हि.स.)। विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता मोहम्मद हुसामुद्दीन को शनिवार को इटली के बस्टो अर्सिजियो में चल रहे प्रथम विश्व ओलंपिक मुक्केबाजी क्वालीफायर में हार का सामना करना पड़ा। हुसामुद्दीन को 57 किग्रा वर्ग में मौजूदा राष्ट्रमंडल खेलों के चैंपियन आयरलैंड के 22 वर्षीय जूड गैलाघेर के खिलाफ 4-0 से हार का सामना करना पड़ा। दो बार के राष्ट्रमंडल खेलों के कांस्य पदक विजेता 30 वर्षीय हुसामुद्दीन को पहले दौर में बाई मिली थी। उनके बाहर होने के बाद, निशांत देव देश के लिए ओलंपिक कोटा हासिल करने की दौड़ में बने रहने वाले एकमात्र भारतीय बने हुए हैं। बस्टो अर्सिजियो मीट में कुल नौ भारतीय मुक्केबाजों ने भाग लिया। निशांत देव, जो विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता भी हैं, रविवार देर रात पुरुषों के 71 किग्रा वर्ग में अपने राउंड ऑफ़ 16 मैच में एक्शन में होंगे। पहले विश्व ओलंपिक मुक्केबाजी क्वालिफिकेशन टूर्नामेंट में 590 से अधिक मुक्केबाज हिस्सा ले रहे हैं। यह टूर्नामेंट 2024 पेरिस ओलंपिक में पुरुषों के लिए 28 और महिलाओं के लिए 21 सहित कुल 49 कोटा प्रदान करेगा। महिलाओं के 57 किग्रा (दो कोटा) और महिलाओं के 60 किग्रा (तीन कोटा) को छोड़कर, वजन वर्गों में चार कोटा की पेशकश होगी। महिला मुक्केबाज निकहत ज़रीन (50 किग्रा), प्रीति पवार (54 किग्रा), परवीन हुडा (57 किग्रा) और लवलीना बोरगोहेन (75 किग्रा) ने पिछले साल एशियाई खेलों में भारत के लिए कोटा हासिल किया था।

कैस्टर ऑयल लगाकर डार्क सर्कल को कहे अलविदा

आंखें, यह शरीर का सबसे नाजुक और कोमल अंग है। स्वस्थ और सुंदर आंखें चेहरे की सुंदरता में चार चांद लगा देती है। ऐसे में अगर आंखों के नीचे काले घेरे हो तो इससे चेहरे की खूबसूरती पर असर पड़ता है। इन काले घेरों से निजात पाने के लिए कई लड़कियां बहुत से ब्यूटी टिप्स को भी फॉलो करती है। लेकिन फिर भी उन्हें ज्यादा कोई फर्क दिखाई नहीं देता। इसलिए आज हम आपको कुछ ऐसे आसान तरीके बताएंगे जिन्हें फॉलो करके आप इन काले घेरों से निजात पा सकती हैं।

1. कैस्टर ऑयल और दूध

सबसे पहले एक कटोरी में थोड़ा सा कैस्टर ऑयल और दूध डालें। फिर इसे अच्छी तरह मिला लें। इसके बाद इस मिश्रण को अपनी आंखों के नीचे कम से कम 1 घंटा लगा कर रखें। उसके बाद ठंडे पानी से आंखों को धो लें।

2. कैस्टर ऑयल और बादाम

तीन-चार बूंदे कैस्टर ऑयल की और तीन-चार बूंदे बादाम तेल की दोनों को आपस में मिला लें। उसके बाद हल्के हाथों से इसे अपनी आंखों के नीचे इससे कुछ देर तक मसाज करें।

3. कैस्टर ऑयल और नारियल तेल

कैस्टर ऑयल और नारियल तेल दोनों को बराबर मात्रा में मिला लें। रात को सोने से पहले इसे अपनी आंखों के नीचे लगा लें और सुबह उठकर आंखों को धो लें।

जरूरी बात

- इसे लगाते समय इस बात का खास ध्यान रखें कि तेल आपकी आंखों के अंदर ना जाए। तेल को लगाते समय आप रूई का भी इस्तेमाल कर सकते हैं।
- आंखों की मसाज करते समय अपनी उंगलियों को हमेशा गोल-गोल घुमाएं।

हेल्थ अलर्ट

इम्युन सिस्टम को ठीक रखता है शिकंजी

गर्मियों में अेसर लोगों का हाजमा खराब हो जाता है। इसे ठीक करने के कई आयुर्वेदिक उपाय हैं। इसमें शिकंजी एक लोकप्रिय विधि है। आयुर्वेद के जानकार मदन जोगी इससे फायदे बता रहे हैं। रोज एक शिकंजी का जूस पीने से शरीर का इेयून सिस्टम दुरुस्त रहता है।

यह हैं शिकंजी पीने के फायदे

शिकंजी पीने से शरीर का इेयुन सिस्टम दुरुस्त करता है। लेकिन इसे बनाने में यह सावधानी बरतनी चाहिए कि में चीनी की जगह गुड़ का इस्तेमाल करें। ज्यादा चीनी डालने से यह पेट में एसिडिटी पैदा करती है।

गर्मियों में पसीना चलने से शरीर के कई तत्व बाहर आ जाते हैं। इसमें जरूरी इलेट्रॉलाइट्स भी बाहर निकल जाते हैं। रोज एक ग्लास से शिकंजी पीने से शहरी में इन तत्वों की मात्रा बनी रहती है।

शिकंजी पीने से मुंह से आने वाली दुर्गंध भी दूर होती है। शिंकजी दिन में दो से तीन बार पीने दांतों और मसूड़ों की समस्या में आराम मिलता है।

शिकंजी पीने से हाजमा भी दुरुस्त रहता है। इसमें नींबू और नमक की मात्रा रहती है यह पेट को गर्म नहीं होने देता है।

हेल्थ अलर्ट

दही खाने के होते है अनेक फायदे

दही हमारे भोजन का स्वाद ही नहीं बढ़ाता बल्कि स्वास्थ्य के लिए भी लाभदायक है। इसका उपयोग भोजन के साथ चेहरे व बालों निखार लाने के लिए होता है। इसमें प्रोटीन, कैल्शियम, राइबोलेविन, लैटोज, आयरन, फास्फोरस, विटामिन इ 6 और विटामिन इ 12 इत्यादि पाए जाते हैं. यह सुन्दरता में निखार लाता है, साथ है स्वस्थ जीवन का आधार प्रदान करता है। डॉ सीबी सिंह ने दही के फायदे के बारे में जानकारी दी-

» गाय के दूध से बना दही बलवर्धक होता है। यह शीतल, पौष्टिक और पाचक होता है। - भैंस के दूध से तैयार दी बल वीर्य वर्दधक होता है।

»- दही शरीर में सफेद रक्त कोशिकाओं को बढ़ाता है, जिससे रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ता है। - एंटीबायोटिक दवाइयों के सेवन के दुष्प्रभाव से बचाने में मददगार होता है। - दही का पानी दस्त, केज, पीलिया, दमा के रोगियों के लिए फायदेमंद होता है।

-» मुंह में होने वाले छाले पर दिन में तीन-चार बार दही लगाना फायदेमंद होता है।

-» दही को नुकसानरहित सेवन के लिए दही में काला नमक, सोंठ पुदीना, जीरा पाउर मिलाकर खाना चाहिए।

क्या आपके साथी को आपसे ज्यादा है सोशल मीडिया से प्यार

सोशल मीडिया आज के दौर के यंगस्टर्स के लिए एक जरिया बन गया है अपना समय बिताने का. अब युवा खेलने, दौड़ने-भागने की बजाए, घर पर आराम से बैठकर चैट करना ज्यादा पसंद करते हैं. भले ही इसका खामियाजा उन्हें अपनी सेहत को दांव पर लगाकर यों न करना पड़े. शायद यही कारण है कि आज के युवा उतना ऐंटिव नहीं हो पाते जितने के पहले के युवा हुआ करते थे. ऐसी ही लत से हो सकता है आपके साथी भी गुजर रहे हों. वो भी दिन के 24 घंटे में से 20 घंटे सोशल मीडिया पर बिताते हों. कैसे जानें कि आपको अपने साथी से नहीं बल्कि सोशल मीडिया से ज्यादा प्यार है.

1) फोन है ज्यादा इम्पॉर्टेंट

आप अपने साथी के साथ डेट पर गए हैं लेकिन आप साथी की बजाए अपने फोन में अधिक ध्यान लगा रहे हैं. आप स्नेपचैट पर टैग करने के लिए खाने की फोटो लिक किए जा रहे हैं. बजाए आपके जीवन के बारे में जानने के.

2) लगातार रिलेशनशिप स्टेटस बदलना

आपकी अपने साथी के साथ छोटी-सी बात पर लड़ाई हुई है और लड़ाई होते ही पहली चीज जो आपने की है वो है सोशल मीडिया पर अपना स्टेटस चेंज करना. अकसर ये बहुत से कपल करते हैं. अपने बीच के लड़ाई-झगड़े को अपने तक ही रखें.

3) किसी बेहद पुराने पोस्ट को लेकर लड़ाई करना

आपने अपने साथी को अपने पोस्ट को लाइक करने को कहा था, पर आपके पार्टनर को आपका पोस्ट पसंद नहीं आया. 2 महीने बाद जब आपने इस ओर ध्यान दिया तो आपकी उनसे लड़ाई हो गई.

4) पिक्चर्स को अपलोड करने में चूजी होना

'बेबी ये अपलोड मत करो, वो मत करो, ये सही नहीं'. आपके साथी को इन फोटो के सेलेशन से ज्यादा आईएएस का एग्जाम आसान लगता होगा.

5) अपनी लिस्ट में शामिल दोस?तों को लेकर अपडेट रहना

आप अपने साथी की बजाए दोस्तों के साथ-साथ उनके कजिन के बारे में भी जानने के इच्छुक रहते हैं. आपके अपने फ्रेंड्स को लेकर ज्यादा अपडेट रहते हैं बजाए अपने साथी के.

6) सोशल मीडिया पर प्यार का इजहार

आप सोशल मीडिया पर बार-बार प्यार भरे कोट्स डालते रहते हैं. आप अपने साथी से फेस टू फेस प्यार का इजहार करने की बजाए सोशल मीडिया को अधिक करीबी मानते हैं

इन आसान टिप्स को अपनाकर घर में उगाएं खीरा

खीरा, इसे लोग सलाद के रूप में खूब खाना पसंद करते हैं। वैसे तो खीरा आपको बाजार से भी मिल जाएगा लेकिन अगर आप चाहो तो इसे अपने घर में भी उगा सकते हैं। इसे उगाने की सबसे खास बात तो यह है कि आप इसे किसी भी गमले या फिर कंटेनर में उगा सकते हैं। इसके लिए आपको किसी बड़े से बगीचे की भी आवश?यकता नहीं पड़ेगी। आज हम आपको कुछ टिप्स बताएंगे जिन्हें फॉलो करके आप घर में ही खीरा उगा सकते हैं।

1. गमला

सबसे पहले गमले का आकार चुनें। गमला कम से कम 12 इंट गहरा हो जिसे आप घर पर कहीं भी आसानी से रख सकते हो। गमले में पानी निकलने के लिए भी जगह जरूर छोड़े यानि कि गमले के नीचे की ओर से एक छोटा छेद जरूर करें।

2. मिट्टी या खाद्य

बीज को डालने से पहले गमले को मिट्टी या खाद्य से पूरी तरह भर लें। ताकि पौधे को पूरी तरह पोषण मिल सके।

3. बीज डालें

मिट्टी या खाद्य डालने के बाद इसमे एक छेद करें। फिर ऊपर से बीज को बोएं। छेद करने के लिए आप पेन, पेनसिंल की मदद भी ले सकते हैं।

4. पानी और धूप

गमले में खीरे के बीज को रोपने के बाद उन्हें सही मात्रा में धूप और पानी देते रहे। ताकि पौधे का विकास अच्छे से हो सके।

5. बस, कुछ ही दिनों में खीरे की बेल निकलती नजर आने लगेगी।

हेल्थ अलर्ट

गलती से खरीद लिया हैं डार्क कलर फाउंडेशन

ऐसे करें इस्तेमाल

फाउंडेशन बहुत अच्छा तभी दिखता है जब इसे एक समान तरीके से चेहरे पर लगाया गया हो हालांकि फाउंडेशन लगाना बेहद आसान है। आपको केवल इतना करना है कि सबसे पहले बेस लगाएं। फाउंडेशन से आपका चेहरा चमकदार और सुंदर दिखता है तथा इससे आप आकर्षक दिखती हैं। इसके बावजूद भी कभी-कभी फाउंडेशन खरीदते समय हम गलती से स्किन टोन से अधिक गहरे शेड का फाउंडेशन खरीद लेते हैं। यदि आपका फाउंडेशन बहुत गहरे रंग का है और आपकी त्वचा पर अच्छा नहीं दिख रहा तो उसे हलके रंग का दिखाने के लिए आप कुछ टिप्स अपना सकती हैं ताकि आपको उसे यूं ही फेंकना ना पड़े।

गीला स्पंज यूज करें

बहुत अधिक गहरे रंग का फाउंडेशन लगाने के लिए कभी भी उंगलियां का इस्तेमाल न करें, बल्कि गीले स्पंज की सहायता से डार्क फाउंडेशन को लगाएं। बहुत अधिक हलके या बहुत अधिक गहरे रंग के फाउंडेशन को लगाने के लिए स्पंज यूज करना सबसे अच्छा ऑप्शन होता है। बस इस बात का ध्यान रखें कि स्पंज को बहते हुए पानी में गीला ना करें। पानी पूरी तरह से निकला हुआ होना चाहिए। अब गीले स्पंज को चेहरे पर एक समान तरीके से लगाएं ताकि मेकअप आसानी से फैल जाए और आपके फाउंडेशन का रंग हल्का दिखे।

मॉयश्चराइजर के साथ मिलाएं

हम सभी मॉयश्चराइजर यूज करते हैं और जब गहरे रंग के फाउंडेशन को ठीक करने की बात आती है तो एक तरीका यह भी है कि आप इसे मॉयश्चराइजर के साथ मिला लें। अपने हाथों में थोड़ा सा फाउंडेशन लें और इसमें थोड़ा मॉयश्चराइजर मिला कर अपने चेहरे पर लगाएं और फैलाएं। गहरे रंग के फाउंडेशन की समस्या से निपटने का यह एक प्रभावी तरीका है।

हाई लाईटर के साथ मिलाएं

डार्क फाउंडेशन को हाई लाईटर के साथ अच्छे से मिलाएं और हल्का रंग प्राप्त करें। जब हाई लाईटर को फाउंडेशन के साथ मिलाया जाता है तो यह चेहरे पर एक समान तरीके से फैलता है।

कंसीलर के साथ मिलाएं

जब गहरे रंग के फाउंडेशन की बात आती है तो आपके दिमाग में सबसे पहले जिस चीज को याल आता है वह है कंसीलरे योंकि आप चेहरे के मुंहासों और दाग धेबों को छुपाने के लिए हमेशा कंसीलर यूज करती हैं और जब इसे गहरे रंग के फाउंडेशन के साथ मिलाया जाता है, तो यह त्वचा पर एक संतुलन बना कर रखता है। आपको आंखों के पास एक डॉट से शुरू करना चाहिए और बाद में गालों की तरफ फैलाना चाहिए।

बहुत कम यूज करें

जब आप गहरे रंग के फाउंडेशन यूज करती हैं तो यह बात महत्वपूर्ण हो जाती है कि आप इसकी कम मात्रा यूज करें ताकि यह आपकी त्वचा के रंग के साथ आसानी से मिल जाए। इस प्रकार आप अपने डार्क सर्कल्स भी छुपा सकती हैं। केवल इस बात का ध्यान रखें कि इसकी कम मात्रा को यूज करें और इसे एक समान तरीके से फैलाने के लिए इसे अच्छी तरह मिलाएं।

मुहांसे और रोमछिद्रों की समस्या से निजात पाने के उपाय

किशोरावस्था से तरुणाई में प्रवेश करते समय शरीर में रासायनिक व हारमोनल परिवर्तन तेजी से होते हैं। मुहांसे अधिकतकर इसी आयु में निकलते हैं। लेकिन सभी को नहीं। मुहांसे प्रायः तैलीय त्वचा पर ही निकलते हैं। मुहांसे ही बाद में रोमछिद्र में परिवर्तित हो जाते हैं। जो किशोरियां अगुंलियों से या प्लकर से मुहांसे से पस निकालती हैं, उन्हें ही अेसर रोमछिद्र की शिकायत होती है। कभी-कभी तो मुहांसे दाग भी छोड़ देते हैं जो चेहरे पर भद्दे लगते हैं।

रोमछिद्रों की समस्या युवतियों की एक आम समस्या बनती जा रही है। इनकी समस्या का मूल कारण अत्यधिक तैलीय त्वचा का होना होता है। दूसरा कारण त्वचा की उचित देखभाल न करना होता है। रोमछिद्र हो जाने से जहां एक ओर चेहरे की सुंदरता समाप्त होती है, वहीं दूसरी ओर समय से पूर्व ही किशोरियों के चेहरे पर परिपक्वता झलकने लगती है।

यही कारण है कि आज की युवतियां सौंदर्य के प्रति सजग होती जा रही हैं। हालांकि रोमछिद्रों की समस्या को मूल से तो समाप्त नहीं किया जा सकता फिर भी अगर त्वचा की उचित देखभाल की जाए तो इस समस्या से काफी हद तक छुटकारा पाया जा सकता है। इसके लिए इन सलाहों पर गौर करें-

-» पेट साफ रखें। केज न होने दें। तली चीजों की जगह भोजन में दूध, फल, हरी सेंजियां व सलाद की मात्रा बढ़ाएं।

-» - गरम पदार्थ- मांस, मछली, अंडा, चाय, काफी अधिक लेती हों तो इनकी मात्रा कम कर दें।

-» - दिन में दो-तीन बार चेहरे को पहले गरम व फिर ठंडे पानी सें धोएं।

-» - गरम पानी में कपड़ा भिगो कर पहले चेहरे को भाप दें। उसके बाद रोमछिद्र खुल जाने पर चेहरे को ठंडे पानी से थपथपाएं व बर्फ का टुकड़ा तब तक धीरे-धीरे मलें जब तक कि त्वचा सहन कर सके।

-» चेहरा साफ हो जाने पर एंस्ट्रिजेंट का प्रयोग करें।

-» - चेहरे पर क्रीम नहीं लगाएं।

-» - चेहरे पर भारी-भरकम मेकअप नहीं करें।

-» - गरमियों में चेहरे पर खीरे का रस लगाएं।

-» रोमछिद्रों को बंद करने के लिए फिटकरी को गरम पानी में घोल कर रुई की सहायता से चेहरे पर लगाएं।

-» - टमाटर को चेहरे पर मलने से रोमछिद्रों से छुटकारा मिल सकता है।

-» - अंडे की सफेदी का मास्क रोमछिद्रों को संकुचित करने में ज्यादा उपयोगी साबित हो सकता है। इस मास्क का प्रयोग सप्ताह में दो या तीन बार जरूर करें।

-» - टमाटर, मुलतानी मिट्टी और फिटकरी तीनों को अच्छी तरह मिस करके चेहरे पर लगाने से चेहरा सुंदर तो होता ही है साथ ही रोमछिद्र भी बंद हो जाते हैं।

-» - थर्मोहर्ब पाउडर का प्रयोग मास्क के रूप में करें। हल्के कुनकुने पानी में थर्मोहर्ब पाउडर डाल कर उसका लेप बना कर आंखों व होठों को छोड़ बाकी चेहरे पर लगाएं। यह मास्क त्वचा की भीतरी परतों में नमी पहुंचा कर तनाव हटाता है और खुले रोमछिद्रों को बंद करता है।

-» कभी-कभी हारमोन असंतुलन के कारण भी रोमछिद्र भरने में समय लगता है। ऐसी स्थिति में त्वचा विशेषज्ञ से सलाह जरूर लें।

पीपल के पेड़ के अनगिनत फायदे

सदियों से ही लोग पीपल के पेड़ की पूजा करते हैं। धरती पर सभी पेड़ों में यही एक पेड़ है जो सबसे ज्यादा ऑसीजन छोड़ता है। यह पेड़ 24 घंटे ऑसीजन देता है। यह पेड़ हमें कई बीमारियों से निजात दिलाता है। पीपल के पेड़ के सेू पौ, सूखे फल, जड़ और जहां तक कि इसके बीज भी हमारे शरीर के लिए बहुत ही फायदेमंद हैं। आइए, इसके अनगिनत फायदों के बारे में जानते हैं।

1. झुर्रियां

पीपल के पेड़ की जड़ को पानी में भिगोकर इसको पीस लें और फिर इस पेस्ट को फेस पर लगाएं। सूखने पर चेहरा धो लें। इस पैक को नियमित लगाने से चेहरे पर बढ़ती हुई उम्र की वजह से आई झुर्रियां खत्म हो जाती हैं।

2. दाद-खाज और खुजली

दाद-खाज दूर करने के लिए पीपल के 4 पोों को चबाकर सेवन करें। यदि ऐसा नहीं कर सकते हो तो पीपल के पे? की छाल का का?ा बना लें और इसे दाद व खुजली वाली जगह पर लगाएं।

3. पेट ठीक करें

केज, गैस और पेट दर्द आदि की समस्या को दूर करने के लिए पीपल के ताजे पोों को जूस सुबह-शाम पीएं। इस जूस को पीने से वात और पि‍ा भी ठीक हो जाते है।

4. दमा

दमा के रोगियों के लिए पीपल वरदान से कम नहीं है। पीपल के पेड़ की छाल के अंदर के हिस्से को निकाल लें और इसे सूखा लें। सूखने के बाद इसका बारीक चूर्ण बना लें और पानी के साथ दमा रोगी को दें।

5. नजला-जुकाम

इसके पोों का चूर्ण गुनगुने पानी में थोड़ी सी मिश्री के साथ मिलाकर पीने से नजला-जुकाम तक ठीक हो जाता है। यदि किसी को कई सालों से जुकाम रहता है तो इस सेने से वो भी ठीक हो जाता है।

6. घाव भरें

चोट के घावों को जल्दी भरने के लिए पीपल के पोों को गर्म कर लें और चोट के घाव पर लगाएं। इससे घाव को अराम मिलेगा और जल्द ही वह भरने लगेगा।

7. ए?ियां मुलायम बनाएं

पीपल के पोों से निकलने वाले दूध को फटी एड़ियों पर लगाने से एड़ियां कोमल और सामान्य हो जाती हैं।

8. नकसीर

गर्मी में अेसर नेसीर फूटने की समस्या हो जाती है। ऐसे में पीपल के ताजे पोों का रस निकालकर नाक में टपकाए, इससे नाक से लगातार बह रहा खून रूक जाएगा और नकसीर जैसी समस्या से आराम मिलेगा।

रेसिपी

मूंग सूप

सामग्री

1/2 कप मूंग , 8 घंट के लिए भिगोकर छानी हुई, 1 टी-स्पून तेल, 1/2 टी-स्पून जीरा, 1/4 टी-स्पून हींग, 1/2 टी-स्पून बारीक कटी हुई हरी मिर्च, 4-5 कड़ी पत्ता, नमक स्वादअनुसार, 2 टी-स्पून नींबू का रस, **सजाने के लिए**: धनिया का पत्ता

विधि

मूंग और 3 कप पानी को एक प्रैशर कुकर में मिलाकर, 3 सिटी के लिए प्रैशर कुक कर लें। ढक्कन खोलने से पुर्व सारी भाप निकलने दें। पानी छाने नहीं। हेन्ड ब्लेन्डर का प्रयोग कर मूंग को पीसकर मुलायम मिश्रण बना लें। एक तरफ रख दें। एक गहरे नॉन-स्टिक पैन में तेल गरम करें और ज़ीरा डालें। जब बीज चटकने लगे, हींग, हरी मिर्च और कड़ी पत्ता डालकर मध्यम आंच पर कुछ सेकेन्ड तक भून लें। पीसे हुए मूंग का मिश्रण, नमक और 1 कप पानी डालकर अच्छी तरह मिला ले और मध्यम आंच पर, बीच-बीच में हिलाते हुए 4-5 मिनट के लिए पका लें। नींबू का रस डालकर अच्छी तरह मिला लें। धनिया के पत्ते से सजाकर गरमा गरम परोसें।

त्रेवटी दाल

सामग्री

1/4 कप चना दाल, 1/4 कप तुवर दाल, 1/4 कप पीली मूंग दाल, 2 टेबल-स्पून तेल, 1/2 टी-स्पून ज़ीरा, 2 लौंग, 1 तेज़पत्ता, 1 सूखी कश्मीरी लाल मिर्च , टुकड़ों में तोड़ी हुई, 1/4 टी-स्पून हींग, 2 टी-स्पून अदरक-हरी मिर्च का पेस्ट, 1/4 टी-स्पून हल्दी पाउडर, 1 टेबल-स्पून नींबू का रस, नमक स्वादअनुसार, **सजाने के लिए**: 2 टेबल-स्पून बारीक कटा हुआ हरा धनिया, **परोसने के लिए**: भाखरी, लहसुन की चटनी

विधि

दालों को धोकर, 11/2 कप पानी मिलाकर, 3 सिटी तक प्रैशर कुक कर लें। ढक्कन खोलने से पुर्व सारी भाप निकलने दें। एक तरफ रख दें। एक गहरे नॉन-स्टिक पैन में तेल गरम करें और ज़ीरा, लौंग, तेज़पत्ता, लाल मिर्च और हींग डालें। जब बीज चटकने लगे, अदरक-हरी मिर्च का पेस्ट डालकर कुछ सेकेन्ड तक भून लें। पकी हुई दाल, हल्दी पाउडर, नींबू का रस, नमक और 11/4 कप पानी डालकर अच्छी तरह मिला लें। उबाल लाकर, 5-7 मिनट के लिए धीमी आंच पर, बिच मे एक बार हिलाते हुए उबाल लें। धनिया से सजाकर, भाखरी और लहुसन की चटनी के साथ गरमा गरम परोसें।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**